नई दिल्ली

शुक्रवार 25 सितंबर 2026

भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी वर्ष : 30, अंक : 158

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 33

न्यून. 23

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसें आज होंगी शुरू

मप्र में 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' का शुभारंभ आज

अब शहरों-गांवों में मिलेगी डायरेक्ट बस कनेक्टिविटी

- मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री गडकरी दिखाएंगे हरी झंडी
- बीएचईएल दशहरा मैदान भोपाल में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

इससे साढ़े आठ करोड़ लोगों को परिवहन की सुविधा मिल जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में शुक्रवार 25 सितंबर से सुगम यात्री परिवहन की दिशा में नया अध्याय लिखा जाएगा। लंबे अरसे बाद प्रदेश में सरकारी नियंत्रण में गांव से शहरों तक बसें दौड़ती नजर आएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत शेष पेज 5 पर

भाजपा ने विभिन्न राज्यों के प्रभारी संगठन संयुक्त महासचिव नियुक्त किए

पवन राणा हरियाणा भाजपा के नए संगठन महामंत्री, फणीन्द्रनाथ शर्मा उत्तराखंड संभालेंगे

छत्तीसगढ़ में कर्मवीर और मध्यप्रदेश में चंद्रशेखर को पार्टी का महासचिव (संगठन) नियुक्त किया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को विभिन्न राज्यों के प्रभारी संगठन संयुक्त महासचिव नियुक्त किए। राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश को आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा का जिम्मा सौंपा गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल का प्रभार सौंपा गया है। पार्टी ने संगठन में फेरबदल करते हुए पवन राणा को हरियाणा भाजपा का नया संगठन महामंत्री नियुक्त किया है। इससे पहले वे दिल्ली प्रदेश के संगठन महासचिव थे। राणा दिल्ली के साथ ही अब हरियाणा भाजपा के भी संगठन महासचिव नियुक्त किए गए हैं। नए फेरबदल के बाद फणीन्द्रनाथ शर्मा उत्तराखंड, रविंद्र राजू असम-त्रिपुरा में संगठन की जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ में कर्मवीर और मध्यप्रदेश में चंद्रशेखर को पार्टी का महासचिव (संगठन) नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल का प्रभार सौंपा गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश पार्टी के अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चों के संगठनात्मक मामलों का प्रभार संभालेंगे। उन्हें पार्टी के संसदीय कार्यालय का प्रभारी भी बनाया गया है। भाजपा नेता धर्मपाल को उत्तर प्रदेश में पार्टी का महासचिव, जबकि अजय जामवाल को महाराष्ट्र में महासचिव (संगठन) नियुक्त किया गया है। अमिताभ चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल में महासचिव (संगठन) का पद संभालेंगे, जबकि सतीश धोंड महाराष्ट्र में संयुक्त महासचिव (संगठन) के तौर पर काम करेंगे। भाजपा नेता मधुकर को हैदराबाद, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए पार्टी का महासचिव (संगठन) बनाया गया है। रवींद्र राजू को असम और त्रिपुरा के लिए, जबकि भिखूभाई दलसानिया को बिहार के लिए पार्टी महासचिव (संगठन) नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ में कर्मवीर और मध्यप्रदेश में शेष पेज 5 पर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' एमडीआर के विरोध में व्यापारी

नई दिल्ली। यूपीआई लेन-देन पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में देशभर के व्यापारी संगठनों ने गांधी जयंती यानी 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का ऐलान किया है। इस दिन व्यापारी यूपीआई से भुगतान नहीं लेंगे, इसलिए ग्राहकों को खरीदारी के लिए नकद या कार्ड का सहारा लेना होगा।

मप्र में जन्मे अभिनेता मुश्ताक खान का निधन

मुंबई। बालाघाट में जन्मे मशहूर अभिनेता मुश्ताक खान का गुरुवार को निधन हो गया। 67 वर्षीय मुश्ताक खान पिछले करीब 15 दिनों से मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती थे। वे लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। बीमारी दोबारा लौटने के बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई और हालत गंभीर हो गई थी।

ओडिशा-आंध्र तट से टकराया 'अर्नब' चक्रवात, छत्तीसगढ़ में भी झमाझम

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में डीप डिप्रेशन से बनने वाला चक्रवात 'अर्नब' उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट को पार कर गया। यह कालिंगपट्टनम के दक्षिण-पश्चिम के करीब तट से टकराया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो हुई। तूफान के असर से छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बारिश झमाझम बारिश हुई।

राहुल ने कहा- जल्द सामने आएगा कि कैसे 2024 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में फर्जीवाड़ा हुआ

मुख्य चुनाव आयुक्त ने देशद्रोह किया, वो इस्तीफा देकर अपना गुनाह मानें और 'वोट चोरी' के गवाह बनें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर "देशद्रोह" का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की और कहा कि उन्हें 'वोट चोरी' के मामले में गवाह बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुख्य साजिशकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पूरी जांच होगी और देशद्रोहियों को सजा मिलेगी। राहुल गांधी ने कहा कि वह पिछले तीन वर्षों से सबूतों के साथ 'वोट चोरी' का मुद्दा उठा रहे हैं और अब चुनाव आयुक्तों ने खुद इसे स्वीकार कर सच्चाई सामने ला दी है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले 10 महीनों में दोनों चुनाव आयुक्तों ने 14 बार आपत्तियां दर्ज कीं।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आज यह पूरे देश को पता चल गया है कि उनके वोट नष्ट किए जा रहे हैं। यह काम प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार समेत अन्य लोग कर रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने लोकसभा, हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में वोट चोरी का सबूतों के साथ खुलासा किया था, जिनमें 100 प्रतिशत धांधली हुई थी। घटनाक्रम की टाइमलाइन का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उनके लगातार खुलासों पर दोनों चुनाव आयुक्त चुप रहे। इसके बाद उन्हें समझ आया और उन्होंने पत्र लिखने शुरु किए। इन पत्रों के लिए दोनों चुनाव आयुक्तों की सराहना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सच्चाई सामने ला दी है। चुनाव आयुक्तों ने एक तरीके से स्वीकार किया है कि वोट चोरी की जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त की चुनाव प्रक्रिया में फेरबदल का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते उनके असहमति नोट के बावजूद प्रधानमंत्री द्वारा ज्ञानेश कुमार को चुना गया। उन्होंने याद दिलाया कि मोदी सरकार द्वारा दिसंबर, 2023 में कानून बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त को गलत तरीके से कानूनी कवच भी दिया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री के लिए काम कर रहे हैं और उनपर मोदी एवं अमित शाह का पूरा नियंत्रण है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के इतिहास में कभी लोकतंत्र पर ऐसा आक्रमण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीनों में वे सबूतों के साथ यह दिखाएंगे कि किस तरह 2024 का लोकसभा चुनाव, उसके पहले और बाद के विधानसभा चुनावों में फर्जीवाड़ा किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष किसी भी कीमत पर वोट चोरी नहीं होने देंगे और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी। राहुल गांधी ने कहा कि वोट देश की नींव है। भारतीय संविधान को ताकत वोट से मिलती है, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है।

उन्होंने संविधान, कानून और संस्थाओं के बीच संबंध को एक कड़ी के तौर पर सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि संविधान से कानून बनते हैं और कानूनों से संस्थाएं बनती हैं। उन्होंने कहा कि यदि वोट चोरी हो गया तो शेष पेज 5 पर

अगर इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगेः दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिया अल्टीमेटम, 48 घंटे में इस्तीफा दें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

भाजपा ज्ञानेश कुमार के प्रभाव के कारण ही चुनाव जीत रही, एसआईआर प्रक्रिया को फ्रीज करें: दीपके

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने आरोप लगाया कि बीजेपी ज्ञानेश कुमार के प्रभाव के कारण ही चुनाव जीत रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्ञानेश कुमार को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इस अवसर पर देश के युवाओं से लोकतांत्रिक सुधारों के लिए आगे आने का आह्वान किया। कॉकरोच शेष पेज 5 पर

भाजपा ने चुनावी व्यवस्था और एंटी-इन्कंबेंसी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की समझ पर सवाल खड़े किए

कांग्रेस पार्टी अब लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रहीः भाजपा

आज चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है, सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल होता है और स्वतंत्र मीडिया भी मौजूदः त्रिवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने चुनावी व्यवस्था और एंटी-इन्कंबेंसी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की समझ पर सवाल खड़े किए हैं। बृहस्पतिवार को राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए तो भाजपा ने पलटवार किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके द्वारा पेश की गई जानकारी का स्रोत और आधार स्पष्ट नहीं है।

त्रिवेदी ने राहुल गांधी के राजनीतिक ज्ञान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति के इतिहास और अलग-अलग राज्यों में कांग्रेस के सत्ता में रहने के रिकॉर्ड को ठीक से नहीं समझते। सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के आरोपों को एक हताश नेता की झूठी गूंज करार देते हुए कहा कि हार की बौखलाहट में कांग्रेस पार्टी अब लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी के उस दावे को राजनीतिक अज्ञानता का प्रतीक बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि एंटी इनकंबेंसी एक स्थापित सच है और यह भाजपा के आने के बाद बेअसर हुई है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि एंटी-इन्कंबेंसी भारत में एक मजबूत राजनीतिक प्रवृत्ति है और इससे कोई सरकार लंबे समय तक नहीं बच सकती। उन्होंने भाजपा के कई राज्यों में लगातार चुनावी जीत का जिक्र करते हुए सवाल उठाया था कि वहां एंटी-इन्कंबेंसी खत्म कैसे हो जाती है। इसके जवाब में सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एंटी-इन्कंबेंसी का इतिहास कांग्रेस के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता में वापस नहीं आ सकी है। उनके मुताबिक, इसलिए राहुल गांधी का यह तर्क भारतीय राजनीति की पूरी तस्वीर को नहीं दर्शाता। सुधांशु शेष पेज 5 पर

ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा, स्लीपर बस में आग लगने से 9 यात्रियों की जलकर मौत

यात्रियों को जलने की बदबू आई, ड्राइवर से कहा-रोको, वह बोला-मरना है तो मर जाओ

'सिस्टम' को भी 'रौंद' रही थी ये बस

- बस का ऑपरेटर छतरपुर से (राज कल्पना ट्रैवल्स)
- बस का पंजीकरण बिहार में
- फिटनेस प्रमाणपत्र राजस्थान से
- प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र हरियाणा से
- छह राज्यों मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में नेटवर्क
- 1,55,000 रु. के चालान
- सेफ्टी उपकरण गायब

एजेंसी ⏭ जेवर (ग्रेटर नोएडा)

यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात 11.30 बजे एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास 35 किमी माइलस्टोन पर डबल डेकर स्लीपर बस आग का गोला बन गई। हादसे में बस के अंदर फंसे नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतकों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। आग इतनी विकराल थी कि शव बुरी तरह जलकर कंकाल में तब्दील हो गए। कई शवों के अंग तक अलग हो गए। देर रात से करीब पांच घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शवों को बस की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया। चश्मदीदों ने बताया कि आग लगने की बदबू आई तो ड्राइवर से कहा कि बस रोको। ड्राइवर ने कहा कि मरना हो शेष पेज 5 पर

एशियन गेम्स में भारत को पांचवें दिन मिले 5 मेडल

- मिक्स्ड रिले में सिल्वर, सीमा कुमारी ने 10 हजार मीटर में ब्रॉन्ज जीता
- शूटिंग और रोइंग में भी कांस्य, रोशिबिना को लगातार दूसरा सिल्वर

मेडल का 'पंच'

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के पांचवें दिन भारत ने 5 पदक जीते। इनमें दो सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज शामिल हैं। 4गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले में मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और वित्या रामराज की टीम ने 3:14.46 के समय के साथ सिल्वर हासिल किया। महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ में सीमा कुमारी ने 32:50.05 के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस स्पर्धा में 2010 के बाद एशियन गेम्स में भारत का यह पहला पदक है। शूटिंग के मिक्स्ड स्कीट में अनंतजीत सिंह नारूका और परिनाज धालीवाल की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की डबल स्कल्स रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान शेष पेज 5 पर

जेपी नड्डा करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन, डिजिटल हेल्थ और स्वास्थ्य आश्वासन व्यवस्था को मजबूत करने वाली कई नई पहल होंगी लॉन्च; बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलेगा सम्मान

आयुष्मान भारत पीएम-जय के 8 साल और डिजिटल मिशन के 5 साल पूरे, आज होगा 'आरोग्य मंथन 2026'

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ वर्ष और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा शुक्रवार को नई दिल्ली में 'आरोग्य मंथन 2026' कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम में स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। आरोग्य मंथन 2026 का आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब केंद्र सरकार देश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और तकनीक आधारित बनाने के प्रयासों पर जोर दे रही है।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें योजनाओं के क्रियान्वयन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तथा लाभार्थियों के बीच डिजिटल संपर्क को मजबूत करने जैसे विषयों शेष पेज 5 पर

भगवताचार्य इंद्रेश जी महाराज से 'हरिभूमि व आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक **डॉ. हिमांशु द्विवेदी** का सार्थक संवाद

युवा पीढ़ी को उनके तरीके से बताएंगे तो जरूर आपको सुनने आएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विख्यात भगवताचार्य इंद्रेश जी महाराज (इंद्रेश उपाध्याय) का युवाओं के प्रति रुख सकारात्मक है। वे मानते हैं कि मौजूदा युवा पीढ़ी धर्म-कर्म से विमुख नहीं है। आस्थावान हैं। आज की पीढी धर्म को नहीं मानती या कथाएं सुनाना नहीं चाहती है, यह कहना गलत है। इस पीढ़ी को उनके तरीके से सुनाएंगे तो वे जरूर सुनने आएंगे। युवा भटके हुए नहीं हैं या युवा चाहते नहीं हैं कि वे धर्म या अध्यात्म से ना जुड़ें, पर उनके तरीके से कोई उनको बता नहीं रहा है। उनके तरीके से उनको कोई जोड़ नहीं रहा है। अगर आप उनको उनके तरीके से जोड़ेंगे तो वे जरूर जुड़ेंगे। इंद्रेश जी महाराज ने हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सार्थक संवाद में बेबाकी से अपनी राय रखी। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश-

ये भी बोले इंद्रेश जी

- *यह मेरा अंतिम जन्म हो, इसलिए कथा कर रहा हूं, दोबारा जन्म लेना नहीं चाहता क्योंकि 100 साल बाद का कलयुग बेहद खतरनाक होगा*
- *मुक्ति का सहज, सरल मार्ग मानवता का...व्यवहार, स्वभाव, विचार इसमें संकीर्णता नहीं है तो आप मुक्ति के अधिकारी*

उनसे सीधी बातचीत

आपके आयोजन में आखिर कैसे वह पीढ़ी भी आती है जिसके बारे में कहा जाता है, इस पीढ़ी का धर्म के साथ कोई सरोकार नहीं है ?

युवा भटके हुए नहीं हैं या युवा चाहते नहीं हैं कि वो धर्म या अध्यात्म से ना जुड़ें, पर उनके तरीके से कोई उनको बता नहीं रहा है। उनके तरीके से उनको कोई जोड़ नहीं रहा है। जब शेष पेज 5 पर

ईएसआई अस्पताल के सामने का अंडरपास शाम ढलते ही बन जाता है असामाजिक तत्वों का अड्डा

अंडरपास में जलभराव होने के कारण जान हथेली पर रख कर करना पड़ता है रोड पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

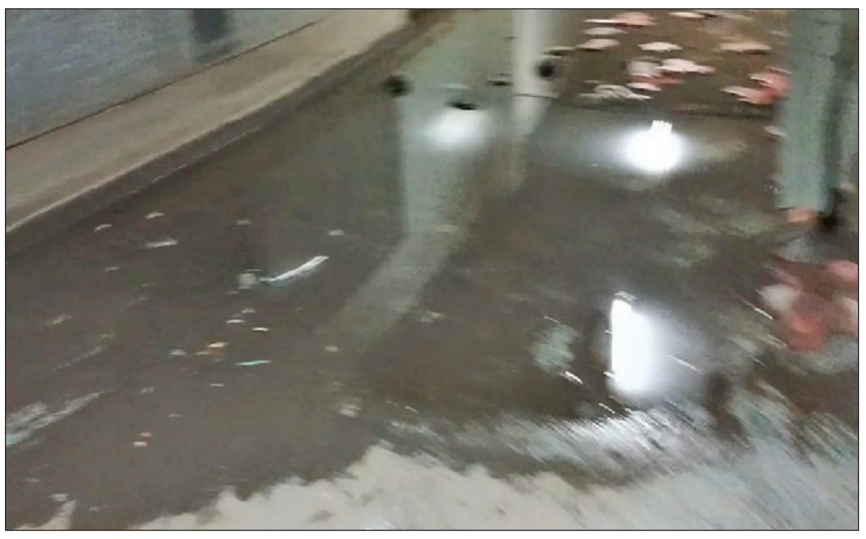

पंजाबी बाग के पास बसई दारापुर स्थित ईएसआई अस्पताल के सामने बना अंडरपास शाम ढलते ही लोगों के लिए असुरक्षा का कारण बन जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अंडरपास और उसके आसपास शाम के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ जाता है। इसके साथ ही अंडरपास में जलभराव निकासी की व्यवस्था भी नहीं है, जिसके चलते जलभराव में बीमारियां पनप रही है।

जलभराव की स्थिति में लोगों को अंडरपास पार करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों, उनके परिजनों, आसपास काम करने वाले कर्मचारियों और राहगीरों में भय का माहौल रहता है। स्थिति यह है कि कई लोग अंडरपास से गुजरने के बजाय सड़क के ऊपर से रास्ता पार करने को मजबूर होते हैं। व्यस्त सड़क पर इस तरह पैदल सड़क पार करना किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकता है।

खासकर बुजुर्ग मरीज, महिलाएं, दिव्यांग और अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति और अधिक परेशानी वाली है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित पुलिस अधिकारियों और नागरिक एजेंसियों से अंडरपास की सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल समीक्षा करने की मांग की है। उनका कहना है कि यहां पर्याप्त हाई-मास्ट/एलईडी लाइटें लगाई जाएं, खराब लाइटों को तत्काल ठीक कराया जाए और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा शाम से रात तक नियमित पुलिस गश्त और जरूरत के अनुसार पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की जानी चाहिए।

अस्पताल के सामने ही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

नई दिल्ली। ईएसआई अस्पताल में दिल्ली के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के साथ उनके परिजन भी शामिल होते हैं। ऐसे में अस्पताल के ठीक सामने बने अंडरपास में यदि शाम के बाद लोगों को असुरक्षित महसूस करना पड़े तो यह केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुविधा और मरीजों की सुरक्षा से भी जुड़ा सवाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास में पर्याप्त रोशनी और नियमित निगरानी नहीं होने से शाम के बाद स्थिति और खराब हो जाती है। सुनसान हिस्सों में लोगों को अकेले निकलने में डर लगता है। इसके कारण कई राहगीर जोखिम उठाकर मुख्य सड़क पार करते हैं।

सड़क पार करना बना मजबूरी

अंडरपास का उद्देश्य ही पैदल यात्रियों को सुरक्षित तरीके से व्यस्त सड़क पार कराना है। लेकिन यदि सुरक्षा की कमी के कारण लोग उसी सड़क पर वापस आने को मजबूर हो जाएं, तो अंडरपास बनाने का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाता है। सबसे अधिक परेशानी शाम के समय अस्पताल से घर लौटने वाले कर्मियों, अस्पताल से छुट्टी पाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को होती है। कामकाजी लोग भी आसपास के बाजार और संस्थानों से लौटते समय इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था दिखाई देने पर लोगों में भरोसा बढ़ेगा और सड़क पर जान जोखिम में डालकर पार करने की प्रवृत्ति भी कम होगी।

एमसीडी ने 30 जगह अवैध निर्माण पर चलाया हथौड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए जा रहे व्यापक प्रवर्तन अभियान के तहत कड़ा एक्शन जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को भवन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 30 जगह अवैध निर्माण पर हथौड़ा चलाया जबकि अनधिकृत निर्माण एवं भवन मानदंडों के उल्लंघन पर 7 संपत्तियां पर सील लगाई। इसके अलावा निगम ने कार्रवाई जारी रखते हुए 10 अवैध निर्माण को लेकर ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए है। एमसीडी के अनुसार प्रवर्तन अभियान के दौरान ओल्ड राजिंदर नगर, बलजीत नगर, उत्तम नगर, राजौरी गार्डन, बुराड़ी, मंडोली, सबोली, झील खुरंजा, गणेश नगर एक्सटेंशन, ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर, गौतमपुरी सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। एमसीडी का कहना है कि भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी 12 जोनों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **यूसुफ पुत्र** मोहम्मद मुस्ताक **निवासी** झुग्गी नं0 197 डीसीएम कॉलोनी, किशन गंज रेलवे स्टेशन, दिल्ली, ने **DD No. 35A Dt.: 27.06.2023, U/S 103 DP Act, पुलिस स्टेशन सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यूसुफ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यूसुफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **DD No. 35A Dt.: 27.06.2023, U/S 103 DP Act, पुलिस स्टेशन सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **यूसुफ** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.11.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11,
सैंट्रल ज़िला, कोर्ट नं0–138, प्रथम तल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13445/RLY/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू उर्फ खतीब पुत्र** साबिर आलम उर्फ लायक हुसैन **निवासी** मकान नं0 658/10, आई–2 ब्लॉक, संगम विहार, नई दिल्ली, ने **FIR No. 000857/2023, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन हज़रत निज़ामुद्दीन, दक्षिण–पूर्व ज़िला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू उर्फ खतीब** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू उर्फ खतीब** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 000857/2023, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन हज़रत निज़ामुद्दीन, दक्षिण–पूर्व ज़िला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राजू उर्फ खतीब** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.10.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री मनुज कौशल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03,
दक्षिण–पूर्व ज़िला, कोर्ट नं0–512,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/13493/SE/2026
(Court Matter)

भाजपा नेताओं का गठजोड़ चला रहा अवैध पीजी : नारंग

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाए कि भाजपा विधायकों, नेताओं और एमसीडी अधिकारियों का गठजोड़ मिलकर अवैध पीजी चला रहा है और लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहा है। इसका उदाहरण भाजपा विधायक अनिल शर्मा मामले में देखा जा सकता है, जहां एमसीडी नियमों को दरकिनार कर ग्राउंड समेत छह मंजिला पीजी बनाकर चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाए कि पहले से बन रही बिल्डिंग का लेआउट प्लान लाकर भाजपा के लोग स्टैंडिंग कमेटी में उन्हें पास करा रहे हैं। नारंग ने पूछा कि सीएम रेखा गुप्ता और एमसीडी मेयर प्रवेश वाही बताएं कि आखिरकार भाजपा विधायक के अवैध पीजी के खिलाफ कार्रवाई कब होगी। नारंग ने कहा कि जब से एमसीडी और दिल्ली सरकार में भाजपा आई है, तब से दिल्ली में लगातार हादसों पर हादसे हो रहे हैं। साउथ जोन में पहले एक इमारत गिर गई, फिर दूसरी जगह एक इमारत में आग लग गई, जहां कोई फायर या बिल्डिंग नॉर्म्स फॉलो नहीं किए गए थे।

पुरानी रंजिश के चलते किशोर को मारा चाकू, तीन नाबालिग पकड़े

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ त्रिलोकपुरी इलाके की घटना

पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में पुरानी रंजिश के चलते 17 वर्षीय एक किशोर को चार नाबालिगों ने कथित तौर पर चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात करीब 9:30 बजे त्रिलोकपुरी के ब्लॉक 30 में चाकूबाजी के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना दी गई थीं।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को पता चला कि 17 वर्षीय पीड़ित को लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से उसे आगे के इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पीड़ित और हमलावर नाबालिगों में से एक के बीच पुरानी रंजिश थी और करीब 15 दिन पहले पीड़ित और उसके साथियों ने एक नाबालिग आरोपी की कथित तौर पर की पिटाई की थी। उनके मुताबिक, उसी का बदला लेने के लिए उस नाबालिग ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पीड़ित को रोका और उस पर हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मयूर विहार थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है और घटना में शामिल चार नाबालिगों में से तीन को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि चौथे नाबालिग को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए दो चाकू भी बरामद किए गए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

छात्रा ने मुखर्जी नगर में छेड़छाड़ का लगाया आरोप, केस दर्ज

एजेंसी. नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में कार सवार लोगों के एक समूह ने हिंदू कॉलेज की छात्रा के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ की जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे हकीकत पार्क के पास हुई। पुलिस ने बताया कि कार चालक की पहचान नमन के तौर पर हुई है जो दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र है और घटना के वक्त उसके साथ दो-तीन अन्य लोग भी शामिल थे। उत्तर पश्चिम दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आकांक्षा यादव ने कहा कि कल रात दो लड़कियां सड़क पर जा रही थीं, तभी एक एसयूवी कार में सवार कुछ लड़कों ने लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की और उनपर फब्तियां कसीं। उन्होंने कहा कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने घटना में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई कार का पता लगा लिया। पुलिस ने बताया कि मुखर्जी नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78 (पीछा करना), 79 (शब्द, इशारा या किसी महिला की गरिमा का अपमान करने का इरादा) और 3 (5) (सामान्य इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

रेबीज की नकली वैक्सीन पकड़े जाना भाजपा सरकार की नाकामी : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में 2 लाख की नकली रेबीज वैक्सीन की 481 यूनिट पकड़ा गई, जो कि भाजपा सरकार की नाकामी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नकली रेबीज वैक्सीन का बेचे जाने की एक वजह सरकारी अस्पतालों में रेबीज वैक्सीन की अनुपब्धता है। यादव ने कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील है कि कुत्ते और जानवरों के काटने के बाद लगने वाली रेबीज की नकली वैक्सीन अगर सरकारी अस्पतालों में मरीजों को लगाई जाएगी, तो मरीज का संक्रमण से कैसे बचाव होगा। दिल्ली कांग्रेस मांग करती है कि दिल्ली पुलिस और दिल्ली का स्वास्थ्य विभाग का विजिलेंस नकली दवाइयों के संगठित नेटवर्क पर शिकंजा कस कर लोगों की जीवन की रक्षा करने के लिए प्राथमिकता से काम करें। यादव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह जब नकली दवाई बेचने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस की पालिसी अपनाने की बात कह रहे है, तो नकली दवाइयां दिल्ली की दुकानों, अस्पतालों व एजेंसियों तक कैसे पहुंचती है। रेबीज की नकली यूनिट पकड़े जाना बेहद चिंताजनक है क्योंकि रेबीज एक गंभीर और कई मामलों मे जानलेवा बीमारी है। अगर वैक्सीन की क्वालिटी उच्च स्तर की नहीं होगी तो प्रभावित मरीज ठीक होने की बजाय अपनी जान ही गंवा देगा।

कैंसर संस्थान में जरूरी दवाइयों की है पर्याप्त उपलब्धता: पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पंकज कुमार सिंह ने गुरूवार का इस संदर्भ में जानकारी देते हुए मीडिया रिपोर्टों का खंडन भी किया है।

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान (डीएससीआई) में ज़रूरी दवाओं की उपलब्धता के बारे में हाल ही में प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों के संदर्भ में स्वास्थ्य विभाग ने इंस्टीट्यूट से सभी तथ्यों की पुष्टि की है।

संस्थान ने साफ किया है कि मीडिया रिपोर्ट में संस्थान में दवाओं की उपलब्धता की पूरी और वर्तमान स्थिति को सही तरह से प्रकाशित नहीं किया गया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने गुरूवार का इस संदर्भ में जानकारी देते हुए मीडिया रिपोर्टों का खंडन भी किया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के साथ ही राजधानी दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता पर लगातार बारीकी से नजर रख रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि डीएससीआई ने यह भी साफ किया है कि संस्थान में अलग-अलग तरह की दवाओं की कुल उपलब्धता लगभग 90 फीसदी है, ज़्यादातर ज़रूरी दवाएं ओपीडी मरीज़ों के लिए फ़ार्मेसी में और अस्पताल में भर्ती मरीज़ों के लिए आईपीडी वार्ड में उपलब्ध हैं। आईपीडी वार्ड में जरूरी इंट्रावेनस फ़्लूइड भी उपलब्ध हैं। दवाओं का स्टॉक की स्थिति जरूरत के हिसाब से बदलती रहती है और मरीज़ों की ज़रूरतों के हिसाब से इसकी लगातार निगरानी की जाती है। स्वास्थ्य मंत्री ने मीडिया रिपोर्ट में डीएससीआई के दवाओं की उपलब्धता के संबंध में प्रस्तुत विवरण वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती है। साथ ही डीएससीआई के निदेशक के नाम से दिए गए कुछ बयानों का संदर्भ हटकर पेश किया गया है।

विकल्प के तौर पर दूसरी एंटीबायोटिक्स दवाएं उपलब्ध

मंत्री ने बताया कि रिपोर्ट में जिस खास एंटीबायोटिक का ज़िक्र किया गया है, वह अभी उपलब्ध नहीं है, हालांकि मरीज़ों की जरूरतें पूरी करने के लिए संस्थान में इसके विकल्प के तौर पर दूसरी एंटीबायोटिक्स दवाएं उपलब्ध हैं। कुछ अन्य दवाएं जिनमें ल्यूप्रोलाइड समेत कुछ अन्य दवाइयां शामिल हैं, पहले ही खरीदी प्रक्रिया में हैं और उम्मीद है कि वे बहुत जल्द उपलब्ध हो जाएंगी। वर्तमान में जिन दवाओं का स्टॉक अभी कम है, उन्हें मंगाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है और कम स्टॉक वाली दवाओं के लिए सप्लाई ऑर्डर भी पहले ही जारी कर दिए गए हैं। संस्थान में दवाओं की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है।

"पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड"
कॉर्पोरेट कार्यालयः आर. ओ. एफ. ग्रुप, बिल्डिंग नंबर 80, सेक्टर–44, गुरुग्राम, हरियाणा–122003 फोन नं. : 0124-4399399

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **मैसर्स पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा **सेक्टर–93, गुरुग्राम, हरियाणा,** में **लाइसेंस संख्याः 19 ऑफ 2020, दिनांक 01.08.2020** के अंतर्गत विकसित की जा रही किफायती आवासीय परियोजना **"आर. ओ. एफ. अतुल्यास"** में निम्नलिखित आवासीय अपार्टमेंटों की बुकिंग, सफल आवंटी/आवंटीयों द्वारा अपने अपार्टमेंट की देय किस्तोंका निर्धारित देय तिथि तक भुगतान न किए जाने अथवा किसी अन्य कारण से रद्द कर दी गई है।

इस संबंध में संबंधित आवंटी/आवंटीयों को **हरियाणा अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी, 2013 दिनांक 19.08.2023 (समय–समय पर संशोधित)** के नियमों एवं शर्तों के अनुसार आवश्यक सूचना/अनुस्मारक दिए जा चुके हैं।

क्र. सं.	आवेदन सं.	कारपेट एरिया + बालकनी (Sq. Ft.)	अपार्टमेंट सं.
1	1005, 3456, 1006, 133	3BHK TYPE-2 (641.426 SQ.FT + 168.348)	T1-1104, T2-604, T5-1108, T1-307
2	2487, 1093, 2783,	2BHK TYPE-2 (468.556 SQ.FT + 155.001)	T6-407, T7-208, T7-707,
3	1025, 1826	2BHK TYPE-1 (502.571 SQ.FT + 171.578)	T6-1202, T7-702
4	2259	2BHK + S.ROOM TYPE-3 (641.426 SQ.FT + 123.247)	T5-1203
5	4468, 1479, 3444, 1342	2BHK + S.ROOM TYPE-2 (641.426 SQ.FT + 123.247)	T4-403, T4-807, T4-503, T4-408

अतः सभी संबंधित व्यक्तियों/आवंटी/आवंटीयों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि उक्त अपार्टमेंटों के रद्दीकरण के संबंध में उनका कोई दावा/ आपत्ति हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर, अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में संबंधित दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी कंपतनी/डेवलपर के समक्ष लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

उपरोक्त निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा/आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा और/या समझा जाएगा कि संबंधित आवंटी/आवंटीयों अथवा किसी अन्य संबंधित पक्ष को उक्त रद्दीकरण के संबंध में कोई दावा/आपत्ति नहीं है। यदि कोई दावा/आपत्ति हो भी, तो उसे इस सूचना के आधार पर त्याग दिया गया अथवा समाप्त माना जाएगा तथा निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किए गए किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। तत्पश्चात उक्त आपर्टमेंटों के पुनः आवंटन की प्रक्रिया हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड
स्थानः गुरुग्राम, (हरियाणा)
निदेशक

कार्यालय -: जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी गुरुग्राम

नीलामी सूचना

दिए गए कार्यक्रम अनुसार जो जहां है-जैसा है के आधार पर जर्जर भवन / कमरों को तोड़ने, सल्वेज्ड मैटीरियल को अधिकार में लाने सहित मौजूदा ढांचे की डिसमंटलिंग सामग्री की स्थल से सफाई के उदेश्य हेतु खण्ड पटौदी जिला गुरुग्राम में निम्नलिखित पुरानी व असुरक्षित ईमारतों / कमरों की नीलामीः-

Sr. No	Block	Name of School	Name of Village	No of Rooms/ Building	Estimate Cost	नीलामी की तिथि, समय, स्थान
1.	Pataudi	GMSPS NARHERA	NARHERA	06 ROOMS	32500/-	06/10/2026
2.	Pataudi	GPS NOORPUR	NOORPUR	03 ROOMS	24600/-	11-00 AM खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पटौदी
3.	Pataudi	GPS SHERPUR	SHERPUR	02 ROOMS	18900/-	
4.	Pataudi	GMS RAM PUR	RAMPUR	04 ROOMS	24600/-	
5.	Pataudi	GPS WARD NO 6	PATAUDI	03 ROOMS	32200/-	
6.	Pataudi	GPS LOHCHBKA	LOHCHBKA	02 ROOMS	18900/-	
7.	Pataudi	GPS DINOKRI	DINOKRI	02 ROOMS	15600/-	
8.	Pataudi	GPS BUDKA	BUDKA	03 ROOM + KITCHEN	18900/-	
9.	Pataudi	GPS MUJAFFRA	MUJAFFRA	02 ROOMS	15000/-	
10.	Pataudi	GPS GADAIPUR	GADAIPUR	05 ROOMS	32000/-	
11.	Pataudi	GMS MIRZAPUR	MIRZAPUR	05 ROOMS	32000/-	
12.	Pataudi	GPS DADAWAS	DADAWAS	03 ROOMS	24000/-	
13.	Pataudi	GPS Panchgaon Fazilwas	Panchgaon Fazilwas	02 ROOMS	19800/-	
14.	Pataudi	GPS Tatarpur	Tatarpur	01 ROOM	14900/-	
15.	Pataudi	GPS Kukrola	Kukrola	02 ROOMS	19000/-	

प्रत्येक बोलीदाता को अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बैंकड्राफ्ट के रुप में 25000 रु. की राशि बोली के लिए योग्यता प्राप्त करने के लिए जमा करवानी होगी जो बोली दाता को छोड़कर नीलामी की समाप्ति पर वापिस कर दी जाएगी।

6 सफल बोलीदाता को बोली राशि 100 प्रतिशत हथोड़ा गिरते ही जमा करवानी होगी। असफल रहने पर जमा करवाई गई राशि जब्त कर ली जाएगी।

7 सफल बोलीदाता को कुल बोली का 10 प्रतिशत जमानत के तौर पर अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में ड्राफ्ट के रुप में जमा करवानी होगी जो कार्य समाप्ति पर वापिस कर दी जाएगी।

8 ईमारत अनुमोदन जारी के एक माह में ईमारत तोड़ी जानी चाहिए तथा स्थल मलबा रहित होना चाहिए जिसके असफल रहने पर शेष साल्वेज्ड पर सरकार द्वारा कब्जा ले लिया जाएगा।

9 पार्टियों के मध्य किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्राधिकार गुरुग्राम रहेगा।

10 अगर अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण डिसमेंटलिंग के लिए ईमारत का कब्जा समय में नहीं दिया है तो ठेकेदार को काई राहत नहीं दी जाएगी। केवल समय बढाया जाएगा।

नोटः- बोली दाता बोली व नीलामी होने से पहले स्थल (विदयालयों की असुरक्षित ईमारतों / कमरों) को देख सकते हैं।

हस्ता/–
जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी
गुरुग्राम।

पीआरडीएच-1132/11/194/2027/49622/88/7 दि. 24.09.26

मुख्यमंत्री ने कहा, निस्वार्थ सेवा करने वाली बहनों को नमन

आंगनवाड़ी बहनों की हर चिंता अब मेरी जिम्मेदारी: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बिना किसी लाइमलाइट के समाज की सेवा कर रहीं आंगनवाड़ी बहनों की हर चिंता अब मेरी जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार द्वारा मनाए जा रहे '9वें राष्ट्रीय पोषण माह' के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान कार्यक्रम के दौरान यह संबोधन दिया।

मुख्यमंत्री ने वर्षों से जमीनी स्तर पर बच्चों, माताओं एवं परिवारों की सेवा कर रही आंगनवाड़ी बहनों का अभिनंदन किया। उन्होंने इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की वर्षों की निस्वार्थ सेवा को नमन करते हुए कहा कि समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक जिम्मेदारी ये बहनें बिना किसी प्रचार और लाइमलाइट के निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी की बहनें वर्षों से बिना किसी लाइमलाइट के लगातार समाज की सेवा कर रही हैं। कभी बच्चों की देखभाल, कभी गर्भवती महिलाओं तक पहुंचना, कभी सर्वे करना, टीकाकरण में सहयोग देना, डेटा तैयार करना या जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाना, वे अलग-अलग जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाती हैं। इन बहनों का काम अक्सर पर्दे के पीछे रह जाता है और उनकी सेवाओं को वह सार्वजनिक पहचान नहीं मिल पाती जिसकी वे हकदार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनके काम की परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए काम करेगी। 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य केवल योजनाएं और सुविधाएं पहुंचाना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वालों और लाभार्थियों से संवाद कर उनकी वास्तविक जरूरतों को समझना और जरूरी सुधार करना भी है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान दिया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के सेवा के 25 वर्षों की यात्रा के अवसर पर दिल्ली सरकार ने तय किया कि दिल्ली की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान दिया जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में लगभग 10,870 आंगनवाड़ी केंद्र हैं और इनमें कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ पालना केंद्रों से जुड़ी कार्यकर्ताओं को भी इस सम्मान पहल में शामिल किया जा रहा है। हर विधानसभा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के अभिनंदन एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत गुरूवार से की गई है।

मुख्यमंत्री ने हैदरपुर में निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का किया शुभारंभ

स्वस्थ नागरिक ही सशक्त दिल्ली की नींवः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्वस्थ नागरिक ही सशक्त दिल्ली की नींव हैं। सरकार का प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं केवल अस्पतालों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें नागरिकों के और करीब लाया जाए, ताकि समय पर जांच, बीमारी की पहचान और उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध हो सके। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप के शुभारंभ कार्यक्रम कें दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि इस मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में क्षेत्रवासियों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से आह्वान किया कि वे इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से अपनी स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक परामर्श अवश्य लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित यह मेगा हेल्थ चेकअप कैंप जनसेवा को नागरिकों के और करीब ले जाने तथा समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर बताया कि क्षेत्रवासियों को कई बड़े उपहार दिए गए हैं, जिसमें 12वीं तक का नया स्कूल, सामुदायिक भवन, छठ घाट और निरोग धाम का जल्द निर्माण शामिल है। साथ ही रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में किसी भी व्यक्ति को तकलीफ न हो, यह मेरी जिम्मेदारी है।

एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के झुग्गीवासियों से संवाद करते हुए उनके आवास को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं पर भी स्पष्ट आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। वर्षों से कठिन परिस्थितियों में रह रहे झुग्गीवासियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गरीब परिवारों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने के संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है।

'आवास निर्माण संबंधित टेंडर की प्रक्रिया शुरू'

मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले चरण में हैदरपुर क्षेत्र के एयू ब्लॉक और एओ ब्लॉक की झुग्गियों के लिए आवास निर्माण से संबंधित टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन क्षेत्रों के आसपास उपयुक्त स्थान चिन्हित कर वहां आवास निर्माण का कार्य किया जाएगा। दूसरे चरण में आयुर्वेदिक अस्पताल क्षेत्र की झुग्गियों को शामिल किया जाएगा और आसपास उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है ताकि झुग्गीवासियों के लिए उनके क्षेत्र के नजदीक बेहतर आवास उपलब्ध कराया जा सके।

'सभी मूलभूत सुविधाओं से लैस होगा क्षेत्र'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र में नए सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए भी टेंडर जारी किया गया है। इसके तैयार होने के बाद स्थानीय लोग विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे। क्षेत्र की नहर के किनारे नए छठ घाट के निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को छठ पर्व के अवसर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उपमहापौर ने सूरजमल विहार में चलाया सफाई अभियान

नई दिल्ली। उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत ने गुरुवार को कूड़े से आजादी अभियान के तहत सूरजमल विहार में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान उप महापौर ने बस स्टैंड एवं प्रमुख मार्गों पर स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान पीडब्ल्यूडी सूरजमल विहार स्थित लीला होटल रेड लाइट से जिंजर होटल तक सड़क के दोनों ओर तथा फुटपाथों की व्यापक सफाई कराई गई। इस दौरान सड़क किनारे जमा कचरे, प्लास्टिक, सूखे कचरे और मलबे को हटाकर क्षेत्र को साफ एवं व्यवस्थित किया गया। इस दौरान उप-महापौर डॉ. मोनिका पंत ने विशेष रूप से डीटीसी बस स्टैंड एवं उसके आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां नियमित रूप से जमा होने वाले कचरे को हटाया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निगम कर्मचारियों को सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा कचरा जमा होने वाले स्थानों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. मोनिका पंत ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी केवल निगम की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाएं, निर्धारित स्थान पर ही कूड़ा डालें और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

एमसीडी स्थायी समिति बैठक : ओमेक्स, प्ले स्कूल पीजी और अधिकारी की मनमानी पर पार्षदों ने घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की गुरुवार को स्थायी समिति की बैठक में ओमेक्स, प्ले स्कूल, पीजी और अधिकारी की मनमानी जैसे मुद्दों पर पक्ष विपक्ष के पार्षदों ने सत्तापक्ष को घेरा। बैठक में पार्षद प्रवीण कुमार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 99 साल की लीज पर दिये गये वहीं चांदनी चौक में पीपीपी मॉडल के तहत ओमेक्स में बनी 850 दुकानों को अनधिकृत तरीके से बेची जा रही है। जबकि ओमेक्स कंपनी के पास इन्हें बेचने का कोई अधिकार नहीं है। प्रवीण ने आरोप लगाए कि ओमेक्स ने अब तक 10 दुकानें बेच दी है।

इस मुद्दे पर स्थायी समिति ने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। प्रवीन कुमार ने सत्य निकेतन भवन दुर्घटना के बाद इलाके में भाजपा विधायक अनिल शर्मा के 5 मंजिला पीजी का मामला उठाया। उनका आरोप है सत्य निकेतन मामले में भाजपा नेता के अवैध पीजी पर एमसीडी कार्रवाई नहीं कर रही है। भाजपा पार्षद मुनेश डेढ़ा ने सवाल उठाया कि राजधानी में मासूम बच्चों के लिए बिना मान्यता के प्ले स्कूल बेसमेंट में संचालित किये जा रहे है। बिना फायर एनओसी और मान्यता के करीब सैकड़ों पीजी चलाये जा रहे हैं। यही हाल अवैध मोबाइल टॉवरों का है। शहर भर में करीब 5000 से ज्यादा मोबाईल टॉवर लगे हैं, लेकिन निगम को सिर्फ कुछ टॉवरों से ही राजस्व मिल रहा है। निगम मोबाइल टॉवरों से अनुमानित करीब 300 करोड़ की आय में से बीते वर्ष सिर्फ 16 करोड़ का राजस्व जुटा पाया है। अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध टावर संचालित हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने शालीमार बाग के एल यू ब्लॉक पीतमपुरा में एमसीडी स्कूल को बंद करके वहां पजल कार पार्किंग बनाने के प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया है। नारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपनी विधानसभा में स्कूल को बंद कर पार्किंग बनवा रही है। इसी तरह से शिक्षा समिति के अध्यक्ष वजीरपुर में स्कूल के अंदर कम्युनिटी लाइब्रेरी बनाने जा रहे हैं, यह बच्चों के फायदे के लिए लाइब्रेरी बनाना अच्छी बात है, लेकिन यह कम्युनिटी लाइब्रेरी एनजीओ को सौंपी जाएगी। जबकि निगम के कम्युनिटी सर्विस डिपार्टमेंट को नहीं सौंपी जा रही। भाजपा पार्षद हेम चंद गोयल ने वार्डों में सफाई कर्मियों की कमी का मामला जोर शोर से उठाया। गोयल का कहना रहा कि किसी वार्ड में 500-700 कर्मचारियों की तैनाती की गई है जबकि किसी वार्ड में सिर्फ 80 कर्मचारी लगाए गये हैं। यह हाल सिर्फ एक दो वार्ड का नहीं बल्कि अधिकांश वार्डों का है।

दिल्ली कांग्रेस निर्वाचन सदन पर आज करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दिल्ली कांग्रेस आज निर्वाचन सदन पर प्रदर्शन करेगी। इस प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी)के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन करेंगे। जानकारी के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता डीपीसीसी कार्यालय पर आज एकत्र होंगे और दोपहर 2:30 बजे सभी कार्यकर्ता डीपीसीसी कार्यालय से मार्च करते हुए पटेल चौक और अशोक रोड स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय (निर्वाचन सदन) के लिए रवाना होंगे।

उपराज्यपाल ने ऐतिहासिक गांधी आश्रम में सद्भावना सम्मेलन का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महात्मा गांधी के लिए स्वतंत्रता और स्वराज का अर्थ केवल राजनीतिक आजादी नहीं था, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के साथ सम्मान और अधिकारों के साथ व्यवहार किया जाना भी था।

दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने बृहस्पतिवार को किंग्सवे कैंप स्थित हरिजन सेवक संघ के ऐतिहासिक गांधी आश्रम में सद्भावना सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर यह संबोधन दिया। हरिजन सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शंकर कुमार सान्याल सहित अनेक विशिष्ट अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित में उपराज्यपाल ने हरिजन सेवक संघ की स्थापना को याद करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के प्रयासों से वर्ष 1932 में सामाजिक भेदभाव के खिलाफ चलाए गए व्यापक आंदोलन के दौरान इस संगठन की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि देश के अनेक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी गांधी से मिलने इसी स्थान पर आते थे। उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम राजनीतिक स्वतंत्रता की लड़ाई के साथ-साथ सामाजिक एकता, समानता और भाईचारे के लिए भी एक समानांतर संघर्ष था। उपराज्यपाल ने बताया कि पंडित मदन मोहन मालवीय ने मुंबई में हुई उस ऐतिहासिक बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें पूना पैक्ट पर पंडित मदन मोहन मालवीय और डॉ. बी.आर. आंबेडकर के बीच हुए समझौते के बाद हरिजन सेवक संघ की स्थापना की गई थी।

महापौर ने किया हिंदूराव अस्पताल का दौरा, मरीजों से मिलकर जाना हाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को हिंदूराव अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण करते हुए मरीजों से संवाद कर हालचाल पूछा और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर महापौर वाही ने कहा कि अस्पताल में आई सी यू की क्षमता 8 से बढ़कर 18 बेड करने की योजना है जबकि जर्जर रेजिडेंस ब्लॉक के स्थान पर 200 बेड का नया वार्ड ब्लॉक बनाया जाएगा। इसके साथ ही पुराने लॉन्ड्री ब्लॉक को हटाकर वहां रेजिडेंस ब्लॉक को स्थानांतरित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

इससे अस्पताल परिसर का बेहतर उपयोग हो सकेगा और मरीजों के लिए भविष्य में अतिरिक्त चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा। इस मौके पर महापौर के अलावा अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुमनलता मेहंदीरत्ता, उपायुक्त कनिका सहित निगम एवं अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महापौर ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल के ओ पी डी ब्लॉक, विभिन्न वार्डों, बाल चिकित्सा आपातकालीन ब्लॉक, आई सी यू तथा लेबर रूम का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती एवं उपचार करा रहे मरीजों से सीधे बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, उपचार व्यवस्था तथा अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांगः युवा कांग्रेस ने शुरू की ऑनलाइन याचिका

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को एक ऑनलाइन याचिका शुरू की और लोगों से इसका समर्थन करने का आह्वान किया। कांग्रेस की युवा इकाई ने अपने इस अभियान को 'ज्ञानेश, इट्स डन ब्रो' (ज्ञानेश कुमार, अब हो गया) नाम दिया है। युवा कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि उसकी इस ऑनलाइन याचिका का उद्देश्य इस मुहिम को सोशल मीडिया अभियान तक सीमित रखने के बजाय देशभर के युवाओं और नागरिकों की भागीदारी वाले व्यापक आंदोलन में बदलना है। उसका कहना है कि याचिका में पांच प्रमुख मांगें रखी गई हैं। इनमें कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद से हटाना, उनकी गिरफ्तारी और अभियोजन की कार्रवाई, चुनावी प्रक्रिया की व्यापक जांच तथा मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाओं की जांच की मांग शामिल है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और निर्वाचन आयोग किसी सरकार या व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि जनता की संस्था है तथा इसकी जवाबदेही होनी चाहिए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि अभियान को कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, युवा संगठनों और समुदायों तक ले जाया जाएगा। निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेदों की बात सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

डीटीसी के अस्थाई चालकों की हड़ताल जारी, यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अस्थाई चालकों की हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। उधर बसें सड़कों पर न उतरने से यात्रियों को बस स्टॉपों पर घंटों बसों को इंतजार करना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण आईटीओ, लक्ष्मी नगर, पीतमपुरा, करोल बाग और धौला कुआं जैसे व्यस्त बस स्टॉपों पर यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूलने से आम जनता काफी परेशान है। गौरतलब है कि 15 सितंबर 2026 से डीटीसी के अस्थाई बस चालक अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। वह अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती है तब तक उनकी हड़ताल जारी रहेगी। दूसरी तरफ डीटीसी कर्मचारी यूनियन ने 28 सितंबर से 'काम बंद आंदोलन' शुरू करने का ऐलान किया है। इसको देखते हुए डीटीसी ने सभी चालकों और परिचालकों के साप्ताहिक अवकाश रद्द कर दिए हैं। डीटीसी के डिपो प्रबंधकों द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 24 से 30 सितंबर के बीच किसी भी चालक या परिचालक को अवकाश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही जो कर्मचारी हड़ताल के दौरान बसों का परिचालन बाधित कर रहे हैं, उन पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। चालकों की मांग है कि उनका न्यूनतम दैनिक वेतन 862 रुपए से बढ़ाकर 2 हजार रुपए प्रति दिन किया जाए। स्थायी कर्मचारियों की तर्ज पर ही संविदा कर्मचारियों को भी वेतन और सुविधाएं दी जाएं।

छात्राओं और महिला सुरक्षा की मांग

एबीवीपी ने डीयू कुलपति कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की आर्ट्स फैकल्टी के सामने डीयू एवं दिल्ली में हाल के दिनों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं के विरोध में कुलपति कार्यालय के बाहर सांकेतिक प्रदर्शन किया।

एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने गुरूवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए दिल्ली पुलिस, डीयू और दिल्ली सरकार से छात्राओं की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। पिछले दिनों डीयू के आसपास महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर घटनाएँ सामने आई हैं। एलएसआर के बैक गेट के पास दुष्कर्म की घटना, विजय नगर क्षेत्र में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटना तथा जेएनयू में छात्रा द्वारा बाहरी व्यक्तियों के संबंध में की गई शिकायत ने विश्वविद्यालय परिसरों और उनके आसपास महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा की है। एबीवीपी ने कहा कि डीयू के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, नियमित पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, खराब स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी को तत्काल दुरुस्त किया जाए तथा छात्राओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए।

डूसू अध्यक्ष यश डबास ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है और यहां पढ़ने वाली प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित वातावरण मिलना उनका अधिकार है। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक सुरक्षा सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। छात्राओं के आने-जाने वाले रास्तों, बैक गेट, आसपास की सड़कों, हॉस्टल और पीजी क्षेत्रों में भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। हाल की घटनाओं को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन और दिल्ली पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

'शिक्षकों पर हमले के दोषियों को मिले सजा'

डीयू के मोतीलाल सांध्य कॉलेज के शिक्षकों पर हुए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण सामूहिक हमले की दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संगठन (डूटा) ने निंदा की है। डूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ ए के भागी ने कहा जब शिक्षक समाज ही सुरक्षित नहीं होगा तो फिर हम कैसे शिक्षा दे पाएंगे। इस घटना की डीयू में कॉलेज शिक्षक डॉ. मनीष कुमार, डॉ हंसराज आदि शिक्षकों ने भी निंदा की है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। इस संबंध में मोती लाल कॉलेज में शिक्षकों की स्टाफ एसोसिएशन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल भी जारी है। शिक्षकों ने कहा है कि पुलिस, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन से अविलंब न्याय और सुरक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षक साथियों की सुरक्षा को लेकर आगे भी लगातार हड़ताल जारी रहेगी।

आईपी यूनिवर्सिटी में मनाया एनएसएस दिवस

नई दिल्ली। एनएसएस दिवस के अवसर पर, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के एनएसएस प्रकोष्ठ के तत्वावधान में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (यूएसबीटी) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और यूनिवर्सिटी हेल्थ सेंटर ने विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर, द्वारका में रक्तदान और सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर को उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली, जिसमें विभिन्न स्कूलों के लगभग 250 छात्रों ने मौके पर ही रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया और 107 से अधिक दाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सामान्य स्वास्थ्य जांच विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा डॉ. तारा चंद, चिकित्सा अधिकारी (द्वारका परिसर) और उनकी टीम के नेतृत्व में की गई।

'आयुर्वेद पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने का करें प्रयास'

नई दिल्ली। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' है, हमें आयुर्वेद पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए, ताकि लोग आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले सकें। दिल्ली सरकार के नजफ़गढ़ स्थित चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) मनु भाई गौड़ ने 11वें आयुर्वेद दिवस के आयोजन पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में आयुर्वेद का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। जानकारी के अनुसार, आयुष मंत्रालय एवं एनसीआईएसएम के दिशा निर्देशों के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्रों के लिए पोस्टर, योग, लघु फिल्म, क्विज व आयुर्वेद आहार निर्माण सम्बन्धी विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयुर्वेद के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्यवार्ताओं तथा एक भव्य रैली का भी आयोजन किया गया।

खबर संक्षेप

मेवाड़ के विद्यार्थियों ने जीता द्वितीय पुरस्कार

गाजियाबाद। मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित कैम्पस टायकून कार्यक्रम में मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बीबीए विद्यार्थियों ने मेडिकल एंबुलेंस को ट्रैफिक से जल्दी निकालने का एक अभिनव आइडिया प्रस्तुत किया। आइडिया को अंतिमहत्वपूर्ण श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार मिला।

प्रीतिका धारीवाल ने मार्शल आर्ट में स्वर्ण पदक जीता

फरीदाबाद। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने बेटी प्रीतिका धारीवाल सुपुत्री राजू धारीवाल को बधाई दी है। नेशनल मार्शल आर्ट में स्वर्ण पदक जीतकर बल्लभगढ़ फरीदाबाद का नाम पूरे देश में रोशन किया है। अब विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने की तैयारी के रही है। भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा ने भी बेटी को बधाई दी है।

अपराधी मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

गाजियाबाद। कविनगर पुलिस ने गुरुवार को पुलिस मुठभेड में स्नैचिंग की घटना को अंजाम देने वाले लुटेरे को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक तंमचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस, एक खोखा कारतूस, सोने की टिक्की व घटना में प्रयुक्त 1 स्कूटी बरामद हुई है। आर के पुरम गोविन्दपुरम निवासी एक महिला के गले से सफेद स्कूटी सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने सोने का मंगलसूत्र वजन करीब 5 ग्राम को छीन कर भाग गए थे। जिसके संबंध में थाना कविनगर पर तहरीर दी।

29 मई को कालोनी में तोड़े गए मकानों का मुआवजा और पुनर्वास की मांग को प्रतिवेदन जमा किए

नेहरू कालोनी बचाओ संघर्ष समिति ने मुआवजा व पुनर्वास की मांग को लेकर निगम में प्रतिवेदन जमा किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नेहरू कॉलोनी बचाओ संघर्ष समिति ने निगम प्रशासन द्वारा 29 मई को कालोनी में तोड़े गए मकानों का मुआवजा और पुनर्वास की मांग को लेकर आज व्यक्तिगत तौर पर निगम कार्यालय में प्रतिवेदन जमा किए। यह जानकारी चैयरमेन बिजेंद्र और कन्वीनर वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी।

इस मौके पर कमेटी की सदस्या देवकी देवी, शकुंतला, सदस्य नरेश कुमार, राकेश कुमार, रंगलाल, शारदा और महेंद्र आदि भी उपस्थित रहे। संघर्ष समिति के सदस्यों ने बताया कि कल भी प्रतिवेदन जमा करे जाएंगे। क्योंकि 27 जुलाई को संघर्ष समिति ने जॉइंट कमिश्नर को 93 लोगों की सूची सौंपी थी। दो माह का समय व्यतीत होने को जा रहा है, लेकिन इस दस्तावेज पर कोई कार्रवाई निगम प्रशासन ने नहीं की। जबकि 24 जून को तत्कालीन कमिश्नर धीरेंद्र खड़घटा ने संघर्ष समिति के सदस्यों को विश्वास दिलाया था कि जिन लोगों के मकान टूटे गए हैं।

निवासियों को पीने का पानी मुहैया नहीं हो रहा है, मुआवजा देने पर सहमति हुई

उनका पुनर्वास किया जायेगा और उन्हें मुआवजा देने पर भी सहमति हुई थी। इसके साथ-साथ नेहरू कॉलोनी में जल आपूर्ति बहाल करने पर भी सिद्धांत रूप में समझौता हुआ था। लेकिन अभी तक वहां के निवासियों को पीने का पानी मुहैया नहीं हो रहा है। लोग टैंकरों से पानी खरीद कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, नेहरू कॉलोनी बचाओ संघर्ष समिति की सदस्या देवकी और शकुंतला ने बताया कि प्रशासन ने 29 मई की आधी रात को कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्यवाही की थी। तब पुलिस ने मकान मालिकों को सामान निकालने तक का समय भी नहीं दिया। निगम के बुलडोजरों और जेसीबी ने कुछ ही पलों में बेहद गरीब लोगों की गाड़ी कमाई से निर्मित मकानों को धराशाई कर दिया। सैकड़ो लोगों ने बारिश में भीग कर अपना समय बिताया है। अब सर्दी आने वाली है। लेकिन लोगों का पुनर्वास सुनिश्चित नहीं हो रहा है।

जीडीए बोर्ड बैठक में शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी बोर्ड की मुहर

गाजियाबाद के सुनियोजित, संतुलित एवं भविष्य उन्मुख विकास को मिली नई गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से लेकर हरनन्दीपुरम की विशाल आवासीय योजना तक आवास, रोजगार, निवेश, अवस्थापना, खेल एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले प्रस्ताव मंजूर

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 174वीं बोर्ड बैठक गुरुवार को आयुक्त मेरठ मण्डल एवं बोर्ड के अध्यक्ष भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में जीडीए के कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में गाजियाबाद के वर्तमान एवं भावी शहरी विकास को नई दिशा देने वाले महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति प्रदान करते हुए मुहर लगाई गई। बैठक के एजेंडे में आवासीय योजनाओं, बड़े टाउनशिप विकास, भू-उपयोग परिवर्तन, औद्योगिक विकास, प्राधिकरण की संपत्तियों के बेहतर उपयोग, अवस्थापना सुविधाओं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित रहे। बैठक में जिलाधिकारी गाजियाबाद रविन्द्र कुमार मांदड़, जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीना, जीडीएउपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मालिक, संयुक्त निदेशक कोषागार एवं पेंशन मेरठ मंडल सतीश कुमार, यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदीप कुमार सत्यार्थी प्राधिकरण बोर्ड के नामित माननीय सदस्य श केशव त्यागी एवं पवन गोयल उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से गाजियाबाद को मिलेगी

बोर्ड बैठक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्ताव में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के स्वामित्व वाली भूमि को लैंडपुलिंग के माध्यम से प्राप्त किए जाने तथा स्टेडियम निर्माण के लिए एमओयू एवं फिजिबिलिटी से संबंधित कार्यवाही शामिल थी। प्रस्ताव पर विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के विकसित होने से गाजियाबाद को एक बड़ी खेल सुविधा प्राप्त होने के साथ-साथ शहर की पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती मिलने की संभावना है।

इंदिरापुरम 501.2173 हेक्टेयर में विकसित होने वाली नई आवासीय

बोर्ड बैठक में जीडीए की नई आवासीय योजना 'हरनन्दीपुरम' से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। योजना का प्रस्तावित कुल क्षेत्रफल 501.2173 हेक्टेयर है। प्रथम चरण में ग्राम भोवापुर एवं शाहपुर निज मोरटा में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहीत 47.1612 हेक्टेयर भूमि में से 24.1213 हेक्टेयर भूमि के भू-उपयोग को महायोजना-2031 में 'कृषि' से 'आवासीय' किए जाने से संबंधित प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के उपरान्त बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

इन्दिरापुरम में 5,965.29 वर्गमीटर भूमि का आवासीय उपयोग

बोर्ड बैठक में इन्दिरापुरम योजना के शक्तिखण्ड-4 स्थित होटल भूखंड संख्या एसके-आईव्ही-01, क्षेत्रफल 5,965.29 वर्गमीटर के भू-उपयोग को 'होटल (व्यावसायिक)' से 'आवासीय (ग्रुप हाउसिंग)' में परिवर्तित करने तथा तलपट मानचित्र में आंशिक संशोधन से संबंधित प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के बाद बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इंदिरापुरम जैसे पूर्ण विकसित एवं उच्च आवासीय मांग वाले क्षेत्र में उपलब्ध भूमि का आवासीय उपयोग किए जाने से आवासीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे विकसित शहरी क्षेत्र में उपलब्ध भूमि का अधिक उपयोगी एवं आवश्यकता आधारित नियोजन संभव होगा तथा आवासीय इकाइयों की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। कोयल एन्क्लेव एवं इन्द्रप्रस्थ में आवासीय विकल्पों का विस्तार लॉटेड डेवलपमेंट से नागरिकों को मिलेंगे अधिक लचीले आवासीय विकल्प बोर्ड एजेंडे में कोयल एन्क्लेव आवासीय योजना के ग्रुप हाउसिंग भूखंडों के उपयोग को प्लॉटेड डेवलपमेंट में परिवर्तित करने से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इनमें एक प्रमुख भूखंड का क्षेत्रफल 12,868.88 वर्गमीटर तथा दूसरा 2,020 वर्गमीटर है। इसी क्रम में इन्द्रप्रस्थ आवासीय योजना के भूखंड संख्या जीएच-08, क्षेत्रफल 4,353 वर्गमीटर के संबंध में भी ग्रुप हाउसिंग के स्थान पर प्लॉटेड डेवलपमेंट—एकल/बहु-आवासीय इकाइयों की अनुमति से संबंधित तलपट मानचित्र संशोधन के प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

नीति शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया

सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दिया स्वस्थ भारत से सक्षम भारत का संदेश

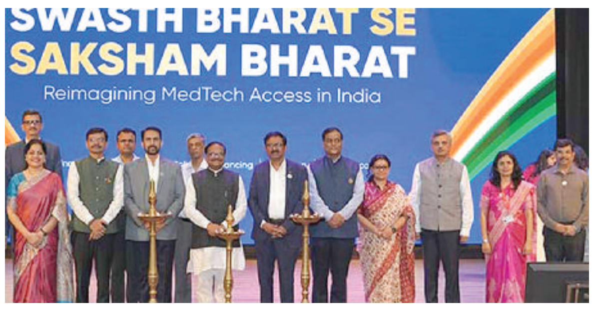

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारतीय चिकित्सा संसदीय मंच (आईएमपीएफ) की ओर से वापी स्थित मैरिल अकादमी में 'स्वस्थ भारत से सक्षम भारत। भारत में मेडटेक पहुंच की नई परिकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय नीति शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में सांसदों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने देश के मेडटेक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी को अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचाने पर चर्चा की। सम्मेलन की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद एवं आईएमपीएफ के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे ने की। दो पैनल चर्चाओं में स्वदेशी नवाचार, नियमन, घरेलू विनिर्माण, नैदानिक साक्ष्य, वित्तपोषण, प्रशिक्षण और मरीजों तक मेडटेक की पहुंच से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

टिकाऊ प्रतिपूर्ति तंत्र को मजबूत करना होगा

कार्यक्रम में औषधि विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के सह-अध्यक्ष एवं सचिव मनोज कुमार जोशी, डॉ. शिवाजी बांदप्पा काल्गे, डॉ. प्रशांत पी. जोशी, डॉ. गौरव शंकर प्रधान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के संयुक्त निदेशक डॉ. शैलेश कुमार यादव, डॉ. नेहा द्रुमका और डॉ. जशवंतसिंह परमार सहित स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. बोंडे ने कहा कि पहुंच के बिना नवाचार का प्रभाव सीमित होता है और साक्ष्य के बिना स्वास्थ्य तकनीक की पहुंच को लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल है। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मेडटेक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास, विश्वसनीय नैदानिक साक्ष्य, उपयुक्त स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और टिकाऊ प्रतिपूर्ति तंत्र को मजबूत करना होगा। सम्मेलन में विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों तक मेडटेक की पहुंच, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, नैदानिक स्वीकृति और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर दिया गया।

साइबर थाना सेंट्रल की बड़ी कार्रवाई

नौकरी लगवाने के नाम पर 65 हजार रुपए की साइबर ठगी, चार आरोपियों को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने वर्क फ्रॉम होम नौकरी लगवाने का झांसा देकर 65 हजार रुपये की साइबर ठगी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ सक्सेना निवासी कमल विहार नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, धनराज निवासी गांव गांधीपुर जिला मुंगेर बिहार हाल भागलपुर बिहार, आकाश मिश्रा निवासी तोमर कॉलोनी नॉर्थ वेस्ट दिल्ली हाल जीवन नगर फरीदाबाद तथा विनीत पाठक निवासी गांव फूलपुर, जिला चंदौली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपियों से ठगी के 65,000 रुपए तथा 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि संजय कॉलोनी निवासी शिकायतकर्ता वर्क फ्रॉम होम नौकरी की तलाश में था। इसी दौरान उसका संपर्क सौरभ सक्सेना से हुआ। आरोपी ने उसे 100 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम नौकरी लगवाने का झांसा देकर 60-70 हजार रुपए देने की बात कही। आरोपितों ने शिकायतकर्ता का ऑनलाइन इंटरव्यू करवाया तथा कंपनी के नाम से नियुक्ति पत्र ई-मेल के माध्यम से भेजा। नौकरी लगने का विश्वास होने पर शिकायतकर्ता ने आरोपितों द्वारा बताए गए यूपीआई नंबर पर 65000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये प्राप्त करने के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने कंपनी द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया, लेकिन वह नंबर भी बंद मिला। शिकायत के आधार पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी सौरभ ने शिकायतकर्ता को नौकरी लगवाने के नाम पर कॉल की थी तथा इसी के खाता में ठगी के 65 हजार रूपये आये थे। इसके बाद धनराज ने शिकायतकर्ता का ऑनलाइन इंटरव्यू लिया। शिकायतकर्ता को जिस कंपनी के ई.मेल से संदेश भेजा गया था, वह ई.मेल आकाश ने तैयार किया था, जबकि विनीत फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर तैयार कर उसी फर्जी ई-मेल के माध्यम से भेजा था।

चारों आरोपियों को माननीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई पहल

प्रोजेक्ट 'ग्रेटिट्यूड 84' का भव्य भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

वरिष्ठ नागरिकों की बदलती जरूरतों और सेवानिवृत्ति जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए लामोज इन्फ्रा एलएलपी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'ग्रेटिट्यूड 84' का भव्य भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। कंपनी के सीईओ भास्वर पॉल, वाइस प्रेसीडेंट सेल्स एंड ऑपरेशन एवं प्रमोटर अनिल बजाज सहित उद्योग जगत की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। ग्रेटिट्यूड 84 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसी जीवनशैली उपलब्ध कराने की सोच के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ सम्मान, सुरक्षा, स्वतंत्रता और अपनापन भी मिले। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और जीवनशैली को केंद्र में रखते हुए घर के साथ स्वास्थ्य एवं देखभाल से जुड़ी सुविधाओं की परिकल्पना की गई है।

प्रोजेक्ट निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम को आगे बढ़ा है

कंपनी के अनुसार, आज के भूमिपूजन के साथ प्रोजेक्ट के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। बदलती जीवनशैली और सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर जीवन की जरूरतों को देखते हुए यह परियोजना वरिष्ठ नागरिक समुदाय के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण तैयार करने की दिशा में काम करेगी। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास केवल रहने की जगह तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें स्वास्थ्य, सुरक्षा, सामाजिक जुड़ाव और आत्मसम्मान जैसे पहलुओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। ग्रेटिट्यूड 84 इसी सोच के साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और सुखद जीवन की नई अवधारणा प्रस्तुत करने का प्रयास है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	वैक्यूम एम्प्यूल सीलिंग मशीन (कार्यक्रमावली) की खरीद।	24.09.2026 19.10.2026	रु. 8.5 लाख	www.mdu.ac.in	9416516507 hodphysics@mdurohtak.ac.in
2	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	गैस सेंसिंग सिस्टम का विकास।	24.09.2026 19.10.2026	रु. 8.40 लाख	www.mdu.ac.in	9215701113 hod.physics@mdurohtak.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/49627/I/88/7 दि. 24.09.26

कुल 14 आरोपी गिरफ्तार, 20 चोरीशुदा वाहन बरामद, बुलेट समेत 19

वाहन चोरों पर एवीटीएस सिकरोना का बड़ा प्रहार, 3 गैंग का पर्दाफाश, 6 सदस्य गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फरीदाबाद पुलिस की एवीटीएस सिकरोना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी करने वाले तीन गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है इसके अलावा अन्य कुछ आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकार टीम ने सितंबर माह में 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 चोरीशुदा वाहन बरामद किए हैं। बरामद वाहनों में एक रॉयल एनफील्ड बुलेट और 19 मोटरसाइकिल शामिल हैं।

फरीदाबाद पुलिस के एसीपी क्राईम अमन यादव ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि एवीटीएस सिकरोना की टीम ने वाहन चोरी में सक्रिय अलाउदीन-फरीद गैंग, आसिफ मोहित गैंग तथा आसिफ हाकम गैंग पर प्रहार करते हुए गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, इन गैंग से जुड़े आरोपियों से चोरी के वाहनों की बरामदगी की गई है।

12 मोटरसाइकिल बरामद की हैं

एसीपी यादव ने बताया कि टीम ने उपरोक्त गैंग के अलावा अन्य 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस प्रकार सितंबर माह में विशेष अभियान के दौरान कार्रवाई करते हुए एवीटीएस सिकरोना की टीम ने 20 चोरी के वाहन बरामद किए हैं। टीम द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी के अन्य वाहनों की बरामदगी तथा इस नेटवर्क में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले भी चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। बरामद वाहनों का संबंध फरीदाबाद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के मुकदमों से पाया गया है। इनमें थाना सेंट्रल, सेक्टर-17, सेक्टर-58, शहर बल्लभगढ़, मुजेसर, सेक्टर-कोतवाली, सूरजकुंड, कोतवाली तथा खेड़ी पुल क्षेत्र में दर्ज मामले शामिल हैं।

गो हेल्दी विद ताइवान 2026 में 62 देशों से 832 प्रस्ताव, 20 टीमें सेमीफाइनल में

गुरुग्राम। स्वास्थ्य और खेल तकनीक के क्षेत्र में नए समाधानों को बढ़ावा देने वाले 'गो हेल्दी विद ताइवान 2026' अभियान में दुनियाभर से जबरदस्त भागीदारी सामने आई है। 62 देशों से मिले 832 प्रस्तावों में से 20 टीमों को सेमीफाइनल के लिए चुना गया है। चयनित टीमें 16 देशों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें भारत के साथ अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, ब्राजील, इजराइल, न्यूजीलैंड और यूक्रेन शामिल हैं। ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन आयोजित और ताइवान बाह्य व्यापार विकास परिषद द्वारा संचालित इस अभियान में पिछले साल के मुकाबले प्रस्तावों की संख्या करीब 30 प्रतिशत बढ़ी है। वर्ष 2025 में 55 देशों से 638 प्रस्ताव मिले थे। सेमीफाइनल में पहुंची 20 टीमों में 11 परियोजनाएं स्मार्ट स्वास्थ्य सेवा और नौ खेल तकनीक एवं साइकिलिंग से जुड़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शुरुआती रोग जांच, दूरस्थ मरीज निगरानी, स्मार्ट चिकित्सा उपकरण, चोटों की रोकथाम, सुरक्षित साइकिलिंग जैसे नवाचार शामिल हैं। भारत की नियोडॉक्स ने स्मार्टफोन से मूत्र जांच पट्टी का विश्लेषण कर गुर्दे से जुड़ी बीमारियों की शुरुआती पहचान में मदद करने वाली तकनीक पेश की है।

(सार्वजनिक सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धर्मेन्द्र पुत्र रामानन्द, निवासी मकान न0 44, चन्दू पोस्ट बुढ़ेड़ा, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 का स्थाई निवासी हूं एवं भूमि रकबा 14 कनाल 7 मरले बरूवे खेक्ट न. 1467 मिन/1231, खाता न0 1522 मिन, मु.न.295, किला न. 6/2(7-0), 14(7-7), किते 2 तादादी रकबा 14 कनाल 7 मरले सालम भाग, (हदबस्त नंबर 72), जमाबन्दी वर्ष 2023-2024 वाका रकबा मौजा बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर के अनुसार पूर्ण मालिक व काबिज हूं।

मैंने उपरोक्त वर्णित भूमि पंजीकृत बैयनामा वसीका संख्या 5166, दिनांक 22.01.2026 जो कि सब-रजिस्ट्रार बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर के कार्यालय में पंजीकृत हैं, के द्वारा खरीद की हुई है। दिनांक 11.09.2026 को मैं उपरोक्त पंजीकृत बैयनामा की असल प्रति लेकर उसकी फोटोकॉपी कराने के लिए गुरुग्राम बाजार में गया था। फोटोकॉपी कराकर जब मैं घर वापिस पहुंचा तो देखा कि पंजीकृत बैयनामा की असल प्रति मेरे पास नहीं हैं और बाजार से घर आते समय रास्ते में कहीं खो गई है। मेरे द्वारा की गई हर संभव को राजेन्द्र खोज के बावजूद मैंने पंजीकृत बैयनामा की असल प्रति नहीं मिली। उसके बाद मैंने दिनांक पार्क, पुलिस स्टेशन में पंजीकृत वैयनामा की असल प्रति के खो जाने की प्राथमिकी दर्ज करा दी थी, जिसका एपलीकेशन क्रमांक न. 132270752601148 है।

मैं घोषणा करता हूं कि मैंने उपरोक्त पंजीकृत बैयनामा में वर्णित भूमि के सम्बन्ध में क्रय-विक्रय बाबत किसी किस्म का कोई अनुबन्ध या बैयनामा निष्पादित नहीं किया हैं, और ना ही उक्त भूमि के असल पंजीकृत बैयनामा को बंधक बनाकर कोई लोन/ऋण लिया हुआ है, ना ही असल पंजीकृत बैयनामा किसी बैंक में जमा किए हुए हैं और न ही असल पंजीकृत बैयनामा किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी तरह से सौंपा है और उक्त जमीन सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त है।

मैं गांव बादली में स्थित अपनी उपरोक्त वर्णित जमीन को मॉडल इकोनोमिक टाउनशिप लिमिटेड कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय तीसरी मंजिल, 77-बी, इफको रोड, सेक्टर 18, गुरुग्राम 122015, हरियाणा में है, को बैय करने की प्रक्रिया में हूँ। जिसके लिए मुझे असल पंजीकृत बैयनामा उक्त कंपनी को सौंपने की आवश्यकता है।

सभी इच्छुक व्यक्तियों,दावेदारों/आपत्तिकर्ताओं, यदि कोई हो, से मेरी वर्णित भूमि के उपरोक्त असल पंजीकृत बैयनामा एवं प्रस्तावित बैयनामा के सम्बन्ध में सभी प्रकार के दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं जोकि इस नोटिस के प्रकाशन से 10 (दस) दिनों की अवधि के अन्दर अन्दर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में सम्बन्धित दस्तावेज एवं सबूत कंपनी के वकील श्री विनय कुमार सैनी, एडवोकेट, जिसका कार्यालय दूसरी मंजिल, मकान नंबर 285, सेक्टर 14, गुरुग्राम 122001, हरियाणा, मोबाइल नंबर 9810203697, ईमेल: svkggn@yahoo.com के पास प्रस्तुत कर देंवे।

यदि उपरोक्त अवधि के अन्दर कम्पनी के वकील को कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि मेरे अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का कोई दावा, आपत्ति, अधिकार, स्वामित्व या हित नहीं है और कंपनी बैयनामा निष्पादित करने के लिए स्वतंत्र होगी। इसके अतिरिक्त जनता जनार्दन से अनुरोध है कि यदि किसी को उपरोक्त वर्णित पंजीकृत बैयनामा की असल प्रति मिलें तो वे असल प्रति कम्पनी के वकील श्री विनय कुमार सैनी, एडवोकेट के उपरोक्त पते पर लौटा दें।

दिनांक : 22.09.2026
स्थान : गुरुग्राम, हरियाणा

हस्ताक्षर
धर्मेन्द्र

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

धारा 82 CrPC/84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **परवीन पुत्र धनी राम निवासी झुग्गी नंबर 25, एच-4 ब्लॉक, जहांगीर पुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 633/2014 U/S 457/380/411 IPC, अन्तर्गत थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **परवीन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **परवीन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 633/2014 U/S 457/380/411 IPC, अन्तर्गत थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **परवीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री साहिल गुप्ता
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07
उत्तर, न्यायालय संख्या 6, भूतल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/13513/NW/2026(Court Matter)

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, चरखी दादरी

मुकदमा नंबर 126 दिनांक 20.08.2026 धारा 127(6) BNS थाना झोझू कलां, जिला चरखी दादरी

सार्वजनिक सूचना / गुमशुदा की तलाश

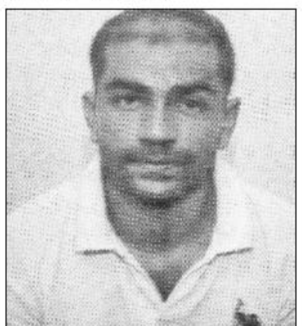

गुमशुदा की तलाश करने बारे।
हुलिया – रंग गेहूआँ, गोल चेहरा, हष्ट पुष्ट शरीर, कद 5 फुट 5 इंच, नीली टी-शर्ट, काली लोवर और पैरों में सफेद रंग की हवाई चप्पल पहने हुए सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 15.07.2026 को विकास पुत्र अशोक निवासी रूदडोल, जिला चरखी दादरी घर से बिना बताये कहीं चला गया जो अभी तक वापस नहीं लौटा। अतः आमजन से निवेदन है कि अगर किसी को इसके बारे में पता चले तो कृप्या तत्काल निम्नलिखित पते/फोन नंबर पर संपर्क करें।

पुलिस प्रवक्ता चरखी दादरी,
कृते पुलिस अधीक्षक, चरखी दादरी

SHO थाना झोझू कलां, चरखी दादरी 7419301125
HC अनिल कुमार थाना झोझू कलां, चरखी दादरी- 9992722850
प्रेम देवी पत्नी अशोक निवासी रुदडोल, जिला चरखी दादरी 8950233547
पीआरडीएच-1084/11/5381/2027/49610/88/7 दि. 24.09.26

पेज एक का शेष

पवन राणा हरियाणा ....

चंद्रशेखर को पार्टी का महासचिव (संगठन) नियुक्त किया है। मानस मोहंती को ओडिशा के लिए, जबकि मंत्री श्रीनिवासुलु को पंजाब और चंडीगढ़ के लिए पार्टी का महासचिव (संगठन) बनाया गया है। पवन साई भाजपा की झारखंड इकाई के महासचिव (संगठन), जबकि सिद्धार्थन हिमाचल प्रदेश इकाई के महासचिव (संगठन) के रूप में काम करेंगे। दशरथ भाजपा की तेलंगाना इकाई के संयुक्त महासचिव (संगठन) के तौर पर सेवाएं देंगे। रत्नाकर गुजरात में भाजपा के महासचिव (संगठन), जबकि अरुण बिन्नाडी संयुक्त महासचिव (संगठन) का पद संभालेंगे।

अब शहरों-गांवों ...

करेंगे। प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवा का विस्तार किया जाएगा। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने 'हरिभूमि' को बताया कि मप्र में लंबे अर्से बाद सुखद व सुविधाजनक परिवहन की सौगात मिलने जा रही है। इससे साढ़े आठ करोड़ लोगों को परिवहन की सुविधा मिल जाएगी।
मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की विशेषताएं: इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से बसों के संचालन, लोकेशन और समयबद्धता की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। मप्र यात्री परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं उसकी 7 सहायक कंपनियों में कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां से बसों की निगरानी की जाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ...

संविधान, कानून और संस्थाओं का मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वोट चोरी से जनप्रतिनिधि सदन में पहुंचते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उनके द्वारा बनाए गए सभी कानून गैरकानूनी हैं। पत्रकार वार्ता की शुरुआत में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा चुनाव में 400 पार के नारे और गृह मंत्री अमित शाह के भाजपा के 50 साल तक शासन करने के दावों की वीडियो दिखाई। उन्होंने अपनी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि 1971 के बांग्लादेश युद्ध में जीत दर्ज करने के बाद वे लोकप्रियता के शिखर पर थीं, लेकिन इसके बावजूद कुछ साल के भीतर उन्हें जबरदस्त सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि देश के कई प्रधानमंत्री और क्षेत्रीय दलों के नेता भी सत्ता-विरोधी लहर से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता-विरोधी लहर के चलते देश भर में सरकारें बदलती रही हैं। राहुल गांधी ने आश्चर्य व्यक्त किया कि इतिहास में भारत के हर राज्य में सत्ता-विरोधी लहर काम करती रहीं, तो फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के मामले में ऐसा क्यों नहीं होता। हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात के चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में दशकों से सत्ता बदलती रही है, वहां से अचानक सत्ता-विरोधी भावना गायब हो जाना असामान्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया की किसी भी पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा संभव नहीं है और ऐसी स्थिति केवल इराक या उत्तर कोरिया जैसी व्यवस्थाओं में ही सुनने को मिलती है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब दोनों चुनाव आयुक्तों ने दे दिया है। कांग्रेस नेता ने सत्ता-विरोधी लहर के बावजूद भाजपा के लगातार चुनाव जीतने का कारण वोट चोरी बताया।

कॉकरोच जनता ...

जनता पार्टी ने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली मांग है कि ज्ञानेश कुमार तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। दूसरी मांग में आगामी चुनावों को तुरंत रद्द करने और एसआईआर प्रक्रिया को फ्रीज करने की बात कही गई है। तीसरी मांग के तहत 2023 के चुनाव आयुक्त को नियुक्त करने के नियमों को वापस लागू करने की अपील की गई है। पार्टी इन मांगों पर सरकार से तत्काल कार्रवाई चाहती है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी नेताओं अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने और मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करने का आरोप लगाया। इस दौरान सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने ज्ञानेश कुमार को 'सबसे बड़ा गद्दार' बताया। उन्होंने ज्ञानेश कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफा देने की मांग की है। दीपके ने आगे कहा है कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं, तो 'जंतर मंतर 2.0' निश्चित रूप से होगा। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। दीपके ने कहा कि लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। अभिजीत दीपके ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञानेश कुमार ने निर्धारित समय में इस्तीफा नहीं दिया, तो देश भर में उनके खिलाफ व्यापक प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश का पूरा लोकतंत्र ही बदल दिया गया है। दीपके ने दावा किया कि महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में 2 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से काटे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली में 47 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। दीपके ने कहा, बीजेपी 2024 के चुनावों में बहुमत हासिल नहीं कर पाई। बहुमत न मिलने पर उनमें घबराहट फैल गई। '400 पार' का नारा देने के बाद वे 240 सीटों पर सिमट गए. इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि देश का मूड बदल रहा है और क्षेत्रीय ताकतें बहुत मजबूती से उभरकर सामने आई हैं, चाहे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे हों, एनसीपी, एम के स्टालिन, पिनाराई विजयन, अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी, ये सभी मुख्यमंत्री एक-एक करके हार गए हैं। यह कोई इत्तेफ़ाक नहीं हो सकता। आप एक पैटर्न देख सकते हैं। ये सभी मुख्यमंत्री एक साथ आए थे और 2024 में एकजुट होकर प्रचार किया था। वे एक-एक करके कैसे बाहर हो गए? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सीट से 50,000 वोट हटा दिए गए और वे लगभग 15,000 वोटों से हार गईं, एम के स्टालिन की सीट से एक लाख वोट हटा दिए गए और वे लगभग 45,000 वोटों से हार गए. दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सीट से 40,000 वोट हटा दिए गए और वे लगभग 4,000-5,000 वोटों से हार गए।

कांग्रेस पार्टी अब ...

त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीपीटी के जरिए अपनी बात रखी, लेकिन इसमें जिन स्रोतों और रिपोर्टों का इस्तेमाल किया गया, उनका आधार स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये ऐसे स्रोत हैं, जिनकी विश्वसनीयता और पहचान को लेकर सवाल हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को भारतीय राजनीति की वास्तविकता को समझने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस के अलग-अलग राज्यों में सत्ता में रहने के इतिहास का जिक्र करते हुए राहुल गांधी के एंटी-इन्कंबेंसी वाले तर्क पर सवाल उठाया। त्रिवेदी ने कहा कि तमिलनाडु में 1967 के बाद से कांग्रेस सत्ता में नहीं आई है। उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। पश्चिम बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सरकार नहीं बनी। 1977 में राज्य में लेफ्ट फ्रंट सत्ता में आया और लंबे समय तक शासन किया। उन्होंने बिहार, उत्तर प्रदेश और ओडिशा का भी उदाहरण देते हुए कहा कि इन राज्यों में भी लंबे समय से कांग्रेस सत्ता से बाहर रही है। त्रिवेदी ने इन्हीं उदाहरणों के आधार पर राहुल गांधी के एंटी-इन्कंबेंसी संबंधी बयान पर सवाल उठाया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एक समय चुनाव प्रक्रिया में कई तरह की अनियमितताओं की खबरें सामने आती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों की लूट और हिंसा जैसी घटनाएं होती थीं। उन्होंने कहा कि आज चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है, सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल होता है और स्वतंत्र मीडिया भी मौजूद है। भाजपा नेता ने दावा किया कि ऐसी व्यवस्था आने के बाद कांग्रेस के लिए सत्ता में वापस आना मुश्किल हुआ है।

यात्रियों को जलने ...

तो मर जाओ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए व घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे पर दुख जताया है। राज कल्पना ट्रेवल्स की बस दिल्ली से महोबा जा रही थी। एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास चालक को बस के इंजन की ओर आग लगने का पता चला। पुलिस बस की टिकट बुकिंग की डिटेल के आधार पर यात्रियों के परिजनों से संपर्क कर रही है। परिजनों के डीएनए नमूने लेकर शवों से मिलान कराया जाएगा। इसके बाद ही मृतकों की पहचान की पुष्टि हो सकेगी। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बस के मालिक का नाम राज कुमार शर्मा है, जो छतरपुर जिले के बिजावर विधानसभा क्षेत्र के दियोरान गांव का निवासी है।
बचे यात्रियों ने बयां किया खौफनाक मंजर, बस में घुट रहा था दम, कुछ खिड़कियों से कूदेः बस से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहीं रिंकी राजपूत ने बताया कि वह नोएडा से राठ जा रही थीं। जिस समय बस में आग लगी, उस समय मैं अपने कोच में सो रही थी, तभी किसी ने आकर दरवाजा खटखटाया और कहा कि बस में आग लग गई है। मैंने अपना सामान भी नहीं उठाया। यहां तक कि जूता भी नहीं पहन पाई। सिर्फ फोन उठाकर बाहर निकली। उन्होंने बताया कि लोग निकलने के लिए धक्का दे रहे थे। धक्के-धक्के में किसी ने मुझे बाहर खींच लिया। बाद में मुझे कुछ याद नहीं। बस धुआं-धुआं हो रखा था। बस में आग आगे साइड लगी थी, जहां चालक बैठता है। बस में बहुत ज्यादा धुआं हो रखा था। अंदर दम घुट रहा था। कुछ दिख नहीं रहा था। कुछ खिड़कियों से कूद गए। बहुत कम ही लोग निकल पाए हैं। वह भी जितने लोग निकले, उतने धक्का-मुक्की में ही निकल पाए हैं। पुलिस करीब आधे घंटे में पहुंच गई थी।

मेडल का 'पंच'...

खान ने 6:13.25 का समय निकालकर ब्रॉन्ज अपने नाम किया। इस स्पर्धा में यह एशियन गेम्स में भारत का पहला पदक है। वु शु की 60 किग्रा सांडा स्पर्धा में रोशिबिना देवी को सिल्वर मिला। फाइनल में उन्हें चीन की झांग शियाओयू से 0-2 से हार मिली। यह एशियन गेम्स में रोशिबिना का लगातार दूसरा सिल्वर है। पांचवें दिन के पांच पदकों के साथ भारत की कुल संख्या 17 हो गई है। इनमें एक गोल्ड, सात सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज शामिल हैं।

आयुष्मान भारत ...

पर चर्चा होगी।
डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम को मजबूत करने की पहलः स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक आरोग्य मंथन 2026 में भारत के डिजिटल हेल्थ और स्वास्थ्य आश्वासन इकोसिस्टम को और मजबूत करने के उद्देश्य से कई नई पहलों की शुरुआत की जाएगी। इनमें नेशनल हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स रजिस्ट्री मोबाइल ऐप प्रमुख है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से संबंधित डिजिटल जानकारी और सेवाओं को अधिक व्यवस्थित एवं सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखी जा रही है। कार्यक्रम में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को आगे बढ़ाने वाली अन्य पहलों और तकनीकी समाधानों की भी शुरुआत की जाएगी।
राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलेगा सम्मानः आरोग्य मंथन के दौरान आयुष्मान भारत के तहत विभिन्न श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सम्मानित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इन पुरस्कारों के जरिए उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों को मान्यता दी जाएगी, जिन्होंने स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल स्वास्थ्य के क्रियान्वयन को मजबूत करने में उल्लेखनीय काम किया है। इस दौरान विभिन्न श्रेणियों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शन का आकलन करते हुए स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन, डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में किए गए प्रयासों को रेखांकित किया जाएगा।
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ साल : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत सितंबर 2018 में हुई थी। योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक स्तर की अस्पताल में भर्ती संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। आठ वर्षों के दौरान देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था का पीएम जय प्रमुख हिस्सा बन चुकी है। योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य पर होने वाले जेब से खर्च को कम करना और आर्थिक रूप से कमजोर तथा पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार के दौरान वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना है।
डिज़िटल मिशन के पांच सालः आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरुआत देश में एक एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी। इसके माध्यम से डिजिटल स्वास्थ्य पहचान, स्वास्थ्य रिकॉर्ड के डिजिटल प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तथा संस्थानों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है। मिशन का व्यापक उद्देश्य एक ऐसा डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें नागरिकों को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड और स्वास्थ्य सेवाओं तक डिजिटल माध्यम से बेहतर पहुंच मिल सके तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच आवश्यक जानकारी का सुरक्षित और व्यवस्थित आदान-प्रदान संभव हो।
स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल तकनीक पर जोरः आरोग्य मंथन 2026 में स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल स्वास्थ्य को एक-दूसरे के पूरक के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के दौरान यह चर्चा होगी कि तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, दक्षता और पारदर्शिता को किस तरह और बेहतर बनाया जा सकता है। मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों की भागीदारी रहेगी। विभिन्न विषयगत सत्रों के जरिए स्वास्थ्य क्षेत्र में अब तक हुई प्रगति और आगे की प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आरोग्य मंथन 2026 के जरिए सरकार का फोकस स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल को व्यापक बनाने और एक मजबूत, एकीकृत डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम विकसित करने पर रहेगा।

उनसे सीधी बातचीत...

उन्हीं की लाइफस्टाइल को केंद्र में लेकर के हम अध्यात्म से जोड़ करके, एग्जामिनेशंस को लेकर, रिलेशनशिप्स को लेकर और उनकी फ्रेंडशिप्स को लेकर के जब उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और फिर भजनों को, कीर्तनों को उस भाव से गाते हैं जिसमें उनको सुख मिले, उनके चित्त में भक्ति बढ़े, तो निश्चित है कि वो लोग जुड़ते हैं। आज देख ही रहे हैं कि इतने सारे युवा आ रहे हैं।

■ **उम्र के किस दौर में थे आप जब यह तय हुआ?**

■ मैं 10वीं पास हो गया था। 11 वीं और 12वीं दोनों प्राइवेट किए। जब मन में आ गया कि अब मुझे यही करना है। मैं 10वीं के बाद ही मुंबई एडमिशन लेने चला गया था कि मैं अब सिंगर बनूंगा। लेकिन बस वो जो पीरियड होता है एडमिशन का, उसी टाइम पर ही यह सारी वारदात हुई और मैं वापस। नाना जी भी स्वयं कथा करते थे और उनकी बड़ी दिलो-इच्छा थी मुझे कथावाचक बनाये। उन्होंने मेरी पहली कथा अटेंड भी की।

■ **जब आपने तय किया कि मुझे तो कथावाचन करना है, तो गुरु के तौर पर पिताजी ही विकल्प थे कि कई विकल्प थे, उनमें से पिताजी आपने चुने या पिताजी ने कहीं और जाने नहीं दिया तो आप पिताजी से ही सीखे?**

■ नहीं, अध्ययन पिताजी ने नहीं कराया। मेरे से उन्होंने कहा कि, लाला, मुझसे तो नहीं पढ़ पाओगे तुम। मैं दुनिया के लोगों को पढ़ा लूंगा, पर अपने पुत्र को नहीं पढ़ा पाउंगा, तो फिर मैंने गुरुदेव से ही पढ़ा। तो हमारे शिव प्रसाद उपाध्याय जी गुरु जी मैंने ऐसे तो कई गुरुजनों से पढ़ा, शिवकरण पांडे जी और उसके बाद में व्यासनंदन गुरु जी, यह सब गुरु जी रहे।

■ **लोग तो आपसे पढ़ने के लिए आते हैं, हजारों की संख्या में, लाखों की संख्या में लोग भक्ति भाव से, श्रद्धा भाव से आपके समक्ष नीचे बैठे रहते हैं।**

■ पढ़ाने वाला अगर चाहता है कि वो देने वालों को और सुंदर दे सके, तो उसको स्वयं भी पढ़ना बंद नहीं करना चाहिए। और इसमें दूसरी बात यह आ जाती है कि जब आपका स्टारडम होने लगता है ना, तो आप उस आसमान में चले जाते हो कि वहां से फिर जब गिरते हैं तो नाक टूटती है। तो उस स्टारडम को संभालने के लिए, उस पॉपुलैरिटी को संभालने के लिए, आपको भी चाहिए कि आपके ऊपर कोई हो। अभी जेन-जी आ रहे हैं। मैं अभी इस समय को अगर छोड़कर कहीं और चला जाता हूं और उस पर ध्यान देने लगता हूं, तो बाद में दोबारा आऊंगा फिर सुनेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। तो इसको अभी कर लेते हैं।

■ **नाना जी को भी देखते थे। और जब आप बैठे, तो किसकी छवि मन में रही कि जैसा वह बोलते हैं वैसा मैं बोलूं या जैसा वह बोलते हैं वैसा तो मैं बिल्कुल न बोलूं?**

■ मैंने यह कभी सोचा ही नहीं कि मैं उनके जैसा बोलूं या उनकी तरह बोलूं या यह करूं। मेरे पास जो है, मैं उसको कैसा सुंदर बनाकर प्रस्तुत कर सकता हूँ, प्रयास किया। यह भी एक गुरु कृपा है। मेरे अंदर यह सदैव भाव पहले से ही रहा कि मेरे पास जो है, मैं उसको सुंदर बनाकर कैसे प्रस्तुत कर सकता हूं, मैं उसका प्रयास करूँ। मेरी आवाज ऐसी है, मेरे बोलने का तरीका ऐसा है, मेरा टोन ऐसा है मैं इससे कितना सुंदर बना सकता हूं। अब जैसे क्या होता है, जैसे रसोई में बनाने वाले शेफ होते हैं। उनको पता चल जाए कि उसने यह-यह डिश बनाई थी। अब मैं उसकी तरह बनाऊँ, तो शायद वह इतना स्वादिष्ट नहीं बनाएगा। उसका देख ले, देख करके फिर सोचे अब मेरी क्या खूबी है, मैं इसमें क्या अच्छा कर सकता हूँ, वह अपनी तरफ से करके देखे। तो मैं इस तरीके से प्रस्तुत करता हूँ। और रही बात मैंने पहले भी कहा कि मैं स्वयं एक साधक हूँ।

■ **यह तो हुई आज की अनुभूति। पर कुल मिलाकर व्यक्ति किसी न किसी से प्रभावित रहता है। भागवत कथा के क्षेत्र में जब आप आए, तो कई बड़े नाम भी थे। डोंगरे जी महाराज का नाम जो है, भागवत कथा वाचक के तौर पर इस देश में एक अलग सम्मान को प्राप्त किया। फिर नए दौर में भी कई संत हैं जिनकी कथाओं को सुनने के लिए लोग तो जब इन्द्रेश जी व्यासपीठ पर बैठने का अवसर पाए, तो कोई मन में था? कोई विचार रहता था?**

■ क्योंकि पहली कथा में वही सामने बैठे थे, तो मुझे लगता था कि कम से कम इतना तो करें कि इनकी इमेज अच्छी रहे, ये बिल्कुल ही वह न हो जाएं। दूसरा, मैं पूज्य मोरारी बापू और पूज्य भाईश्री और हमारे वृंदावन के पूज्य श्री राजेंद्र दास जी महाराज। इन तीनों की कथा बहुत सुनता था। कभी-कभी जैसे मेरे को पढ़ता था ना, तो मुझे कोई विषय बोलना होता था, तो मैं भाईश्री की तरह बोलने लग जाता था। कभी मैं पिताजी की तरह प्रयास करता था गमछा-वमछा डालकर ऐसा। पर जब मैं स्वयं करने पर आया, तो फिर मेरे मन में आया कि अपना परोसें। अपना करें। हां, प्रारंभ में यह मेरी एक रहती थी कि मैं पिता अपने सामने एक रूम में एक मिरर (शीशा) लगाया, पिताजी की तरह बोलने लगा, कभी मलूक पीठ वाले महाराज जी की तरह गाने लगा, कभी बापू की तरह कहने लगा। लेकिन जब अपनी बात परोसने पर आए, तो फिर अपने तरीके से करने लगे।

■ **भागवत के संदर्भ में आपकी क्या अनुभूति आई?**

■ उसमें भक्त चरित्र हैं। कितने भक्तों ने कैसे ठाकुर जी को प्राप्त किया, वह सारा विषय उसमें स्पष्ट है। भागवत जी जो हैं, 'तेनेयं वाङ्मयी मूर्तिः' साक्षात कृष्ण ही हैं। एक-एक श्लोक, एक-एक स्कंध, एक-एक अध्याय ठाकुर जी का स्वरूप है। आप एक श्लोक में भी डूब सकते हैं और वह एक श्लोक भी भगवद् दर्शन करा सकता है। तो यह मेरी दृष्टि रहती है भागवत जी के प्रति कि संपूर्ण श्रीमद्भागवत जी... और एक हमारे यहां ब्रज में कहते हैं कि भागवत जी के जो सफेद पन्ने हैं, वह राधा रानी हैं और उस पर लिखे हुए जो काले श्लोक हैं, वह कृष्ण हैं। तो जब भी हम भागवत जी करते हैं, तो यही ऐसा लगता है साक्षात कृष्ण का दर्शन ही कर रहे हैं। उसी भाव से कथा कहते हैं। जब भागवत आप इतने मनोयोग से कहते हैं, इतनी अनुभूति के साथ में, तो कुल मिलाकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचे कि भागवत किसलिए है? हां न, यह तो निष्कर्ष पहले ही स्पष्ट हो चुका है।

■ **आपकी अपनी अनुभूति क्या है?**

■ मेरी अपनी अनुभूति यह कहती है कि यह मेरा अंतिम जन्म हो। वह अंतिम जन्म कैसे होगा, वह भागवत जी निश्चित कर लेंगी। भागवत जी में बताए गए मार्ग, भागवत जी में बताए गए विधान, भागवत जी में बताए गए नियम-कर्म, उनका यदि मैं पालन करूँ तो शायद यह मेरा अंतिम जन्म होगा। मुझे दोबारा धरती पर आना नहीं है। आद्य गुरु शंकराचार्य भगवान बोले हैं, पुनरपि जननं पुनरपि मरणं पुनरपि जननी जठरे शयनम्, बार-बार जननी के जठर में मत आओ, ऐसा कर्म करो। पहले मेरा उद्देश्य दूसरा था कि मुझे ठाकुर जी को देखना है या ठाकुर जी का अनुभव करना है। कथा करते-करते मुझे वह अनुभव कथा में ही होने लग गया कि ठाकुर जी ऐसे हैं, ठाकुर जी वैसे हैं, उनकी आकृति ऐसी है, वे ऐसी कृपा करते हैं, तो वह सब मुझे अनुभव होने लगे। अब मेरा उद्देश्य हो गया कि नहीं, ठाकुर जी तो मिल ही जाएंगे बाद में, यह विश्वास हो गया। लेकिन यह जन्म अंतिम हो, यह निश्चित करना है। क्योंकि अभी जो दौर चल रहा है, इसके बाद अगर मैं जन्म लेता हूँ मान लीजिए 100 साल बाद, तो बहुत खतरनाक कलयुग होगा और मैं सह नहीं पाऊँगा। तो हे नाथ! यह मेरा अंतिम जन्म हो, मैं इसी उद्देश्य से कथा कर रहा हूं।

■ **अपने यहां मुक्ति के संदर्भ में कई रास्ते बताए हैं। भक्ति के माध्यम से, कर्म के माध्यम से, ज्ञान के माध्यम से। आप तो स्वयं व्यासपीठ पर निरंतर आसीन होते हैं। कौन सा मार्ग वर्तमान दौर में आपको सबसे सहज, सरल महसूस हो रहा है?**

■ मानवता का। आप भक्ति मार्ग में हैं, लेकिन मानव अच्छे नहीं हैं। किसी का भी हृदय दुखा देते हैं, छल कर देते हैं, कपट... वैसे तो भक्ति मार्ग में छल-कपट होने की इच्छा जाग्रत होती नहीं, पर फिर भी कई लोग मैंने देखे हैं अध्यात्म जगत में होते हुए भी उनका क्रोध शांत नहीं हुआ। अध्यात्म जगत में होते हुए भी नित्य संध्योपासन-तिलक स्वरूप धारण करने के बाद भी उनके मन के विकार शांत नहीं हुए। सब कुछ करने के बाद भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं हुआ। तो भक्ति मार्ग तो है ही, ज्ञान मार्ग तो है ही, पर उसमें भी मुझे लगता है कि कई लोग शायद भक्ति नहीं जानते, कई लोग शायद ज्ञान नहीं जानते, लेकिन वे मानव अच्छे हैं।

■ **मतलब आप कर्म की प्रधानता पर ज्यादा आग्रही हैं?**

■ मतलब मुझे यह लगता है कि विचार और स्वभाव में व्यक्ति संकीर्ण नहीं होना चाहिए। वह विकसित बुद्धि का होना चाहिए। उसके अंदर बहुत ज़्यादा जो है सरलता, सहजता, दीनता और निष्कपटता अगर वह ऐसा है, तो मुझे लगता है कि वह मुक्ति प्राप्त कर लेगा। भाई ठाकुर जी को हम उस व्यक्ति को अपने पास बुलाना चाहते हैं न, कि जो व्यक्ति मतलब खुश-खुश रहता हो, प्रसन्न रहता हो, आनंद में रहता हो, मन-बुद्धि-चित्त से बिल्कुल प्रसन्न रहता हो। ठाकुर जी भी यही चाहते हैं, भाई अब तू भक्ति तो कर रहा है पर क्रोध तुझमें भयंकर है, कपट तुझमें भयंकर है, तू ज्ञान मार्ग में तो है लेकिन अब भी तुम्हारे मन का जो अहंकार है वह नष्ट नहीं हुआ है। लेकिन कोई व्यक्ति है, वह बिल्कुल भोंदू है, भोला है, सीधा है, सहज है, ठाकुर जी को शायद वह ज़्यादा प्रिय लगता होगा। इसलिए मुझे लगता है कि व्यवहार, स्वभाव, विचार इसमें संकीर्णता नहीं है तो आप मुक्ति के अधिकारी हैं।

■ **कौन सी कथा ऐसी है जो आपको सर्वाधिक भाती है?**

■ बात तो असली यह है कि जो प्रसंग मुझे बहुत भाता है, मैं उसको कथाओं में नहीं बोलता। मैं उसको अपने तक रखता हूं। अपने तक कैसे रखता हूं कि मैं स्वयं उसमें खेलता हूँ, रमता हूं, डूबता हूं।

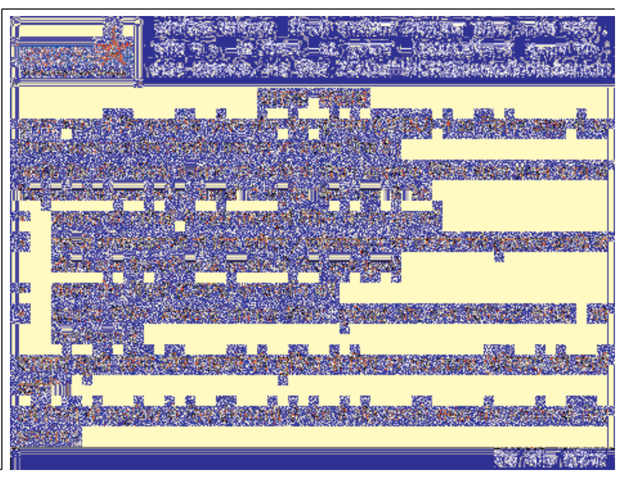

जंतु जगत / शिखर चंद जैन

जन्म से ही अनोखी खूबियों वाले एनिमल्स के ये सुपर बेबीज

बच्चो, क्या तुम जानते हो कुछ एनिमल्स और बर्ड्स के बच्चे जन्म लेते ही चलने, दौड़ने, तैरने और उड़ने लगते हैं? वे बिना किसी ट्रेनिंग के अपनी सुरक्षा कर लेते हैं, भोजन का इंतजाम कर लेते हैं। जानो, कुछ ऐसे ही एनिमल्स और बर्ड्स बेबीज के बारे में।

मैगापोड जन्म लेते ही उड़ान के लिए तैयार

मैगापोड, एक खास तरह का पक्षी होता है, जो ऑस्ट्रेलिया और उसके आस-पास के द्वीपों में पाया जाता है। इनके बच्चे इतने समझदार होते हैं कि जन्म लेने के 24 घंटे के अंदर ही आसमान में उड़ सकते हैं! सबसे हैरानी की बात यह है कि वे अपने माता-पिता से कभी नहीं मिलते। ये बच्चे जन्म से ही दुनिया के सबसे आत्मनिर्भर और दिमागी रूप से विकसित (होशियार) पक्षी माने जाते हैं। जीव विज्ञान में इन्हें 'सुपरप्रीकोशियल' कहा जाता है, जिसका मतलब है कि ये अंडे से निकलते ही पूरी तरह परिपक्व होते हैं। इन्हें जीवित रहने के लिए माता-पिता की कोई जरूरत नहीं होती। मैगापोड के माता-पिता अपने अंडे को जमीन या गर्म सड़ी-गली पत्तियों के ढेर के नीचे दबाकर छोड़ देते हैं। इसलिए ये बच्चे अपने माता-पिता को कभी नहीं देखते। अंडे से बाहर निकलने के बाद, वे अपनी सूझबूझ से जमीन के नीचे से रास्ता खोदकर खुद बाहर आते हैं। दुनिया के ज्यादातर पक्षी जन्म के समय कमजोर और बिना पंखों के होते हैं। इसके विपरीत, मैगापोड के बच्चे जब अंडे से निकलते हैं, तो उनकी आंखें खुली होती हैं, शरीर पर मजबूत पंख होते हैं, ये जन्म के पहले ही दिन से उड़ने, दौड़ने और शिकार करने में सक्षम होते हैं। इन्हें कोई यह नहीं सिखाता कि क्या खाना है, क्या नहीं। ये अपने जन्मजात ज्ञान की वजह से खुद ही कीड़े-मकोड़े और बीज ढूंढ़कर खाने लगते हैं। रिसर्च के अनुसार, इनके दिमाग में अपनी प्रजाति के चलने-फिरने के तरीकों को पहचानने की जन्मजात कोडिंग होती है। *

कंगारू बिना आंखों के भी रास्ते की पहचान

कंगारू का बच्चा जब पैदा होता है, तो वह केवल एक जेली बीन (टॉफी) जितना छोटा होता है। वह न तो देख सकता है, न सुन सकता है। लेकिन उसकी समझदारी देखने वाली होती है। वह पैदा होते ही अपनी मां के पेट के बालों को पकड़कर रेंगता हुआ सीधे उसकी सुरक्षित थैली के अंदर पहुंच जाता है। बिना देखे सही रास्ता ढूंढ़ लेना किसी जादू से कम नहीं है। *

समुद्री कछुआ पैदा होते ही भाग-दौड़ शुरू

समुद्री कछुए के बच्चे वास्तव में प्रकृति के अद्भुत जीव होते हैं। ये बहुत बुद्धिमान होते हैं। अंडों से बाहर निकलते ही ये बच्चे अपनी जान बचाने, अपने घर यानी समुद्र तक पहुंचने के लिए असाधारण बुद्धिमत्ता और जन्मजात कौशल का प्रदर्शन करते हैं। इनके इस तरह होशियार होने के कुछ प्रमुख कारण हैं, जन्म लेते ही ये छोटे कछुए रेत की खुशबू, चंद्रमा की रोशनी और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की मदद से अपनी जरूरत के रास्ते खोज लेते हैं। ये बच्चे बिना भटके सीधे समुद्र की ओर भागते हैं। जब ये समुद्र की तरफ रेंग रहे होते हैं, तब इनका दिमाग उस जगह की हर बारीकी जैसे रेत की गंध आदि को रिकॉर्ड कर रहा होता है। सालों बाद, जब ये बड़े होते हैं, तो अंडे देने के लिए बिल्कुल उसी समुद्र तट पर वापस आते हैं, जहां वे पैदा हुए थे। अंडे से निकलने के बाद ये बच्चे एक साथ रेत के अंदर को-ऑर्डिनेट करते हैं और मिलकर बाहर आते हैं ताकि शिकारियों से बचे रहें। इन बच्चों को कोई सिखाता नहीं है कि पानी में कैसे जाना है, शिकारियों से कैसे बचना है? *

ब्लू व्हेल पैदा होते ही एक्टिव

दुनिया के सबसे बड़े जीव, ब्लू व्हेल का बच्चा जन्म के समय एक बड़ी कार जितना लंबा दिखता है। इसकी लंबाई करीब 25 फीट होती है। पानी के अंदर पैदा होने के बाद वह तुरंत समझदारी दिखाते हुए तैरकर पानी की सतह पर आ जाता है ताकि सही ढंग से सांस ले सके। इतना ही नहीं, ब्लू व्हेल का बच्चा पैदा होते ही अपनी मां के साथ गहरे समंदर की यात्रा पर निकल पड़ता है। ऐसे तैरता है मानो मां के पेट से ही सीखकर आया हो। *

हाथी जन्म से भारी-भरकम और बुद्धिमान

हाथी के बच्चे का जन्म के समय औसत वजन लगभग 90 से 120 किलोग्राम होता है। इतने बड़े शरीर के बावजूद यह बच्चा जन्म के कुछ ही घंटों में चलने लगता है। हाथी का बच्चा बहुत समझदार होता है। वह तुरंत जरूरी बातें सीख जाता है, जैसे अपनी सूंड का इस्तेमाल कैसे करना है, झुंड के साथ कैसे तालमेल बनाकर चलना है ताकि वह सुरक्षित रहे। *

बच्चो, नदियां सिर्फ हमें जल ही नहीं प्रदान करतीं, हमें आवागमन की सुविधा भी देती हैं। देश के शहरों और विश्व के विभिन्न देशों को आपस में जोड़ती हैं। **विश्व नदी दिवस (27 सितंबर)** के अवसर पर जानो, सबसे अधिक देशों से होकर गुजरने वाली डेन्यूब नदी के बारे में।

सबसे अधिक देशों से गुजरने वाली डेन्यूब नदी

जानकारी
रजनी अरोड़ा

बच्चो, नदियां सदियों से सभ्यता, कृषि, व्यापार और जीवन की आधारशिला रही हैं। नदियां पीने का पानी, रोजगार के काम करने, खेती-बाड़ी करने के लिए जल का प्राकृतिक स्रोत होती हैं। सदियों से नदियां गांव-शहर ही नहीं, देशों को भी आपस में जोड़ती रही हैं। महत्वपूर्ण नदियां एक देश से दूसरे देश के आवागमन का माध्यम रही हैं, व्यापार का मार्ग रही हैं। दो-तीन देशों से होकर गुजरने वाली तो दुनिया में कई नदियां हैं। लेकिन डेन्यूब, दुनिया की अकेली ऐसी नदी है, जो दस देशों से होकर गुजरती है। जानो, इस नदी की विशेषताओं के बारे में-

क्यों कही जाती है अंतरराष्ट्रीय नदी: लगभग 2,850 किलोमीटर लंबी डेन्यूब नदी यूरोप महाद्वीप में वोल्गा नदी के बाद दूसरी सबसे लंबी नदी मानी जाती है। हालांकि यह दुनिया की दस सबसे लंबी नदियों की सूची में शामिल नहीं है। यह दुनिया की सबसे बड़ी या सबसे लंबी नदी भी नहीं है, फिर भी इसके प्रवाह की बात करें तो यह नदी सर्वाधिक देशों से होकर गुजरती है। यह नदी यूरोप के 10 देशों (जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया, सर्बिया, बुल्गारिया, रोमानिया, मोल्डोवा और यूक्रेन) से होकर या उनकी सीमाओं से होकर गुजरती है। इसमें भी खास बात यह है कि डेन्यूब नदी चार देशों की राजधानी विएना (ऑस्ट्रिया), ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया), बुडापेस्ट (हंगरी) और बेलग्रेड (सर्बिया) से होकर गुजरती है।

उद्गम और प्रवाह: डेन्यूब नदी का उद्गम जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट क्षेत्र में स्थित डोनाउएशिंगेन के पास माना जाता है। जहां ब्रेग और ब्रिगाख नाम की छोटी नदियां मिलकर डेन्यूब नदी बनाती हैं। वहां से यह नदी पहले पूर्व दिशा और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर बहते हुए छोटे कस्बों, ऐतिहासिक शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों से गुजरती है।

कई यूरोपीय देशों की जीवनरेखा: डेन्यूब केवल एक नदी नहीं, बल्कि यूरोप की ऐतिहासिक और आर्थिक जीवनरेखा भी है। यूरोप के अंदरूनी जल परिवहन नेटवर्क का प्रमुख हिस्सा होने के कारण यह नदी, सदियों से जलापूर्ति, व्यापार, परिवहन के साथ-साथ अलग-अलग देशों और संस्कृतियों को जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

प्यारी-मजेदार कविताएं

हाल में ही बाल कविताओं की एक किताब 'चंदा थाली में' प्रकाशित हुई है। इसमें कुल 28 प्यारी-प्यारी कविताएं हैं। 'चंदामामा' शीर्षक कविता बहुत मजेदार है। इसमें यह शिकायत की गई है कि जब चंदा, मामा हैं तो मम्मी से राखी बंधवाने क्यों नहीं आते हैं? 'बादल' कविता में बादल गड़गड़ाते हुए आते हैं और हाथी, घोड़ा, शेर ,ऊंट जैसे ढेर सारे चित्र आकाश में बनाकर चले जाते हैं। 'छुटकी' कविता में छुटकी के ढेर सारे कमाल हैं, जो तुम्हारा मनोरंजन करेंगे। 'चींटी रानी' कविता में उनके मिल-जुलकर एक पंक्ति में चलने के बारे में बताया गया है। इसमें इस बात को भी कविता में पिरोया गया है कि वे एक साथ चलते हुए भी कहीं जाम नहीं लगाती हैं। 'दीपावली' कविता में तुम पढ़ोगे कि यह खुशियों का त्योहार है। इसे झोपड़ियों वाले बच्चों के साथ मनाने और मिल-बांटकर मिठाइयां खाने का मजा ही कुछ और होता है। 'गर्मी की छुट्टियां' कविता में मस्ती करने की वे बातें हैं, जो तुम्हें अच्छी लगती हैं। इसी तरह 'जंगल में होली' कविता पढ़कर तुमको भी होली खेलने का मन करने लगेगा। इनके अलावा 'हरे-भरे पेड़', 'मोबाइल', 'नदी', 'इंद्रधनुष', 'चिड़िया' कविताएं भी तुम्हें जरूर पसंद आएंगी। *

किताब : चंदा थाली में, **रचनाकार :** नरेंद्र भूषण, **मूल्य :** 250 रुपए, **प्रकाशक :** अभिराम प्रकाशन, लखनऊ

हंसगुल्ले

चिंटू : तुम हमेशा अपनी जेब में नींबू क्यों रखते हो?
मिंटू : दुश्मनों के 'दांत खट्टे' करने के लिए।

-हर्षिता, महासमुंद

टीचर : बताओ, मोबाइल की खोज किसने की?
स्वीटी : सर, मेरी मम्मी ने।
टीचर : क्या ..!
स्वीटी : सर, कल मेरे पापा का मोबाइल नहीं मिल रहा था, मम्मी ने ही खोज के दिया था।

-शिवम, रायपुर

जीके क्विज-224

1. टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय कौन बन गए हैं?
2. हाल में ही दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए किस अभिनेता के नाम की घोषणा की गई?
3. नुआखाई महोत्सव किस राज्य में मनाया जाता है?
4. यूएस ओपन 2026 में महिला एकल का खिताब किसने जीता है?
5. सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय जीव कौन-सा है?
6. गेटवे ऑफ इंडिया किस शहर में स्थित है?
7. भारत की आजादी के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कौन थे?
8. सबसे कठोर प्राकृतिक पदार्थ कौन-सा है?
9. सबसे हल्की गैस कौन-सी है?
10. भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर किस संवत पर आधारित है?

बच्चों, जीके क्विज-224 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-223 का उत्तर : 1. होनहोन, 2. 27 सितंबर, 3. इटली, 4. हरियाणा, 5. मौर्य वंश, 6. चीन, 7. हृदय, 8. जबलपुर, 9. नाइट्रोजन, 10. डॉ. जितेंद्र सिंह

जीके क्विज-223 का सही उत्तर देने वाले : मनीष-रायपुर, प्रिया-बिलासपुर, मुकेश-दुर्ग, संजीव-रोहतक, विकास-रायगढ़, प्रियांशु-महासमुंद, दित्या-बलौदा बाजार, किशन-भिवानी, हर्ष-कांकेर, जतिन-दिल्ली, लक्ष्य-बालोद, दिव्या-बिलासपुर, कबीर-हिसार, आनंद-महेंद्रगढ़, अजय-कटनी, अंकित-रायपुर

कहानी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

गोलू हाथी को अपने बलवान होने का बहुत घमंड था। उसे जंगल के पशु-पक्षियों को परेशान करने में बहुत मजा आता था। एक दिन वह ऐसी मुसीबत में फंसा कि उसका बलवान होना कोई काम नहीं आया। गोलू ने जंगल के पशु-पक्षियों से मदद की गुहार लगाई। क्या कोई उसकी मदद के लिए आगे आया?

घमंडी गोलू

एआई इमेज

जंगल तो भाई सभी का होता है। कीड़े, मकोड़ों, पक्षियों और छोटे-बड़े जानवरों सभी को वहां रहने का समान अधिकार है। लेकिन गोलू हाथी ऐसा नहीं मानता था। एक तो पहाड़ जैसा भारी शरीर, ऊपर से बेहद घमंडी। अपने आगे किसी को कुछ समझता ही नहीं था वह। उसे छोटे, कमजोर पशु-पक्षियों को सताने में बहुत मजा आता था।

सुबह का समय था। लाल चींटियों का एक समूह कतार बांधे भोजन की तलाश में रास्ते के किनारे चला जा रहा था। सामने से आ रहे गोलू की निगाह उन पर पड़ी तो उसके मन में शरारत सूझी। चींटियों के पास अपनी सूंढ़ ले जाकर उसने जोर की फूंक मारी। बेचारी चींटियां उछल कर इधर-उधर छितरा गईं। किसी का पैर टूटा। किसी के सिर में चोट लगी तो किसी की पीठ में। बहुत सारी चींटियां तो मर भी गईं।

'हाथी दादा! हमने आप का क्या बिगाड़ा था, जो आपने हमारे साथ ऐसा गलत व्यवहार किया? माना कि आप बहुत शक्तिशाली हैं, हम कमजोर। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि आप हमें जीने भी नहीं देंगे।' एक चींटी हिम्मत करके बोली।

'चल हट, बहुत बढ़-बढ़कर बात ना कर। बड़ी आई मुझे शिक्षा देने वाली। अभी दूसरी फूंक मारूंगा तो जो थोड़े बहुत तुम लोग बचे रह गए हो, उनका भी पता नहीं चलेगा।' गोलू ने कहा और झूमता हुआ आगे बढ़ गया। नहाने के बाद गोलू पीपल के पेड़ के पास गया और सूंढ़ उठाकर पत्ते खाने लगा। पीपल की जड़ के पास एक चूहा और चुहिया टहल रहे थे। गोलू को देखा तो वे दोनों अपनी बिल के अंदर घुस गए। गोलू ने उनको बिल में घुसते देख लिया था। उसके मन में शरारत सूझी। पत्ते खाने के बाद वह पानी पीने तालाब के पास गया। पानी पीकर लौटते समय उसने अपनी सूंढ़ में पानी भर लिया और चूहे के बिल के अंदर पिचकारी की तरह डाल दिया। बिल के अंदर पानी ही पानी हो गया। वह तो गनीमत थी कि चूहे ने बिल से निकलने का एक-दूसरा रास्ता भी बना रखा था। अपने परिवार सहित वह दूसरे रास्ते से निकल गया।

सुंदर वन में बरगद का एक बहुत पुराना पेड़ था। उस पर ढेर सारे पक्षी अपना घोंसला बना कर रहा करते थे। एक दिन उधर से निकलते समय गोलू ने अपनी सूंढ़ से पकड़ कर बरगद की एक डाल को इतनी जोर से हिलाया कि उस पर बने पक्षियों के घोंसले जमीन पर आ गिरे। उनमें से कई घोंसलों में अंडे थे, जो जमीन पर गिर कर फूट गए। बेचारे पक्षी चीखते रहे, लेकिन गोलू पर कोई असर नहीं हुआ। अपनी मस्ती में झूमता वह आगे बढ़ गया। लेकिन जो जैसा करता है, वैसा भरता भी है। गोलू के साथ भी वैसा ही हुआ। एक दिन सुंदर वन में घूमते वह काफी दूर निकल गया था। देर शाम जब घर लौटने लगा तो वह रास्ता भटक गया। भटकते-भटकते रात हो गई। अंधेरे में वह बबूल वन की तरफ जा पहुंचा। वहां हर तरफ बबूल के कांटे बिखरे हुए थे। गोलू के पैरों में कांटे धंस गए। कांटे धंसे तो वह इधर-उधर भागने लगा। लेकिन जितना ही भागता था, उसके पैर में उतने ही अधिक कांटे धंसते जा रहे थे। आखिर वह पस्त होकर एक जगह गिर पड़ा। उस समय तक सारे पक्षी अपने घोंसलों में और जानवर अपनी मांदों में जा चुके थे। इसलिए गोलू वहां जमीन पर पड़ा सारी रात चिंघाड़ता रहा, लेकिन उसकी मदद के लिए कोई नहीं आया। सवेरे उधर से उड़ती जा रही गौरैया ने गोलू को जमीन पर पड़े कराहते देखा। उसने भाग कर दूसरे पक्षियों को बताया तो एक-एक कर के सारे पक्षी और जानवर वहां जुट आए। उनको देख कर गोलू रोने लगा। उनसे मदद के लिए गुहार लगाई।

'क्या भाई गोलू जी, तुम तो सुंदर वन के सबसे बलवान जानवर हो। हम छोटे लोग तुम्हारी भला क्या मदद कर सकते हैं?' चमकू गीदड़ हंसते हुए बोला।

'भाई मैं बहुत कष्ट में हूं। मेरी हंसी ना उड़ाओ। अपने घर का रास्ता भूल कर मैं इधर आ गया था। मेरे सारे शरीर में कांटे धंस गए हैं। बहुत दर्द हो रहा है। इन कांटों को निकालो, वरना मेरी जान चली जाएगी।' गोलू ने रोते-रोते विनती की। 'चलो-चलो। तुमने हम लोगों को बहुत परेशान किया है। अब अपने किए की सजा भुगतो तुम।' कल्लू लंगूर बोला। 'साथियों, चाहे जैसा भी हो, गोलू आखिर हमारे सुंदर वन परिवार का ही सदस्य है। इस मुसीबत में हमें इसकी मदद करनी चाहिए।' चुनकू हिरन ने वहां एकत्र जानवरों और पक्षियों से कहा। नेक दिल चुनकू सभी के सुख-दुःख में मदद किया करता था। इसलिए जंगल के सारे जानवर उसकी बहुत इज्जत करते थे। सभी पशु-पक्षी उसकी बात मान गए।

चिल्ह बाज, गिद्ध और कठफोड़वा आदि पक्षियों ने अपनी चोंच से खींच कर गोलू के शरीर में धंसे सारे कांटे निकाल दिए। उसके बाद बंदर, भालू, और गैंडे जैसे कई जानवरों ने गिरे पड़े गोलू को सहारा देकर खड़ा कर दिया। 'मैं अपने घर का रास्ता भूल गया हूं। अब घर कैसे जाऊंगा?' दर्द से कराहते गोलू ने कहा। 'परेशान न हो। मैं आगे-आगे उड़ता चल रहा हूं। तुम मेरे पीछे-पीछे आओ। मैं तुमको तुम्हारे घर तक पहुंचा दूंगा।' सामने डाल पर बैठा कबूतर बोला। गोलू ने सारे जानवरों को धन्यवाद दिया, अपनी शरारतों के लिए माफी मांगी और लंगड़ाता हुआ कबूतर के पीछे-पीछे चल पड़ा। *

कविता
दिनेश विजयवर्गीय

एआई इमेज

चुहिया की कविता

चंपक वन से निकल रहा था
वन मंगल अखबार
भालू राम चुना गया था
संपादक इस बार।
चुहिया रानी एक दिन पहुंची
संपादक के पास
कुछ कविताएं मेरी भी ले लो
मैं लाई हूं खास।
देख के चुहिया की कविताएं
बोले भालूराम
चुहिया रानी कमी बहुत है
नहीं बनेगा काम।
नए विषय पर चिंतन करके
फिर से सृजन करना
शायद तब संभव हो पाए
उसका जल्दी छपना।

रंग भरो-211

रंग भरो-211 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

दिशा, बिलासपुर

आशना, जांजगीर

कुंजल, रायपुर

सुषमा, कोरबा

समर्थ, रायपुर

सानवी, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, कुसुम-भोपाल, प्रिया-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिव्या-करनाल, कशिश-बिलासपुर, प्रियांशी-कोरबा

रंग भरो 212

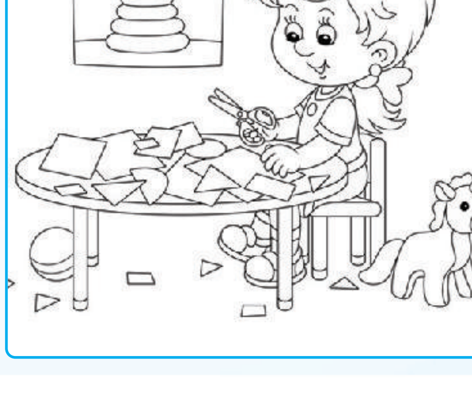

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में एक लड़की पेपर क्राफ्ट्स बना रही है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, जी-65, बाली नगर, नई दिल्ली- 110015 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

'विकसित भारत - बढ़ता मप्र' कॉन्क्लेव में बोले सीएम डॉ. मोहन

बढ़ती विकास दर और तेजी से बढ़ता निवेश, नई गति से विकास कर रहा मप्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारा मप्र अब विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। प्रदेश की विकास दर दो अंकों में पहुंच गई है और रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक स्थिति बनी है। मप्र अब वास्तविक प्रगति कर रहा है। प्रदेश की विकास दर टू-डिजिट में है और इस समय बेरोजगारी की दर न्यूनतम स्तर पर है। बड़ी संख्या में निवेशक मप्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं और प्रदेश में भारी मात्रा में निवेश किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के एक निजी होटल में आयोजित 'विकसित भारत - बढ़ता मप्र' कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश बढ़ने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर भी तैयार हो रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को अनुकूल वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध कराया जाए। कॉन्क्लेव में प्रदेश की आर्थिक प्रगति, निवेश संभावनाओं और रोजगार सृजन से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

'विकसित भारत - बढ़ता मप्र' कॉन्क्लेव में बोलते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

मप्र ने कई चुनौतियों को समाप्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र ने कई चुनौतियों को समाप्त किया है। बुंदेलखंड में देश की पहली राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (केन-बेतवा लिंक) और राजस्थान के साथ सालों पुराने जल बंटवारे के विवाद को पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना की सौगात मिली। केन-बेतवा लिंक से बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश के जिलों को पानी मिलेगा, वहीं पीकेसी से राजस्थान और मालवा क्षेत्र के जिले लाभान्वित होंगे। मप्र में पानी की कोई कमी नहीं है। दूसरी चुनौती थी-नक्सलवाद, जिसे हमने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में समाप्त किया है।

श्रमिकों के आंदोलन नहीं होना जैसी विशेषताएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में पर्याप्त बिजली, उद्योग स्थापित करने के लिए लैंड बैंक, बेहतर कानून व्यवस्था, अपराध मुक्त जीवन पद्धति, श्रमिकों के आंदोलन नहीं होना जैसी विशेषताएं हैं। हमारा प्रदेश कृषि, अनाज उत्पादन और खनन क्षेत्र में अग्रणी है। मध्यप्रदेश हीरा उत्पादक प्रदेश है। यहां टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य की समृद्धि के लिए गुजरात मॉडल को हमने मप्र में लागू करने का प्रयास किया है।

ढाई साल में 30 प्रतिशत निवेश जमीन पर आ चुका है

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आमतौर पर औद्योगिक निवेश का 10 प्रतिशत धरातल पर उतरता है, लेकिन मप्र देश का एकमात्र राज्य है, जहां पिछले ढाई साल में 30 प्रतिशत निवेश जमीन पर आ चुका है। राज्य में उद्योग अनुकूल 25 नीतियां और पारदर्शी व्यवस्था लागू हैं। मप्र कपास उत्पादन में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री ने विद्युत समंक 2026 का किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र के विद्युत सेक्टर की जानकारियों व नवीनतम आंकड़ों से परिपूर्ण प्रमुख विद्युत समंक 2026 का ऑल इंडिया डिस्काम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस में विमोचन किया। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वर्चुअली शामिल हुए। विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन के नवीनतम आंकड़ों से समाहित बारह पृष्ठीय प्रमुख विद्युत समंक 2026 का प्रकाशन एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के स्टेट प्लानिंग सेल ने किया है।

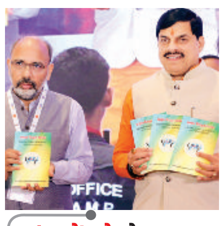

आंकड़ों को रोचक व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत

प्रमुख समंक 2026 में मप्र के विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों के आंकड़ों को टेबल, चार्ट, ग्राफ व नक्शे के जरिए रोचक व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

सीएम डॉ. यादव ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सभी लाभार्थियों और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई यह जनकल्याणकारी पहल गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए विश्वास और सुरक्षा का आधार बनी है।

वन विभाग की टीम को सर्चिंग में बाघ के पंजों के निशान मिले

बेलगहना में गूंजी बाघ की दहाड़, बैल का किया शिकार और बछड़े को घायल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

बेलगहना वन परिक्षेत्र में बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाघ ने एक ग्रामीण के बैल का शिकार कर लिया, जबकि एक बछड़े को घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग की। निगरानी के दौरान बाघ तो नजर नहीं आया, लेकिन आसपास उसके पंजों के निशान मिले हैं। इससे वन विभाग ने बाघ की मौजूदगी की पुष्टि करते हुए निगरानी और सर्चिंग बढ़ा दी है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व का है बाघ

बाघ वैसे तो अचानकमार टाइगर रिजर्व का है। लेकिन, पिछले कई दिनों से बाहर निकलकर टाइगर रिजर्व की सीमा से लगे वनक्षेत्रों में विचरण कर रहा है। अब वह बेलगहना रेंज कक्ष क्रमांक 2471 में पहुंच गया है। उसे मवेशियों को निशाना भी बनाया। ग्रामीणों को जब मवेशियों पर बाघ के हमले की जानकारी मिली तो उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी।

आसपास हो सकता है बाघ

सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाके का निरीक्षण किया। इस दौरान बाघ के पंजों के निशान मिले। वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में काफी देर तक तलाश की, लेकिन बाघ का पता नहीं चल सका। अधिकारियों का मानना है कि बाघ घटना के बाद आसपास के जंगल में ही मौजूद हो सकता है। बाघ की तलाश और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अचानकमार टाइगर रिजर्व की स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (एसटीपीएफ) को भी सर्चिंग के निर्देश दिए गए हैं।

ई-वाहन पंजीयन में 124 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

नीति आयोग के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स 2025 में मप्र देश में 7वें स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र ने हरित परिवहन तथा ई-मोबिलिटी क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। नीति आयोग की ओर से जारी 'इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स 2025' की रिपोर्ट में प्रदेश में 7वां स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2024 के सूचकांक में मप्र 31 अंकों के साथ 23वें स्थान पर था, जो आईईएमआई 2025 के मूल्यांकन में बढ़कर 59 अंक हो गया है। पर्यावरण-अनुकूल विकास एवं सतत परिवहन व्यवस्था को दी गई उच्च प्राथमिकता से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी है। 'मप्र इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2025' के योजनाबद्ध क्रियान्वयन से प्रदेश के ई-मोबिलिटी परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है। पारदर्शी एवं डिजिटल सेवाओं के लिए 'ईवी तरंग पोर्टल' प्रारंभ किया गया।

5 से 25 दिसंबर तक मनेगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव, 20 को गीता जयंती महापर्व

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में धार्मिक व सामाजिक संगठनों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 का आयोजन 5 से 25 दिसंबर तक किया जाएगा। महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 14 से 20 दिसंबर तक होंगे, जबकि 20 दिसंबर को गीता जयंती महापर्व मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर वीरवार को गीता ज्ञान संस्थानम में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी संस्थाओं की सहभागिता से गीता महोत्सव को भव्य, गरिमापूर्ण और जनभागीदारी से युक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश है।

महाभारत कालीन थीम पर विकसित होंगे प्रमुख चौक

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र के प्रमुख चौकों को महाभारत कालीन थीम पर विकसित किया जाएगा। इससे शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जा सकेगा। उन्होंने धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से महोत्सव की तैयारियों में सहयोग करने और अपने सुझाव प्रशासन के साथ साझा करने का आह्वान किया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से सद्भावना के साथ महोत्सव में सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सहयोग करने और प्रत्येक व्यक्ति से '18 मिनट गीता के नाम' पहल से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गीता के सूत्रों को व्यवहार और जीवन में अपनाना ही गीता के प्रति जागृति का सार्थक प्रयास होगा

टैरिफ संघर्ष विराम बढ़ाने, दुर्लभ मृदा और एआई जैसे मुद्दों पर बातचीत संभव

शी की अमेरिका यात्रा में तनाव घटाने पर जोर

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रस्तावित अमेरिका यात्रा को लेकर वैश्विक स्तर पर उम्मीदें बढ़ी हैं। हालांकि, इस मुलाकात से अमेरिका-चीन संबंधों में किसी बड़े रणनीतिक बदलाव की संभावना के बजाय तत्काल तनाव कम करने और कुछ अहम मुद्दों पर संवाद आगे बढ़ाने की उम्मीद अधिक है।

मेजर जनरल (रिटायर्ड) अश्विनी सिवाच के विश्लेषण के मुताबिक, दोनों देशों के बीच बातचीत का केंद्र व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दे हो सकते हैं।

एजेंडे पर संभावित मुद्दे

युद्धविराम विस्तार: वर्तमान समझौते के 10 नवंबर को समाप्त होने से पहले बातचीत करना।

महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा: चीन के आपूर्ति प्रतिबंधों और आपूर्ति श्रृंखला प्रभुत्व को खत्म करने के अमेरिकी प्रयासों का प्रबंधन करना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई): जोखिम-प्रबंधन संवाद स्थापित करना और सुरक्षा सहयोग और प्रतिस्पर्धा को संबोधित करना।

भू-राजनीतिक तनाव: ताइवान की स्थिति और ईरान व रूस से जुड़े संघर्ष से जुड़े ऊर्जा व्यवधानों सहित क्षेत्रीय तनावों को संबोधित करना।

व्यापार प्रतिबद्धताएं: यूएस के लिए आर्थिक जीत की पेशकश करने के लिए चीन द्वारा संभावित कृषि व ऊर्जा खरीद पर चर्चा करना।

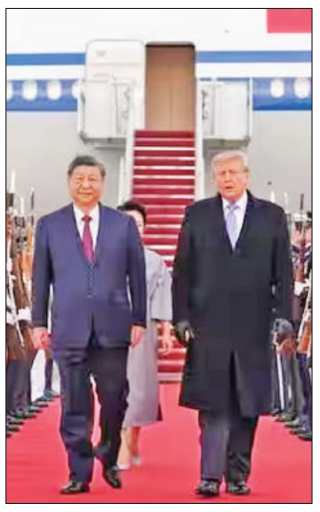

वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय संबंधों के लिए निहितार्थ

अस्थायी शांति अवधि प्रदान करता है जो तत्काल तनाव को रोकता है, जबकि मुख्य संरचनात्मक घर्षण अनसुलझे रहते हैं।

वैश्विक बाजार: दीर्घकालिक टैरिफ प्रक्षेपवक्रों के बारे में निकट-अवधि के बाजार की अनिश्चितता को जीवित रखता है, हालांकि तत्काल व्यापार झटके टल जाते हैं।

पुलिस ने मुरमुंदा में रोका

ऋण माफी समेत अन्य मांगों को लेकर किसानों का रायपुर मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

धमधा क्षेत्र में किसानों का आंदोलन और अधिक तेज हो गया है। ऋण माफी और अन्य प्रमुख मांगों को लेकर किसान बंधु संगठन के बैनर तले पिछले 17 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल जारी है। अपनी मांगों का कोई ठोस समाधान न मिलने पर गुरुवार को गुस्साए किसान धमधा से राजधानी रायपुर की ओर कूच कर गए। रायपुर की ओर कूच कर रहे किसानों को प्रशासन ने कुम्हारी पहुंचने से पहले ही मुरमुंदा में रोक लिया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी के कारण किसानों को आगे बढ़ने नहीं दिया गया। स्थिति को नियंत्रित करने और बातचीत का रास्ता निकालने के लिए प्रशासन ने दस किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल को अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए राजधानी रायपुर भेजा।

सिंधी विस्थापितों के 100 प्लाटों पर 35 साल से कब्जा नहीं, 2.54 करोड़ की मांग

जबलपुर। मप्र भोपाल में सिंधी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए आवंटित 100 प्लाटों में से 52 पर करीब 35 साल से कब्जा नहीं मिलने और लीज नवीनीकरण के नाम पर 2.54 करोड़ रुपए का शमन शुल्क मांगने के मामले में मप्र हाईकोर्ट ने गंभीरता दर्शाई। हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने राज्य शासन सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता नगर सुधार समिति, गांधी नगर की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि शासन ने 1984 से 1988 के बीच ग्राम बेहटा, वन ट्री हिल्स, बैरागढ़ में 100 प्लाट आवंटित किए थे। अक्टूबर 1988 में कलेक्टर भोपाल ने समिति के पक्ष में रजिस्टर्ड लीज डीड भी निष्पादित की थी। समिति का कहना है कि 1990 से 52 प्लाट और कम्युनिटी हाल की जमीन पर अतिक्रमण कारियों का कब्जा है। केवल 48 प्लाटों का कब्जा सदस्यों को मिला।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ➜

महत्वपूर्ण सूचना

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों–2026 में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी:-

01703/01704 जबलपुर जं. - हरिद्वार - जबलपुर जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 01703 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01704 आगमन	प्रस्थान
----	15:30	जबलपुर जं.	16:20	----
14:20	----	हरिद्वार	----	15:10

चलने के दिन: 01703 जबलपुर जं. से प्रत्येक वीरवार को दिनांक 22.10.2026 से 19.11.2026 तक एवं **01704 हरिद्वार** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 23.10.2026 से 20.11.2026 तक।
ठहराव: कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना मालखेड़ी, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं., आगरा छावनी जं., अलीगढ़ जं., खुर्जा जं., हापुड़ जं., मेरठ शहर जं. एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

01707/01708 जबलपुर जं. - हज़रत निज़ामुद्दीन - जबलपुर जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 01707 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01708 आगमन	प्रस्थान
----	20:20	जबलपुर जं.	09:30	----
14:25	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	15:45

चलने के दिन: 01707 जबलपुर जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 17.10.2026 से 14.11.2026 तक एवं **01708 हज़रत निज़ामुद्दीन** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 18.10.2026 से 15.11.2026 तक।
ठहराव: कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं., धौलपुर जं., आगरा छावनी जं., मथुरा जं. एवं कोसी कलाँ स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04731/04732 श्री गंगानगर जं. - समस्तीपुर जं. - श्री गंगानगर जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04731 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04732 आगमन	प्रस्थान
----	13:25	श्री गंगानगर जं.	12:20	----
00:25	00:35	दिल्ली जं.	23:40	23:50
23:15	----	समस्तीपुर जं.	----	00:45

चलने के दिन: 04731 श्री गंगानगर जं. से प्रत्येक रविवार को दिनांक 18.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **04732 समस्तीपुर जं.** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 20.10.2026 से 01.12.2026 तक।
ठहराव: सादुलशहर, हनुमानगढ़ जं., संगरिया, मंडी डबवाली, रामां, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार जं., हांसी, रोहतक जं., दिल्ली जं., गाजियाबाद, मुरादाबाद जं., बरेली जं., सीतापुर जं., गौंडा जं., गोरखपुर जं., छपरा जं., सोनपुर जं., हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं. स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

03435/03436 मालदा टाउन - आनन्द विहार (ट) - मालदा टाउन एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 03435 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 03436 आगमन	प्रस्थान
----	09:30	मालदा टाउन	22:30	----
13:40	----	आनन्द विहार (ट)	----	14:50

चलने के दिन: 03435 मालदा टाउन से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 12.10.2026 से 30.11.2026 तक एवं **03436 आनन्द विहार (ट)** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 13.10.2026 से 01.12.2026 तक।
ठहराव: न्यू फरक्का जं., बड़हरवा जं., साहिबगंज जं., पीरपैंती, कहलगाँव, भागलपुर जं., सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., शेखपुरा जं., वारिसलीगंज, नवादा, तिलैया जं., गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी–ऑन–सोन, सासाराम जं., भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., सूबेदारगंज, गोविंदपुरी एवं टूण्डला जं. स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

05742/05741 न्यू जलपाईगुड़ी - गोमती नगर - न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 05742 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 05741 आगमन	प्रस्थान
----	08:30	न्यू जलपाईगुड़ी	15:00	----
09:10	----	गोमती नगर	----	12:20

चलने के दिन: 05742 न्यू जलपाईगुड़ी से प्रत्येक रविवार को दिनांक 04.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **05741 गोमती नगर** से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 05.10.2026 से 30.11.2026 तक।
ठहराव: सिलीगुड़ी जं., ठाकुरगंज, अररिया कोर्ट, पूर्णिया जं., कटिहार जं., नवगछिया, मानसी जं., खगड़िया जं., सलौना, हसनपुर रोड, रुसेरा घाट, समस्तीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., हाजीपुर जं., सोनपुर जं., छपरा जं., सीवान जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती, मनकापुर जं., अयोध्या धाम जं. एवं बाराबंकी जं. स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

04604/04603 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - वाराणसी - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा सुपरफॉस्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04604 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04603 आगमन	प्रस्थान
----	18:15	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	04:30	----
18:30	----	वाराणसी	----	04:30

चलने के दिन: 04604 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से प्रत्येक रविवार को दिनांक 04.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **04603 वाराणसी** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 06.10.2026 से 01.12.2026 तक।
ठहराव: शहीद कप्तान तुषार महाजन, जम्मू तवी, पठानकोट छावनी, जालंधर छावनी, लुधियाना जं., अंबाला छावनी, सहारनपुर जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., आलमनगर, रायबरेली जं. एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, वाता.-3 इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।

04610/04609 जम्मू तवी - वाराणसी जं. - जम्मू तवी विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04610 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04609 आगमन	प्रस्थान
----	05:15	जम्मू तवी	08:30	----
23:55	00:05	लखनऊ जं.	13:20	13:30
05:10	----	वाराणसी जं.	----	09:00

चलने के दिन: 04610 जम्मू तवी से प्रत्येक वीरवार को दिनांक 01.10.2026 से 26.11.2026 तक एवं **04609 वाराणसी जं.** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 02.10.2026 से 27.11.2026 तक।
ठहराव: पठानकोट छावनी, जालंधर छावनी, ढंडारी कलां, अम्बाला छावनी, सहारनपुर जं., मुरादाबाद जं., शाहजहांपुर, लखनऊ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन।
स्थान: वाता.-3 इकॉनोमी।

04081/04082 नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 28 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04081 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04082 आगमन	प्रस्थान
----	23:45	नई दिल्ली	10:00	----
12:00	----	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	21:00

चलने के दिन: 04081 नई दिल्ली से दिनांक 12.10.2026 से 25.10.2026 (प्रतिदिन) एवं **04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 13.10.2026 से 26.10.2026 (प्रतिदिन)।
ठहराव: पानीपत, कुरुक्षेत्र जं., अम्बाला छावनी, लुधियाना जं., जालंधर छावनी, पठानकोट छावनी, जम्मू तवी एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशन।
स्थान: वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

01941/01942 आगरा छावनी - पलवल - आगरा छावनी अनारक्षित एमईएमयू विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 82 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 01941 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01942 आगमन	प्रस्थान
----	06:30	आगरा छावनी	13:00	----
09:45	----	पलवल	----	10:00

चलने के दिन: 01941 आगरा छावनी एवं **01942 पलवल** से दिनांक 31.10.2026 तक (प्रतिदिन)।
ठहराव: रुनकुता, बाद, मथुरा जं., छाता, कोसी कलाँ एवं होडल स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

04183/04184 प्रयागराज जं. - हज़रत निज़ामुद्दीन - प्रयागराज जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04183 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04184 आगमन	प्रस्थान
----	15:25	प्रयागराज जं.	09:10	----
11:35	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	15:45

चलने के दिन: 04183 प्रयागराज जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 20.10.2026 से 01.12.2026 तक एवं **04184 हज़रत निज़ामुद्दीन** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 21.10.2026 से 02.12.2026 तक।
ठहराव: शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., चित्रकुट धाम, अतर्रा, बाँदा, महोबा जं. कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर जं., धौलपुर जं., आगरा छावनी, मथुरा जं. एवं कोसी कलाँ स्टेशन।
स्थान: वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04098/04097 शकूर बस्ती - दरभंगा जं. - शकूर बस्ती विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में 6 दिन) — 104 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04098 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04097 आगमन	प्रस्थान
----	09:20	शकूर बस्ती	18:00	----
11:45	----	दरभंगा जं.	----	14:00

चलने के दिन: 04098 शकूर बस्ती से दिनांक 01.10.2026 से 29.11.2026 तक (मंगलवार को छोड़कर प्रतिदिन) एवं **04097 दरभंगा जं.** से दिनांक 02.10.2026 से 30.11.2026 तक (बुधवार को छोड़कर प्रतिदिन) ।
ठहराव: नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग जं., बादशाह नगर, बाराबंकी जं. बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनियां, सीतामढ़ी जं. जनकपुर रोड एवं कमतौल स्टेशन।
स्थान: वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 04052/04051 नई दिल्ली-हावड़ा जं.-नई दिल्ली त्यौहार विशेष रेलगाड़ी की आवृत्ति और चलने के दिनों में संशोधन किया गया है (साप्ताहिक से सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया है)

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	चलने की आवृत्ति एवं दिन की अधिसूचना	संशोधित आवृत्ति एवं चलने के दिन
04052 नई दिल्ली–हावड़ा जं. विशेष	शुक्रवार (साप्ताहिक)	शुक्रवार, रविवार एवं मंगलवार (सप्ताह में तीन दिन)
04051 हावड़ा जं.–नई दिल्ली विशेष	रविवार (साप्ताहिक)	रविवार, मंगलवार एवं वीरवार (सप्ताह में तीन दिन)
रेलगाड़ी सं. एवं नाम	**पूर्व अधिसूचित दिनांक / फेरे**	**संशोधित दिनांक / फेरे**
04052 नई दिल्ली–हावड़ा जं. विशेष	09.10.26 से 27.11.26 (08 फेरे)	06.10.26 से 29.11.26 (24 फेरे)
04051 हावड़ा जं.–नई दिल्ली विशेष	11.10.26 से 29.11.26 (08 फेरे)	08.10.26 से 01.12.26 (24 फेरे)

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**
रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चिंतन

महंगाई पर राहत, लेकिन जमाखोरी पर सख्ती जरूरी

त्योहारी सीजन में केंद्र सरकार ने तेल आयात शुल्क में कटौती कर खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों से परेशान आम उपभोक्ताओं को कुछ राहत दी है। इससे रसोई का बजट कुछ कम होगा। सरकार ने क्रूड सोयाबीन और क्रूड पाम ऑयल पर मूल सीमा शुल्क 10% से घटाकर 5% कर दिया है। क्रूड सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क पूरी तरह खत्म कर दिया है। वहीं, रिफाइंड सोया और पाम ऑयल पर शुल्क 32.5% से घटाकर 27.5% तथा रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर 32.5% से घटाकर 22.5% किया है। इसका मकसद आयात लागत कम करके घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ाना और कीमतों पर दबाव कम करना है। सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है, जब खाद्य कीमतों को लेकर चिंता बनी हुई है। अगस्त में खुदरा महंगाई 4.82% रही, जबकि खाद्य महंगाई 5.95% तक पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक में खाद्य महंगाई इससे भी अधिक 7.1% रही। महंगाई के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों का दबाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कमी उपभोक्ताओं के लिए राहत का माध्यम बन सकती है। भारत खाद्य तेल की अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम, सोया और सूरजमुखी तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव सीधे घरेलू बाजार को प्रभावित करता है। इसके अलावा रुपये की विनिमय दर भी आयात लागत पर असर डालती है। कमजोर रुपया विदेशी बाजार से तेल खरीदना महंगा कर सकता है। ऐसे माहौल में आयात शुल्क में कमी से आयातकों की लागत घटने की संभावना है और इसका लाभ आगे उपभोक्ताओं तक पहुंच सकता है। यहीं सबसे महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है कि शुल्क में कमी का वास्तविक लाभ आम आदमी को कब और कितना मिलेगा? सरकार ने आयात पर शुल्क घटा दिया, मगर बाजार में खुदरा कीमतें उसी अनुपात में कम हों, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसलिए सरकार को कीमतों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रखनी होगी। खासकर त्योहारों के इस मौसम में जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती जरूरी है। मांग बढ़ने के समय यदि कारोबारी कृत्रिम कमी पैदा करके स्टॉक रोकते हैं तो बाजार में कीमतें फिर बढ़ सकती हैं। खाद्य तेल की कीमतों का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं रहता। पाम और सोया तेल का इस्तेमाल नमकीन, बिस्कुट, पैकेज्ड खाद्य पदार्थों और बाहर के भोजन में बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए तेल महंगा होने पर कई दूसरी वस्तुओं की कीमत भी प्रभावित होती है। हालांकि, आयात शुल्क में कटौती तत्काल राहत दे सकती है, लेकिन स्थायी समाधान घरेलू तिलहन उत्पादन बढ़ाने में ही है। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी जैसे तिलहनों का उत्पादन बढ़ाकर देश को आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। महंगाई के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए उत्पादन से लेकर आयात, थोक बाजार और खुदरा बिक्री तक पूरी व्यवस्था पर नजर रखनी होगी। खाद्य तेलों पर शुल्क कटौती एक सकारात्मक पहल है, लेकिन इसकी सफलता का पैमाना यही होगा कि इसका लाभ आम उपभोक्ता की रसोई तक जल्दी पहुंचे। सरकार को जहां एक ओर आयात लागत में कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होगा, वहीं दूसरी ओर जमाखोरी और कालाबाजारी पर भी कड़ा अंकुश लगाना होगा। तभी महंगाई के मोर्चे पर मिली यह राहत वास्तव में आम आदमी की जेब को राहत दे पाएगी।

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

देश के दस साल उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी ने एक बार फिर ऐसा कटुता भरा बयान दिया है, जो समरसतावादी हिंदू धर्मावलंबियों के लिए आघात देने वाला है। संविधान विशेषज्ञ और लेखक एजी नूरानी की ही 2019 में छपी पुस्तक 'द आरएसएसः ए मीनेस टू इंडिया' का हवाला देते हुए अंसारी ने बताया कि 'जवाहरलाल नेहरू ने चिंता जताई थी कि भारत के लिए साम्यवाद की बजाय हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता एक बड़ा खतरा है।' नूरानी पर केंद्रित इस व्याख्यान में अंसारी ने नागरिक राष्ट्रवाद के स्थान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार पर भी चिंता जताते हुए कहा कि 'ऐसी प्रवृत्तियां चुनावी बहुमत को धार्मिक बहुमत के रूप में पेश कर सकती हैं।

मजहबी असहिष्णुता का राग

देश के दस साल उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी ने एक बार फिर ऐसा कटुता भरा बयान दिया है, जो समरसतावादी हिंदू धर्मावलंबियों के लिए आघात देने वाला है। संविधान विशेषज्ञ और लेखक एजी नूरानी की ही 2019 में छपी पुस्तक 'द आरएसएसः ए मीनेस टू इंडिया' का हवाला देते हुए अंसारी ने बताया कि 'जवाहरलाल नेहरू ने चिंता जताई थी कि भारत के लिए साम्यवाद की बजाय हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता एक बड़ा खतरा है।' नूरानी पर केंद्रित इस व्याख्यान में अंसारी ने नागरिक राष्ट्रवाद के स्थान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार पर भी चिंता जताते हुए कहा कि 'ऐसी प्रवृत्तियां चुनावी बहुमत को धार्मिक बहुमत के रूप में पेश कर सकती हैं और नागरिकों को धर्म के आधार पर अलग कर सकती है।'

अंसारी ने इस तरह का बयान कोई पहली बार नहीं दिया है, वह हिंदू-मुस्लिमों के बीच अलगाववाद के बयान देकर उसे उभारने का निरंतर काम कर रहे हैं। उनका कभी भी दोनों संप्रदायों के बीच एकता बढ़ाने वाला भाव देखने में नहीं आया है। जबकि वह बहुसंख्यक हिंदू समाज ही है, जिसने सामाजिक विविधता का ध्यान रखते हुए उनके दस साल के उपराष्ट्रपति पद पर रहने के दौरान कभी अस्वीकार्यता नहीं जताई। इसके पहले अंसारी ने अमेरिका की धरती से भी जिस असहिष्णुता के बढ़ने का राग अलापा था, वह उनकी छदम् धर्मनिरपेक्षता के साथ भारत विरोधी सोच को भी उजागर करता है। यह सोच और इस तरह के बयान शर्मनाक हैं। यह बयान भी उन्होंने अमेरिका में आयोजित उस संस्था 'इंडियन-अमेरिकन मुस्लिम आउंसिल' के कार्यक्रम में दिया, जिस पर भारत में दंगे कराने और पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था आईएसआई के इशारे पर सांप्रदायिक मजहबी एजेंडा आगे बढ़ाने के आरोप हैं। अंसारी की गिनती अब उन पूर्वाग्रही बौद्धिकों में होती है, जिनका धर्मनिरपेक्षता से कोई सरोकार नहीं है। कई देशों में भारतीय राजदूत रहने के बावजूद उनकी संकीर्ण सोच और धार्मिक कट्टरता बार-बार सामने आती रही है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में देश विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की तस्वीर हटाने के विवाद में हस्तक्षेप कर यह कहकर बचाव किया था कि यदि कोलकाता में विक्टोरिया मेमोरियल हो सकता है, तब एएमयू में जिन्ना की तस्वीर पर ऐतराज क्यों ? वे कोरोना महामारी के संदर्भ में तब्लीगियों और सांप्रदायिक दंगों के लिए कुख्यात पीएफआई का भी बचाव कर चुके हैं।

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को अंसारी आक्रामक राष्ट्रवाद का प्रतीक बताते हुए कह रहे हैं, कि 'भारत में धार्मिक बहुमत वाली आबादी को राजनीति में एकाधिकार दे दिया गया है और इस आधार पर धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा दिया जा रहा है।' देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठ चुके ऐसे व्यक्ति से यह उम्मीद करना बेमानी हैं कि उन्होंने दायित्व निर्वहन के दौरान अपनी कार्य-संस्कृति में धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का ईमानदारी से निर्वहन किया होगा? गौरतलब है कि मोदी संविधान आधारित लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया का पालन कर तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। हमारे यहां वैचारिक पूर्वाग्रह इतने मजबूत हैं कि इनकी जड़ता किसी भिन्न वैचारिकता को उभरने का अवसर मिलते ही अकसर कुंद और संकीर्ण हो जाती है। अतएव कांग्रेस नेता

सलमान खुर्शीद अपनी किताब 'सनराइज ओवरःनेशनहुड इन अवर टाइम्स' में हिंदुत्व की तुलना क्रूरतम आतंकी संगठन बोको हरम और आईएसआईएस से करके अपनी अंदरूनी मजहबी कटरता को फैलाने में कोई संकोच नहीं करते ? इसी क्रम में आग में घी डालने का काम राशिद अल्वी ने भी किया था। उन्होंने कहा कि जय श्री राम का नारा लगाने वाले सब मुनि नहीं घोर निशाचर होते हैं। हिंदुत्व को गलत तरीके से परोसने वाले यही नेता तब मौन रहते हैं, जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी दिल्ली समेत तीन हजार सिखों की हत्या कर दी जाती है और 90 के दशक में पांच लाख से भी ज्यादा हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन मतावलंबियों को रातों-रात कश्मीर में मस्जिदों से यह ऐलान कर कि 'पंडित अपनी बहू-बेटियों को छोड़कर चले जाएं' खदेड़ दिया जाता है। ये लोग कश्मीर के इस्लामीकरण और केरल एवं पूर्वोत्तर राज्यों के ईसाईकरण पर मौन रहते हैं। दरअसल अंसारी समेत ये सब वे चुके हुए नेता हैं, जो अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए अलगाववादी अजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। कमोबेश यही रवैया तथाकथित मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों का है। दरअसल, सत्ता परिवर्तन और राष्ट्रवादी विचारधारा की देश की बहुसंख्यक आबादी में बढ़ती स्वीकार्यता से ये लोग बौराकर वैचारिक ध्रुव्रीकरण की और देश को धकेल रहे हैं। यही लोग कांग्रेस, तृणमूल समाजवादी पार्टी के अनर्गल और धर्मनिरपेक्षता विरोधी मंसूबों पर ओंठ सील लेते हैं। इसी का परिणाम है कि पश्चिम बंगाल में इकतरफा मुस्लिम वोट बैंक के बूते राज करने वाली ममता बनर्जी का भाजपा ने सूपड़ा साफ कर दिया। दरअसल संप्रदाय बनाम धार्मिक उन्माद की चिंताएं अपनी जगह एक मर्तबा जायज हो सकती हैं, लेकिन बौद्धिक निष्पक्षता समाज में तभी प्रभावी दिखाई देगी, जब अंसारी जैसे उपराष्ट्रपति रह चुके लोग सांप्रदायिक वैमनस्यता से जुड़ी प्रत्येक घटनाक्रम से मुठभेड़ करते दिखाई दें। यह नहीं कि धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यवस्था में हिंदू सांप्रदायिकता की काट मुस्लिम सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने अथवा उसे सरंक्षण देने में देखी जाए? हमारा संविधान तो वैसे भी केवल हिंदुओं को संरक्षण देने का अधिकार नहीं देता। वह सभी धर्मावलंबियों को आजीविका व प्रगति के समान अवसर देता है। चार पायों पर टिका भारतीय लोकतंत्र इतना मजबूत है कि यहां कोई भी अलोकतांत्रिक नेता या दल लंबे समय तक शासन व्यवस्था में टिका नहीं रह सकता? वैसे भी इतिहास गवाह है कि सांस्कृतिक बहुलतावाद को आसन्न खतरों का सामना तब-तब ज्यादा करना पड़ा है,जब-जब मुसलमानों के हाथों में राजनीतिक सत्ताएं आई हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत जितने भी मुस्लिम देश हैं, सभी में लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित न तो संविधान है और न ही राज्य व्यवस्था ?

दरअसल यह सोच उस इतिहास लेखन का परिणाम है, जो इकतरफा होने के बावजूद पढ़ाया जाता रहा है। मार्क्सवादियों ने यह इतिहास भी स्वतंत्र रूप से नहीं लिखा। अंग्रेज इतिहासकारों और मुगल जीवनीकारों के लेखन से उसका अनुसरण किया। यहां तक कि काल विभाजन का स्वरूप भी वही रखा, जो यूरोपीय इतिहासज्ञों ने फूट डालो और राज करो की नीति के तहत किया था। भारतीय इतिहास को यूरोपियनों ने हिंदू काल, मुस्लिम काल और ब्रिटिश काल में विभाजित किया था। इसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में बैठे मार्क्सवादियों ने बदलकर क्रमशः प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारत कर दिया। इस नाम परिवर्तन से इतिहास के कथानकों और घटनाओं में कोई बदलाव नहीं आया। जबकि इतिहास बदलावों का दस्तावेजीकरण और परिवर्तनों की यथास्थिति की व्याख्या होती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
दिनेश शर्मा 'दिनेश'

संवेदनाओं के शून्य में दम तोड़ते रिश्ते

जिस देश की मिट्टी में श्रवण कुमार की कहानियां रची-बसी हों और बुजुर्गों के अनुभव को किसी भी शास्त्र से ऊंचा दर्जा दिया जाता हो, वहां आज पारिवारिक संस्थाएं ताश के पत्तों की तरह बिखर रही हैं। विकास की गगनचुंबी इमारतों और चमक-दमक वाली जीवनशैली के बीच हमारे घर भले ही आलीशान हो गए हों, लेकिन दिल और रिश्ते लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। बड़े-बड़े आंगनों और संयुक्त परिवारों की जगह अब छोटे-छोटे फ्लैट्स और एकल परिवारों ने ले ली है। इस आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी ने समाज को एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां हमारे अपने ही बुजुर्ग अनचाहे और अजनबी बनकर रह गए हैं। हर शहर में कुकुरमुत्ते की तरह उगते और आबाद होते 'वृद्धाश्रम' हमारी आर्थिक तरक्की का नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक गिरावट का सबसे खौफनाक प्रमाण हैं। आज के युवाओं की जिंदगी करियर, पैसा, तथाकथित 'प्राइवेसी' और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई है।

सफलता की इस अंधी दौड़ में संवेदनाओं, करुणा और कृतज्ञता के लिए जैसे कोई जगह ही नहीं बची है। जिन माता-पिता ने अपनी औलाद को शिक्षित करने, काबिल बनाने और उनके सपनों को पंख देने के लिए अपनी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी और अपनी जवानी दांव पर लगा दी, आज वही औलाद उन्हें अपनी तेज रफ्तार जिंदगी में एक बाधा समझने लगी है। आधुनिकता की आड़ में अकसर यह तर्क दिया जाता है कि बुजुर्गों के विचार आज के जमाने से मेल नहीं खाते। इसी खोखली निजता को बचाने के लिए माता-पिता को या तो गांव के किसी जर्जर मकान में उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है या फिर शहर के किसी वृद्धाश्रम में भेज दिया जाता है। विडंबना देखिए कि जहां आज की औलाद अपने माता-पिता के जीवित रहते उन्हें समय दे ही नहीं पाती, वहीं उनके अंतिम समय में भी जब उन्हें विदा करने की बारी आती है, तब भी उनके पास पहुंचने की जहमत नहीं उठा पाती। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के ओशिवारा इलाके की वह खौफनाक घटना भला कौन भूल सकता है, जहां एक पॉश फ्लैट में 63 वर्षीय आशा साहनी का नरकंकाल मिला था। उनका इकलौता बेटा अमेरिका में एक बड़े पद पर काम कर रहा था। बेटे ने एक साल से ज्यादा समय तक अपनी मां को फोन तक नहीं किया। मां कब मर गई और कब उसका शरीर गलकर कंकाल बन गया, उस 'सफल' बेटे को खबर तक नहीं लगी। क्या ऐसी सफलता का कोई मोल है, जो आपको इंसान से पत्थर बना दे? मथुरा, वृंदावन और काशी की तंग गलियों में ऐसे हजारों बुजुर्ग माता-पिता दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, जिन्हें उनके अपने ही तीर्थयात्रा के बहाने वहां लाए और फिर भीड़ में छोड़कर भाग गए। घर लौटकर इन बच्चों ने अपने मोबाइल नंबर बदल लिए ताकि उनके बूढ़े माता-पिता कभी उनसे संपर्क न कर सकें। जो मां अपने बच्चे को भीड़ में उंगली पकड़कर चलना सिखाती है, वही बच्चा जवानी के नशे में उसी मां को एक अनजान भीड़ में रोता-बिलखता छोड़ आता है। इन वृद्धाश्रमों और आश्रमों की खामोशी में अगर आप कभी कान लगाएं तो आपको अनगिनत सिसकियां सुनाई देंगी। वहां रहने वाले बुजुर्ग अकसर दरवाजे की तरफ टकटकी लगाए देखते रहते हैं कि शायद आज उनका अपना कोई उन्हें गले लगाने आएगा।

यह विचारणीय हो जाता है कि इस भयानक संकट का समाधान क्या है? हमें अपनी शिक्षा और परवरिश के उस मॉडल पर विचार करना होगा जो केवल डॉलर छापने वाली स्वार्थी मशीनें पैदा कर रहा है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि सफलता का असली पैमाना केवल बैंक बैलेंस नहीं, बल्कि एक कृतज्ञ और जिम्मेदार इंसान बनना है। इसके अलावा समाज और सरकारों को मिलकर बुजुर्गों के लिए एक ऐसा मजबूत सपोर्ट सिस्टम तैयार करना होगा जो सिर्फ वृद्धाश्रमों तक सीमित न हो। 'माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम' जैसे कानूनों को इतनी सख्ती से लागू किया जाना चाहिए कि कोई भी औलाद अपने बुजुर्गों को बेसहारा छोड़ने की हिम्मत न कर सके। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि समय का चक्र बहुत क्रूर और बलवान होता है। आज जो युवा अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम की चारदीवारी में धकेल कर अपनी 'स्वतंत्र' जिंदगी का जश्न मना रहे हैं, कल वे भी बुढ़ापे की उसी दहलीज पर खड़े होंगे। जो बीज वे आज बो रहे हैं, कल उन्हें वही फसल काटनी पड़ेगी। इससे पहले कि हमारी यह संवेदनहीनता हमें एक ऐसे समाज में तबदील कर दे, जहां 'इंसानियत' सिर्फ शब्दकोश तक सिमट जाए, हमें सामाजिक चेतना को जगाना होगा।

(लेखक शिक्षक एवं स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकीर्णता अधर्म है, विष है

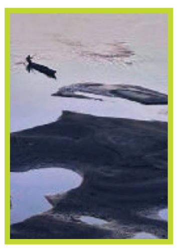

संकलित
दर्शन

पानी छोटे से पोखर में भी पाया जाता है किन्तु वह प्रायः गन्दा और दुर्गन्ध पूर्ण होता है किन्तु सरोवर में पाया जाना वाला पानी स्वच्छ और अधिक उपयोगी होता है। पोखर छोटा और सरोवर विशाल होता है। मानव का मन भी प्रायः दो तरह का होता है। क्षुद्र और विशाल। क्षुद्र हृदय व्यक्ति बहुत सीमित दायरे में सोचता है। ऐसे व्यक्ति प्रायः कट्टर होते है वे औरों के प्रति असहनशील और ईर्ष्या ग्रस्त होते हैं। सरोवर की तरह उदार हृदय व्यक्ति विशाल दृष्टि कोण लेकर चलते हैं सहिष्णुता उनकी मुख्य विशेषता होती है। वे अपना ही नहीं सभी का अभ्युदय चाहते हैं। संकीर्ण मनोवृत्ति से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति समाज और मानवता के लिए वरदान स्वरुप होते हैं। धर्म मूलत, विशाल हृदयी व्यक्ति तैयार करने का काम करता है। मित्ति में सव्व भूएसु, सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम्-जैसे धर्म के मौलिक सूत्र है जिन में संकीर्णता का कोई नामो निशान नहीं है किन्तु जब से धर्म में संप्रदायें प्रबल हुई है। धर्म के स्वरुप को भी संकीर्ण बनाने का प्रयत्न किया जाने लगा। संकुचित मनोवृत्ति वाले व्यक्ति साम्प्रयादिकता के ज्यादा पक्ष घर बने रहे उन्होंने धर्म की सारी व्यवस्थाओं को कट्टरता और संकीर्णता के घेरे में बांध लिया। केवल हम और हमारा ये ही ठीक है शेष सभी व्यर्थ है। संकीर्णता की इस भावना ने धर्म की सार्वभौमिकता को तोड़ कर जन जन में भेद भाव की खाई खड़ी कर दी। अन्य धर्म संप्रदायों की बात छोड़िये। जैन धर्म को ही ले लीजिये श्वेताम्बर दिगम्बर स्थानक वासी मूर्ति पूजक तेरा पंथी आदि बड़े बड़े विभाग तो है ही इसमें भी संप्रदाय और उप संप्रदायों का एक विशाल समूह खड़ा है।

ऐसा काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाए

संकलित
प्रेरणा

परमहंस जी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

मतदाता सूची की शुचिता के साथ संस्थागत पारदर्शिता भी जरूरी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा राजनीतिक विवाद अब चुनाव आयोग के भीतर दर्ज आपत्तियों के सामने आने के बाद एक नए चरण में पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में एसआईआर से जुड़ी प्रक्रियाओं और फैसलों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। इन आपत्तियों में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने, चुनावी आंकड़ों तक अधिकारियों की पहुंच तथा तकनीकी व्यवस्था से जुड़े सवाल उठाए गए थे। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यदि दो चुनाव आयुक्तों ने किसी प्रक्रिया पर अपनी असहमति दर्ज कराई है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

करंट अफेयर

प्रभावशीलता खो रहीं संयुक्त राष्ट्र संस्थाएं : विशेषज्ञ

संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता (खासकर युद्ध और शांति के मामलों में) पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। एक प्रमुख भारतीय विशेषज्ञ ने यह बात कही। ओआरएफ अमेरिका के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने कहा कि अब भी कई संस्थाएं महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के काम को इसका उदाहरण बताया। जयशंकर ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों के बीच संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि विशेष रूप से युद्ध और शांति के मामलों में संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे समय में हैं, जब यह साफ है कि मौजूदा बहुपक्षीय संस्थाएं, केवल संयुक्त राष्ट्र ही नहीं बल्कि अन्य संस्थाएं भी, अपनी उपयोगिता और प्रभावशीलता खोने लगी हैं।' जयशंकर ने कहा, 'कई कारणों से ये संस्थाएं अब भी महत्वपूर्ण हैं और ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां उन्होंने अच्छा काम किया है। उदाहरण के लिए, दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं और संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए 'लैंगिक समानता' को विभिन्न पक्षों को एक मंच पर लाने वाले विषय के रूप में विकसित करना।'

UNITED NATIONS
संयुक्त राष्ट्र

ऑफ बीट

'इंटरवल रनिंग' भी सेहत के लिए बेहद उपयोगी

दौड़ना न केवल बीमारियों से बचाव करता है, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इंटरवल रनिंग

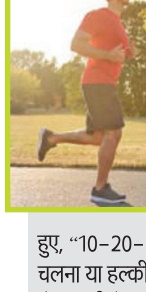

वास्तव में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) का एक हिस्सा है, जिसमें तीव्र गति से दौड़ने के छोटे सत्रों के बाद विश्राम या धीमी गति से दौड़ने का समय शामिल होता है। यह पद्धति पिछले कुछ वर्षों में टबाटा और क्रॉसफिट जैसे वर्कआउट्स के ज़रिये लोकप्रिय हुई है। कैसे काम करता है इंटरवल रनिंग : एचआईआईटी में, उदाहरण के तौर पर, 30 सेकंड तक तेज़ गति से दौड़ने के बाद 30 सेकंड का आराम किया जाता है। यह प्रक्रिया कई बार दोहराई जाती है। इसी सिद्धांत को दौड़ने में शामिल करते हुए, "10-20-30 विधि" अपनाई जा सकती है, जिसमें पहले 30 सेकंड तक चलना या हल्की दौड़, फिर 20 सेकंड तक मध्यम गति की दौड़ और फिर 10 सेकंड की तेज़ स्प्रिंटिंग यानी तेज गति से दौड़ शामिल होती है। "फार्टलेक" स्वीडिश शब्द है जिसका अर्थ 'स्पीड प्ले'' होता है। व्यायाम के लिए यह विधि भी एक आसान तरीका है जिसमें धीमी दौड़ के बीच-बीच में कुछ सेकंड की तेज़ दौड़ शामिल होती है। इंटरवल रनिंग हृदय संबंधी सेहत, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और शारीरिक संरचना (वसा की मात्रा और वितरण) में बेहतर सुधार लाती है।

ट्रेंड

आयुष्मान भारत

आयुष्मान भारत की शुरुआत इस सोच के साथ की गई थी कि हर भारतीय को बेहतरीन और किफायती हेल्थकेयर मिल सके। आज, 60 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपये का हेल्थ कवर मिल रहा है, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बन गई है।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

वोट चोरी का पर्दाफाश

मैं तीन साल से वोट चोरी का पर्दाफाश कर रहा हूं। अब खुद चुनाव आयुक्त भी इसे मान रहे हैं। ज्ञानेश कुमार ने देशद्रोह किया है। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए और सरकारी गवाह बन जाना चाहिए।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

सरकार किसानों के साथ

कम बारिश की वजह से किसान संकट का सामना कर रहे हैं। आज मैंने वाशिम ज़िले के मोहागवन में फसलों को हुए नुकसान का जायज़ा लिया और महिला किसानों की परेशानियाँ सुनीं। उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

- **देवेंद्र फडणवीस,** सीएम, महाराष्ट्र

विपक्ष को हार का डर

ज़्यादातर राज्यों में, सत्ता से बाहर हो चुकी कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां ऐसी स्थिति में हैं जिसे 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' कहा जा सकता है। हर चुनाव से पहले, हार के डर से वे ऐसी पटकथा तैयार करने लगते हैं जिससे नतीजों के बाद इज़्ज़त बचाई जा सके।

- **केशव प्रसाद मौर्य,** डिप्टी सीएम, यूपी

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

अब भाजपा ने बदला संगठन का ढांचा, नई जिम्मेदारियां तय कर दी

सौदान सिंह को भी राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव बनाया, बिहार, झारखंड, ओडिशा बंगाल का जिम्मा और केंद्र भुवनेश्वर होगा, सतीश देखेंगे एससी-एसटी मोर्चा

राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव से लेकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों के लिए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी बनाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने संगठन को मजबूत करने के लिए कई नेताओं को नई जिम्मेदारियां दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को को संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की। इनमें राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव से लेकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों के लिए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी स्तर के पद शामिल किए हैं। नियुक्तियों के जरिए कई राज्यों में संगठन की जिम्मेदारियां अलग-अलग नेताओं को सौंपी गई हैं। इससे पहले कल भाजपा ने सभी प्रदेशों के प्रभारी और सह-प्रभारी की सूची जारी की थी। इस सूची में स्मृति ईरानी, सुनील बंसल और अमिल मालवीय का भी नाम था। इसमें सौदान सिंह और सतीश को अहम जिम्मेदारी दी है।

सौदान सिंह

वी सतीश

अलग-अलग राज्यों के संगठन में भेजा

नई नियुक्तियों के जरिए अलग-अलग राज्यों के संगठन में जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इनमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, असम, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से जुड़ी जिम्मेदारियां शामिल हैं।

शिवप्रकाश को भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

शिवप्रकाश को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) बनाया गया है। उन्हें आंध्र प्रदेश,

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और गोवा की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि उनका केंद्र मुंबई होगा। सौदान सिंह को भी राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव की जिम्मेदारी दी है। उनके जिम्मे बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल होंगे केंद्र भुवनेश्वर रहेगा।

महाराष्ट्र में जामवाल को दी कमान

महाराष्ट्र में अजय जामवाल को राज्य महासचिव (संगठन) बनाया है। सतीश धोंड को महाराष्ट्र के

साथ गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान से जुड़े जनजाति संपर्क की जिम्मेदारी दी है। मधुकर को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का राज्य महासचिव बनाया गया है। दशरथ तेलंगाना के राज्य संयुक्त महासचिव होंगे। रविंद्र राजू को असम, त्रिपुरा और कार्यालय निर्माण की जिम्मेदारी मिली है।

बिहार, हिमाचल वअन्य राज्यों में भी नियुक्तियां

भिखूभाई दलसानिया को बिहार, पवन साई को झारखंड, सिद्धार्थन को हिमाचल, रत्नाकर को गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव,अरुण बिन्नाडी गुजरात के राज्य संयुक्त महासचिव (संगठन) होंगे। फणींद्रनाथ शर्मा को उत्तराखंड, पवन राणा को दिल्ली और हरियाणा, कर्मवीर को छत्तीसगढ़, चंद्रशेखर को मध्य प्रदेश और मानस मोहंती को ओडिशा की जिम्मेदारी दी गई है।

खबर संक्षेप

फिरोजपुर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में एक सरकारी कन्या स्कूल को गुरुवार को अज्ञात ईमेल के जरिए

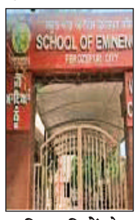

बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने परिसर खाली कराया और तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि स्कूल की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक अज्ञात ईमेल अकाउंट से धमकी भरा मेल भेजा था।

ठाणे में 2.84 लाख की नकली दवा संग 2 अरेस्ट

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने नकली दवाओं के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए

2.84 लाख मूल्य की विभिन्न दवाएं जब्त की हैं। इस मामले में 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है। दवा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 21 सितंबर को वागले एस्टेट इलाके में मुंबई निवासी एक व्यक्ति को पकड़ा।

एससी-एसटी एक्ट में अजीत की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने यूट्यूबर अजीत भारती को उनके खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के

तहत दर्ज किए गए मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सौरभ बनर्जी ने यह फैसला सुनाया और उनकी जमानत को खारिज कर दिया। जस्टिस बनर्जी ने कहा कि पहली नजर में भारती के खिलाफ इस एक्ट में अपराध सिद्ध होता है।

शॉर्ट सर्किट से पैसेंजर ट्रेन के डिब्बे में लगी आग

कोडरमा। कोडरमा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर कोडरमा-हजारीबाग-बरकाकाना पैसेंजर ट्रेन की अंतिम बोगी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन संख्या 53373 कोडरमा-बरकाकाना पैसेंजर शाम 3:15 बजे कोडरमा स्टेशन से रवाना होने वाली थी। देर पहले यात्रियों नेअंतिम बोगी से धुआं निकलते देखा।

कांग्रेस बनाम चुनाव आयोग: रार से बढ़ी और तकरार

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोला

गोवा में मतदाताओं के नाम हटाने पर भड़के जयराम, सीईसी ज्ञानेश को घेरा

कई पत्र देने के बावजूद नाम नहीं जोड़े गए, इस्तीफा दें सीईसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने 'ईसीआई-नेट' सॉफ्टवेयर द्वारा हटाए गए वैध मतदाताओं के नाम वापस जोड़ने के लिए निर्वाचन आयोग को 7 दिनों में 8 बार पत्र लिखा, लेकिन इसके बावजूद इन मतदाताओं के नाम नहीं जोड़े गए। खुलासे के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की है। वहीं शशि थरूर जैसे दिग्गज कांग्रेसी नेताओं ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष का 'देशव्यापी दुष्प्रचार अभियान' करार दिया है।

भाजपा ने इसे 'देशव्यापी दुष्प्रचार अभियान' बताया

नए मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया को कठिन बनाया

जयराम ने कहा कि फॉर्म 6 के जरिए नए मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया को भी कठिन बना दिया है और जेन-जी युवाओं को बाहर करने का निशाना बनाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट से साबित हो रहा है कि राहुल गांधी पिछले दो साल से हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों के बाद से जो कह रहे थे, वह सच था।सीईसी पर निशाना साधते हुए रमेश ने कहा- यह ज्ञानेश कुमार द्वारा 'मेथड ऑफ डिसएनफ्रैंचाइजिंग इंडियंस' (एमओडीआई) को लागू करना है।

जयराम का हमला

जयराम ने'एक्स' पर लिखा कि गोवा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने पुष्टि की थी कि हटाए गए लोग वैध मतदाता थे। इसके बावजूद गोवा सीईओ के आठ ईमेल को नजरअंदाज कर दिया गया और मतदाताओं को सूची से बाहर रखा गया।रमेश ने आरोप लगाया कि पूरी एसआईआर प्रक्रिया को ईसीआई-नेट सॉफ्टवेयर के हवाले कर दिया गया है। तीसरे चरण में दिल्ली के 54 प्रतिशत और सभी राज्यों में करीब 12 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं या आपत्ति दर्ज कर दी गई है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने कहा

राहुल हार का ठीकरा ईसी पर फोड़ रहे तानाशाही कर रहे

चेन्नई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे अपनी

पार्टी की चुनावी हार का ठीकरा निर्वाचन आयोग और एसआईआर प्रक्रिया पर फोड़ने के लिए 'तिनके का सहारा' ले रहे हैं। केसवन ने दावा किया कि गांधी निर्वाचन आयोग पर हमला इसलिए कर रहे हैं ताकि लगातार हार के लिए अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी से बच सकें। असल में हार के लिए राहुल ही ज़िम्मेदार हैं। आयोग के भीतर कथित मतभेद पर गांधी की टिप्पणी को लेकर निशाना साधते हुए केसवन ने कहा कि जो लोग पार्टी को 'तानाशाह' की तरह चलाते हैं, वे लोकतांत्रिक संस्थाओं में विचारों की अवधारणा को नहीं समझ सकते।

थरूर ने भी उठाए सवाल

संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इसे नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि चुनाव आयोग को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक छल नहीं है।

प्रियंका गांधी बोलीं

अनुचित चुनाव कराने पर ज्ञानेश पर केस दर्ज हो

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कथित तौर पर करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाकर 'अनुचित चुनाव' कराने की अनुमति देने के आरोप में देशद्रोह चलाने की मांग की है।

भाजपा का पलटवार, बोले

प्लांट खबरों पर दुष्प्रचार 'गिल' 10 साल तक यूपीए में मंत्री रहे

झारखंड भाजपा के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने इसे बदनाम करने की साजिश बताया। आयोग का असली राजनीतिकरण तब हुआ था जब पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल यूपीए सरकार में 10 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे थे।

अपने समुदाय की समस्याओं को पहचानकर उनका समाधान ढूंढेंगे

जोशी आज आईआईएससी बेंगलुरु में करेंगे 'सेवा प्रथम नवाचार चुनौती' का उद्‌घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अब वो दिन दूर नहीं जब स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक पढ़ने वाले छात्र अपने समुदायों की समस्याओं को पहचानकर खुद उनका समाधान निकालते हुए नजर आएंगे। मुख्यरूप से शिक्षा मंत्रालय, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा संयुक्त रूप से इस संबंध में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिसमें युवा न केवल मामले के निदान की खोज करने तक सीमित रहेंगे। बल्कि उनके द्वारा विकसित की गई तकनीक या नवाचार परीक्षण, सुधार और कार्यान्वयन के स्तर तक आगे बढ़ेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी शुक्रवार (25 सितंबर) को भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु में 'सेवा प्रथम नवाचार चुनौती' प्रतियोगिता का उद्‌घाटन करेंगे। दक्षिण के कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना जैसे 5 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश (अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप तथा पुडुचेरी) इसमें भाग लेंगे। यहां बता दें कि पूर्व में मंत्रालय द्वारा उच्च-माध्यमिक स्तर के स्कूली बच्चों, इंजीनियरिंग संस्थानों के युवाओं की भागीदारी के साथ स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का आयोजन किया जा चुका है।

दक्षिण-भारत के 5 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिभागी होंगे शामिल

25 सितंबर से शुरू होगा इसका पंजीकरण

प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण की शुरुआत 25 सितंबर से होगी और इसका समापन अगले महीने 24 अक्टूबर को होगा। मंत्रालय ने आयोजन के लिए कुल पांच राष्ट्रीय विषय निर्धारित किए गए हैं। सबसे पहले स्वच्छ और सतत भारत, दूसरा-समृद्ध किसान, समृद्ध भारत, तीसरा-स्वस्थ और समावेशी भारत, चौथा-शिक्षित और कुशल भारत, पांचवां व अंतिम विषय सुरक्षित भारत रखा गया है। राष्ट्रीय स्तर के फाइनल के साथ इस कार्यक्रम का औपचारिक रूप से समापन 10 से 17 दिसंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में होगा।

जूनियर, तकनीकी, ओपन जैसे 3 स्तर होंगे

शिक्षा मंत्रालय ने बताया, प्रतियोगिता में स्कूलों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के युवा प्रतिभागी हिस्सेदारी करेंगे। भागीदारी के जूनियर, तकनीकी व ओपन जैसे तीन स्तर होंगे।

जूनियर स्तर पर छठी से बारहवीं कक्षा तक के स्कूली छात्र भाग लेते हुए स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उनका सरल, व्यावहारिक हल ढूंढ सकते हैं। साथ ही उन्हें तर्कसंगत सेवा, शासन से जुड़ा विचार विकसित करने की छूट भी मंत्रालय द्वारा दी जाएगी। तकनीकी स्तर पर आईटीआई और पॉलिटेक्निक के छात्र इंजीनियरिंग, निर्माण, इलेक्ट्रॉनिकी सहित प्रक्रिया समाधानों पर ध्यान देंगे।

जबकि इन दोनों स्तरों से इतर अंतिम तीसरे स्तर पर स्नातक-स्नातकोत्तर और शोधार्थियों से प्रोटोटाइप या प्रायोगिक योजना को प्रदर्शित करने, उन्हें लागू करने का एक भरोसेमंद मार्ग प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी। तीनों चरणों में से जो समाधान अच्छे होंगे, उन्हें केंद्र-राज्य सरकारों, शहरी-ग्रामीण निकायों, डीपीएसयू और उद्योग जगत से जोड़ा, अपनाया भी जा सकता है।

विकसित भारत@2047 से जुड़ी पहल

मंत्रालय ने प्रतियोगिता से जुड़ी ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए https://sevafirst.mic.gov.in नामक वेबसाइट भी तैयार की है। शुरुआत के इसके माध्यम से केंद्र समुदाय आधारित नवाचार संस्कृति को देश में बढ़ावा देना चाहता है। जिसमें खासकर युवा आबादी समस्याओं की पहचान कर उनके बारे में समाधान तैयार करने की दिशा में कदम आगे बढ़ा सकें। इसके अलावा विकसित भारत@2047 की परिकल्पना में भी अपना योगदान दे सकें। प्रतिभागियों को अकादमिक, उद्योग जगत से मार्गदर्शन मिलेगा। प्रयोगशालाओं, निर्माण सुविधाओं, परीक्षण सहायता, इनक्यूबेशन, प्रारंभिक-प्रायोगिक वित्तपोषण, क्षेत्र परीक्षण का अवसर भी उनके पास रहेगा। बौद्धिक संपदा संरक्षण पर उन्हें सलाह भी मिलेगी।

कोलकाता को दी बड़ी सौगात

अडाणी, सुवेंदु ने 2,000 बेड वाले अस्पताल की नींव रखी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता के पास न्यू टाउन क्षेत्र में बनने वाले 2,000 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी। अस्पताल का निर्माण अडाणी समूह करेगा। गौतम ने अपनी पत्नी और अदाणी फाउंडेशन की प्रमुख प्रीति अडाणी, बेटे एवं अदाणी पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक करण अदाणी तथा मुख्यमंत्री के साथ 'अडाणी आरोग्य मंदिर' के लिए भूमि पूजन किया।

दोनों ने चिकित्सा सुविधा की पट्टिका का अनावरण किया। अस्पताल का निर्माण न्यू टाउन के एक्शन एरिया-2 में 51 एकड़ जमीन पर किया जा रहा है। सुवेंदु ने घोषणा की थी कि अस्पताल के आधे बिस्तर गरीब मरीजों के लिए आरक्षित होंगे। गौतम ने कालीघाट में पूजा-अर्चना की।

महाराष्ट्र में पालघर की अदालत का फैसला

पॉक्सो में दोषी पाया

नाबालिग लड़के का यौन उत्पीड़न करने के दोषी को 20 साल की सजा

एजेंसी ▶▶ पालघर

महाराष्ट्र में पालघर की एक अदालत ने नाबालिग लड़के का यौन उत्पीड़न करने के मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने भीड़भाड़ वाले इलाके में ऐसी घटना होने की संभावना न होने के बचाव पक्ष के दावे को खारिज करते हुए कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों की उदासीनता पीड़ित की गवाही को कमजोर नहीं कर सकती। विशेष न्यायाधीश एएच काशिकर नेपालघर जिले के वसई निवासी मजदूर मधु धर्मा गोवारी को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो के तहत दोषी ठहराया।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न में 2 को दोहरी उम्रकैद

थेनी। तमिलनाडु में थेनी की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने 13-वर्षीय लड़की को धमकाने, उसकी अश्लील तस्वीरें खींचने और

उसका यौन उत्पीड़न करने के मामले में 2 लोगों को दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई है। यौन उत्पीड़न के अपराध के कारण लड़की गर्भवती हो गई थी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विशेष अदालत के न्यायाधीश एझिल ने उथमापालयम तालुक के एक गांव के रहने वाले दोनों आरोपियों- राजा पेरुमल और अय्यासामी को इस अपराध का दोषी पाया और प्रत्येक पर 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न चुकाने पर उन्हें 3 महीने की अतिरिक्त जेल होगी।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने इस संबंध में बड़ा कदम उठाया और पाबंदी की बात कही

'एनालॉग इन डेयरी कॉन्टेक्स्ट' श्रेणी के उत्पादों से 'पनीर' शब्द हटाना होगा, उपभोक्ताओं को भ्रमित होने से बचाने के लिए प्रस्ताव प्रकाशित किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दूध से बने वास्तविक पनीर और उसके विकल्प के रूप में तैयार किए जाने वाले नॉन-डेयरी एनालॉग उत्पादों के बीच अंतर स्पष्ट करने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने ऐसे एनालॉग उत्पादों की बिक्री को 'पनीर' के नाम से किए जाने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत एनालॉग इन डेयरी कॉन्टेक्स्ट श्रेणी में पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों के नाम, लेबल और मार्केटिंग में 'पनीर' शब्द का इस्तेमाल बंद करना होगा। प्राधिकरण के 22 सितंबर को अधिसूचित ड्राफ्ट 23 सितंबर को राजपत्र में प्रकाशित किया गया। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य ऐसे उत्पादों के निर्माण और बिक्री को 'पनीर' के रूप में प्रस्तुत करने से रोकना है, ताकि उपभोक्ताओं को उत्पाद की वास्तविक प्रकृति और उसमें इस्तेमाल सामग्री को लेकर भ्रमित न किया जाए।

क्या होता है एनालॉग पनीर

एनालॉग या नॉन-डेयरी पनीर ऐसे उत्पाद हैं जिन्हें पारंपरिक पनीर जैसी बनावट, स्वाद या उपयोग देने के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन उनमें दूध से प्राप्त सामग्री की जगह पूरी तरह या आंशिक रूप से गैर-दूध सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। इनमें वनस्पति वसा, तेल, प्रोटीन या अन्य खाद्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्राधिकरण वास्तविक दूध से बने पनीर और ऐसे विकल्पों के नाम तथा लेबलिंग में स्पष्ट अंतर चाहता है। उपभोक्ता यदि किसी उत्पाद को केवल 'पनीर' समझकर खरीदता है, तो उसे जानकारी हो कि वह वास्तव में दूध से बना पनीर है या किसी अन्य सामग्री से तैयार किया गया एनालॉग उत्पाद।

रेस्तरां और होटल भी आएंगे दायरे में

प्राधिकरण की कार्रवाई केवल पैकेज्ड उत्पादों तक सीमित नहीं है। इस साल अप्रैल में पश्चिमी क्षेत्र ने चीज एनालॉग के संबंध में एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया था कि चीज एनालॉग को 'पनीर' के रूप में बेचना नियमों का उल्लंघन है। होटल, रेस्तरां और अन्य फूड सर्विस प्रतिष्ठानों को ऐसे उत्पादों की खरीद और इस्तेमाल में सावधानी बरतने तथा जहां जरूरी हो, मेन्यू या डिस्प्ले बोर्ड पर उनके इस्तेमाल की स्पष्ट जानकारी देने को कहा गया था। प्राधिकरण ने फूड बिजनेस ऑपरेटरों को कच्चे माल की जांच और खरीद से जुड़े रिकॉर्ड रखने पर भी जोर दिया था। पश्चिमी क्षेत्र में एनालॉग उत्पादों का निर्माण और इस्तेमाल करने वाली इकाइयों के निरीक्षण के निर्देश भी दिए गए थे।

क्यों जरूरी समझा गया बदलाव

प्राधिकरण के अनुसार मुख्य चिंता उपभोक्ता को उत्पाद की वास्तविक प्रकृति और संरचना के बारे में भ्रम से बचाना है। एनालॉग उत्पाद देखने और उपयोग में वास्तविक डेयरी उत्पाद जैसे हो सकते हैं, लेकिन उनकी सामग्री और पोषण संरचना अलग हो सकती है। एक समिति की बैठक के दस्तावेजों में भी एनालॉग पनीर को लेकर चिंता दर्ज की गई थी। इसमें कहा गया था कि एनालॉग उत्पादों के लिए स्पष्ट गुणवत्ता मानक नहीं होने से उनका प्रभावी प्रवर्तन मुश्किल हो सकता है। बैठक में यह भी चर्चा हुई थी कि दूध से बने उत्पादों के विकल्प के रूप में इस्तेमाल होने वाले एनालॉग उत्पाद उपभोक्ताओं के लिए वास्तविक डेयरी उत्पादों से अलग स्पष्ट रूप से पहचाने जाने चाहिए।

8 राज्यों में पहले ही कार्रवाई

एनालॉग पनीर को लेकर केंद्र के प्रस्ताव से पहले कई राज्यों में भी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात समेत कम से कम आठ राज्यों ने नॉन-डेयरी या एनालॉग पनीर के निर्माण, भंडारण, वितरण या बिक्री पर राज्य स्तर पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। तेलंगाना में भी सितंबर 2026 में एनालॉग पनीर के खिलाफ एक साल की अवधि के लिए कार्रवाई की गई है।

अभी अंतिम प्रतिबंध नहीं, मांगे सुझाव

प्राधिकरण का मौजूदा कदम अभी अंतिम नियम नहीं है। यह ड्राफ्ट संशोधन है। प्राधिकरण ने आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार राजपत्र में अधिसूचना उपलब्ध होने की तारीख से 60 दिन की अवधि पूरी होने के बाद ड्राफ्ट पर विचार किया जाएगा। इसके बाद प्रक्रिया पूरी होने पर अंतिम नियम लागू किया जा सकता है। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद गैर-दूध सामग्री से बने ऐसे उत्पादों के लिए 'पनीर' शब्द का इस्तेमाल उनकी बिक्री, पैकेजिंग और प्रचार में करना संभव नहीं होगा। इससे उपभोक्ता को यह स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि वह दूध से बना वास्तविक पनीर खरीद रहा है या उसका नॉन-डेयरी विकल्प।

खबर संक्षेप

रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 95.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपया बृहस्पतिवार को 23 पैसे कमजोर होकर 95.96 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

स्विस कंपनी डेलविटेक तीन करोड़ डॉलर करेगी निवेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए निरीक्षण समाधान उपलब्ध कराने वाली स्विट्जरलैंड की कंपनी डेलविटेक ने बेंगलुरु में विनिर्माण और प्रौद्योगिकी इकाई स्थापित करने के लिए तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 280 करोड़ रुपये) तक का निवेश करने की घोषणा की। दुनिया भर में सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई होगी।

एनपीसीआई के प्रमुख असबे ने यह बात कही

यूपीआई लेनदेन के 10 प्रतिशत मूल्य पर ही उपभोक्ताओं से शुल्क लिए जाने का जोखिम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यूपीआई लेनदेन के कुल मूल्य में से केवल करीब 10 प्रतिशत हिस्से पर ही प्रस्तावित 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। असबे ने '13वें एसबीआई बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र सम्मेलन 2026' में कहा कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा सालाना 1,000 करोड़ रुपये से अधिक कारोबार करने वाले बड़े कारोबारियों से आएगा, जो पहले से ही क्रेडिट कार्ड स्वीकार करते हैं और काफी अधिक शुल्क का भुगतान करते हैं।

यूपीआई लेनदन की संख्या करीब 96 प्रतिशत

यूपीआई प्रणाली का संचालन करने वाली एनपीसीआई के प्रमुख ने एमडीआर के संभावित असर पर कहा, ''उपभोक्ताओं से शुल्क लिए जाने का वास्तविक जोखिम कुल मूल्य का करीब 10 प्रतिशत है।'' उन्होंने कहा कि यूपीआई लेनदेन की संख्या का करीब 96 प्रतिशत और कुल मूल्य का 75 प्रतिशत फिलहाल शुल्क के दायरे में आने की संभावना नहीं है।

- एमडीआर का बोझ उपभोक्ताओं पर मात्र 10 फीसदी ही
- एमडीआर का 80 फीसदी हिस्सा बड़े कारोबारियों से आएगा
- बड़े कारोबारी पहले ही क्रेडिट कार्ड स्वीकार करते हैं

2000 से अधिक पर एमडीआर शुल्क की घोषणा

सरकार ने पिछले सप्ताह 2,000 रुपये से अधिक राशि के यूपीआई भुगतान पर कारोबारियों से 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लेने की घोषणा की थी। यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक होगा और 15 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा। असबे ने कहा कि यूपीआई पारिस्थितिकी में करीब छह करोड़ सक्रिय व्यापारी हैं और इनमें करीब 75 प्रतिशत क्यूआर-कोड व्यापारियों को अबतक 2,000 रुपये से अधिक का एक भी लेनदेन नहीं मिला है।

सुनिश्चित करना होगा की बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े

हालांकि, ऐसे कारोबारी पहले से ही क्रेडिट कार्ड शुल्क को अपने मूल्य निर्धारण में शामिल करते हैं और आम तौर पर यूपीआई भुगतान पर छूट नहीं देते हैं। ऐसे में उनसे यह शुल्क उपभोक्ताओं पर डालने की उम्मीद कम है। असबे ने कहा कि बाकी हिस्से में उपभोक्ताओं पर शुल्क डाले जाने की संभावना है और बैंकों, एनपीसीआई तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना होगा कि शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े।

पांच फीसदी राशि का कोष युवा उद्यमियों के लिए

असब ने बताया कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का पांच प्रतिशत युवा उद्यमियों और मदद की जरूरत वाले क्षेत्रों के लिए बनाए जाने वाले कोष में डालने का प्रस्ताव है। एनपीसीआई इस कोष को तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संबंधित पक्षों के साथ काम कर रहा है।

कोष तीन साल में 3000 करोड़ पहुंच सकता है

प्रमुख ने कहा कि यह कोष तीन साल में करीब 3,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसका इस्तेमाल छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके तहत सैंडबॉक्स और अन्य भुगतान बुनियादी ढांचे की अधिक तैनाती को बढ़ावा दिया जाएगा।

सेंसेक्स 1248 और निफ्टी 384 अंक गिरा, निवेशकों के करोड़ों रुपये डूबे

नई दिल्ली। शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1248 अंक या 1.67% गिरकर 73,581 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 384 अंक या 1.64% की गिरावट रही। ये 23,063 पर आ गया। बैंकिंग, मेटल और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। ब्रेंट क्रूड करीब 102 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज स्ट्रेट को लेकर चिंता से तेल की सप्लाई प्रभावित होने का डर है। महंगा तेल भारत के लिए चिंता है, क्योंकि इससे तेल आयात का खर्च, महंगाई और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय शेयर बाजार में आई तेज बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ 4 लाख करोड़ रुपये घट गई है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ना निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है। 10-साल की अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड बढ़कर 5.11% पर पहुंच गई है जो 2007 के बाद का उच्चतम स्तर है। बॉन्ड यील्ड किसी सरकारी बॉन्ड पर मिलने वाला सालाना रिटर्न है, जिसे कोई एक संस्था या सरकार सीधे तय नहीं करती, बल्कि यह बाजार में खरीद-बिक्री और मांग-आपूर्ति से तय होती है। जब निवेशक बॉन्ड बेचते हैं तो बॉन्ड की कीमत घटती है और यील्ड (रिटर्न) बढ़ जाती है।

सोना 1600 रुपये, चांदी में 5000 रुपये की गिरावट

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में 1,600 रुपये की गिरावट आई और यह 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। यह लगातार चौथा सत्र था जब सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई, क्योंकि अमेरिकी डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर इस कीमती धातु पर पड़ा। कारोबारियों के अनुसार, 99.9% शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 1,600 रुपये टूटकर 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। वहीं, चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। पिछले दो सत्रों में स्थिर रहने के बाद, चांदी 5,000 रुपये टूटकर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110055 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	93266328	स्क्रैप बेलिंग मशीन	04 यूनिट	22.10.2026

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं. 93266328 Dt: 24.09.2026 3315/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धीरज पुत्रः** जय प्रकाश, **निवासः** म.नं. F-75, गली नं. 4, दूसरा पुस्ता, न्यू उस्मानपुर, दिल्ली ने **FIR No. 231/2020 U/s 379/411/34 IPC., थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **धीरज** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **धीरज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 231/2020 U/s 379/411/34 IPC., थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** की उक्त अभियुक्त **धीरज** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
जेएमएफसी-11 (मध्य), कमरा नं. 138
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13430/N/2026
(Court Notice)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राजू कुमार** पुत्रः शिव नाथ यादव, पताः ए–399, इन्द्रा कल्याण विहार, ओखला फेज– I, नई दिल्ली, **FIR No. 962/2023, U/s: 341/506/34 IPC,** थानाः ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया, जिला दक्षिण पूर्व, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 962/2023, U/s: 341/506/34 IPC,** थानाः ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया, जिला दक्षिण पूर्व, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्ती **राजू कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अकांक्षा गौतम, एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
कमरा नं. 513, दक्षिणी–पूर्व,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/13594/SE/2026
(Court Matter)

ब्रिक्स थिएटर फेस्टिवल 12 से 14 अक्तूबर तक दिल्ली में, 9 देश और 100 से ज़्यादा कलाकार शामिल होंगे

नई दिल्ली। भारत में हुए ब्रिक्स समिट के सफल समापन के बाद, भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 'ब्रिक्स थिएटर फेस्टिवल' 2026 के साथ एक और महत्वपूर्ण महोत्सव का आतिथ्य करने के लिए तैयार है। यह फेस्टिवल 12 से 14 अक्टूबर, 2026 तक नई दिल्ली में 9 देशों - भारत, थाईलैंड, इंडोनेशिया, रूस, वियतनाम, ईरान, साउथ अफ्रीका, कज़ाकिस्तान, इथियोपिया और ब्रिक्स के सदस्य और पार्टनर देशों के सौ से अधिक कला-प्रेमियों के साथ होगा। यह फेस्टिवल ब्रिक्स सदस्य देशों और पार्टनर देशों के थिएटर प्रैक्टिशनर, स्कॉलर्स, स्टूडेंट्स और ऑडियंस को थिएटर ट्रेडिशन, कंटेंपररी परफॉर्मेंस प्रैक्टिस और शेयर्ड कल्चरल वैल्यूज़ की विविधता का संगम के लिए एक साथ लाएगा। इस महोत्सव में हिस्सा लेने वाले देशों के 'नेशनल थिएटर स्कूल' और महत्वपूर्ण थिएटर इंस्टीट्यूशन हिस्सा लेंगे, जिसमें रूस को उसके 'नेशनल इंस्टीट्यूट' और 'नेशनल कल्चरल इंस्टीट्यूट' के दो समूह अपनी प्रस्तुति करेंगे।

63वीं अखिल भारतीय रेलवे ट्रैक साइकिलिंग चौम्पियनशिप का शानदार समापन

महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, श्री पंकज शर्मा ने विजेताओं को प्रदान किया प्रशस्ति पत्र, पदक व नकद पुरस्कार उत्तर पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स एशोसियेशन तत्वाधान में साइकिलिंग वेलोड्रोम, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में 22 से 24 सितम्बर 2026 तक आयोजित 63वीं अखिल भारतीय रेलवे ट्रैक साइकिलिंग चौम्पियनशिप में 09 टीमों के लगभग 75 साइक्लिस्टो ने पूर्ण उत्साह एवं ताक़त के साथ प्रदर्शन किया हैं। गुरुवार दिनांक 24 सितंबर को समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, श्री पंकज शर्मा के द्वारा प्रतिस्पर्धाओं भाग लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता रहे खिलाड़ियों एवं टीमों को प्रशस्ति पत्र, पदक व नकद पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक दृढ़ता और साहस का भी प्रतीक है।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश सात प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- निवेश इस साल बढ़कर 10.3 अरब डॉलर पर
- निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट

जनवरी-सितंबर 2026 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10.3 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट आई और निवेश का रुझान बड़े आकार वाले सौदों की तरफ केंद्रित रहा। आंकड़ा विश्लेषण मंच 'ट्रैक्सन' की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक साल पहले की समान अवधि में 9.7 अरब डॉलर का निवेश आया था जबकि 2024 की इसी अवधि में 10 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-सितंबर, 2026 में निवेश सौदों की संख्या घटकर 1,134 रह गई, जो एक साल पहले 1,838 थी। इससे संख्या में कम लेकिन बड़े आकार वाले सौदों की ओर निवेश के रुझान का संकेत मिलता है। रिपोर्ट में एक जनवरी से 21 सितंबर तक के शेयर आधारित वित्तपोषण आंकड़ों को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक, भारत 10.3 अरब डॉलर के साथ प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सबसे अधिक वित्तपोषण पाने के मामले में पांचवें स्थान पर बना रहा। अमेरिका 444 अरब डॉलर के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद चीन 32.5 अरब डॉलर, ब्रिटेन 21.9 अरब डॉलर और सिंगापुर 12.5 अरब डॉलर पर रहे। भारत, जर्मनी के 9.9 अरब डॉलर और फ्रांस के आठ अरब डॉलर से आगे रहा।

इरडा की बीमा कंपनियों पर लगाम कसने की तैयारी, कमीशन पर होगा असर

नई दिल्ली। बीमा खरीदने और बेचने के तरीके में बड़े बदलाव की तैयारी है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए दो हिस्सों वाला कंसल्टेशन पेपर जारी किया है। इसमें बीमा कंपनियों के खर्च, एजेंट और वितरकों के कमीशन, बैंक के जरिए बीमा बिक्री, मिस-सेलिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कई प्रस्ताव रखे गए हैं। इरडा ने कमीशन सिस्टम में भी बदलाव का प्रस्ताव रखा है। ग्राहकों के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण बदलाव लोन के साथ बीमा की अनिवार्यता से जुड़ा है। इरडा ने ऐसे मामलों पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है, जहां बैंक या वित्तीय संस्था लोन देने की शर्त के रूप में किसी खास बीमा पॉलिसी को खरीदना जरूरी करती है। प्रस्ताव के मुताबिक ग्राहक को बीमा लेने के लिए उसी बैंक या एनबीएफसी से जुड़ना जरूरी नहीं होना चाहिए।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक देगा यूपीआई की सुविधा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह संबंधी अपनी भुगतान व्यवस्था का एकीकरण पूरा कर लिया है। इससे देशभर के करदाता विभिन्न डिजिटल एवं भौतिक माध्यमों से प्रत्यक्ष कर का भुगतान कर सकेंगे। प्रत्यक्ष कर संग्रह के लिए अधिकृत निजी क्षेत्र के बैंकों में शामिल है और करदाताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने डिजिटल भुगतान ढांचे को मजबूत कर रहा है। करदाता भुगतान के लिए यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की खुदरा तथा कारोबारी इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऑफलाइन भुगतान की सुविधा चाहने वाले करदाता बैंक की किसी भी शाखा में जाकर चेक, बैंक ड्राफ्ट या नकद के जरिये कर का भुगतान कर सकते हैं।

ज्योतिष

कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान
जैसा चाहोगे करके दूंगा

कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा

A to Z समस्या का समाधान

स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह

पंडित पी. के. शास्त्री

हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।

काम ना होने पर पैसे वापस

+91 99974 92579

के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय में क्रिएट-ए-थॉन 2026 का शुभारंभ, पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सौम शिप्रा सिंह की कार्यशाला बनी आकर्षण का केंद्र

गुरुग्राम। के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इमर्जिंग मीडिया एंड क्रिएटर इकोनॉमी (**SEMCE**) द्वारा कलाक्षेत्र 2026 के अंतर्गत आयोजित अंतर-विश्वविद्यालयीय मीडिया कॉन्क्लेव एवं क्रिएटर चैलेंज 'क्रिएट-ए-थॉन 2026' का शुभारंभ किया गया। 23 से 26 सितंबर तक चलने वाले इस चार दिवसीय कार्यक्रम में विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण, रील मेकिंग और पॉडकास्टिंग जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिताओं में 20,000 तक के नकद पुरस्कार रखे गए हैं। इस आयोजन को विश्वविद्यालय के माननीय प्रो-चांसलर श्री अभिषेक गुप्ता जी, प्रमोटर एवं निदेशक श्री रोहित गुप्ता जी, माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार सैनी तथा रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अमेजन रिटेल का घाटा बढ़कर 1,158.3 करोड़

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन रिटेल का शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,158.3 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के वित्तीय दस्तावेजों के आधार पर यह जानकारी दी। अमेजन नाउ और अमेजन फ्रेश का संचालन करने वाली अमेजन रिटेल को वित्त वर्ष 2024-25 में 394.2 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। दस्तावेजों के अनुसार, घाटे में बढ़ोतरी मुख्य रूप से माल की लागत में वृद्धि के कारण हुई। वित्त वर्ष 2025-26 में माल की लागत 64 प्रतिशत बढ़कर 2,887.9 करोड़ रुपये हो गई। जो कंपनी के राजस्व का करीब 94 प्रतिशत है।

Process No: 22467 | Date : 22/09/26
Paper Publication
U/o 5 Rule 20CPC
SUMMONS FOR JUDGMENT IN A SUMMARY SUIT
U/O 37 RULE 3 (Form No. 4A) Room No. 612
IN THE COURT OF 24th Jt. CIVIL JUDGE JR. DN., NAGPUR
Summ. Civil Suit No.289/2024 Fixed for: 07/10/2026

Plaintiff : New Delhi Security Services Pvt Ltd Through Its Managing Director **Shri Ashok Panwar.**
-Versus-
Defendant :- Dynamic Aura LLP & Others
To, 1) Dynamic Aura LLP
2) Navneet Maheshwari (partner)
3) Lokesh Chandra Sharma (partner)
4) Sudeer Mondal (Partner)
R/o. B-31, Sector 63, Noida 201301(UP)
Also R/o. C-101, Sector 65, Gautam Buddha Nagar, Noida 201301(UP)

Upon reading the affidavit of the plaintiff **New Delhi Security Services Pvt Ltd Through Its Managing Director Shri Ashok Panwar.** Let all parties concerned attend the Court of **24th Jt. Civil Judge Sr. Dn., Nagpur, on 07th Day of Oct. 2026, at 11-00 O'clock** in the forenoon on the hearing of application on the part of the plaintiff that he be at liberty to sign the Judgment in this Suit against defendant **Dynamic Aura LLP & Others,** for recovery and interest and costs.

Given under my hand and the seal of the court, that **24st Day of Sept, 2026.**

copy of Application annexed herewith.

Note: Take notice that in default of your filing an address of service along with your application for leave to defend, the said application will be liable to be rejected.

Also take notice that in default of your filing an address for service on or before the date mentioned you are liable to have your defence struck out.

Seal — By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr. Dn., Nagpur.

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या **230-TRS-GZB-2026-27-16** के आधार पर ई– निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

1.	कार्य का विवरणः	'Retro fitment of Air Conditioning in cabs with provision of thermal insulation of cabs in 3-phase Electric locomotives' at Electric Loco Shed, Ghaziabad.
2.	कार्य की अनुमानित लागतः	₹ 5,31,92,171.40
3.	धरोहर राशिः	₹ 10,63,900.00
4.	निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समयः	16-10-2026 (15:00 Hrs.)
5.	निविदा खोलने की तिथि और समयः	16-10-2026 (After 15:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता हैः	www.ireps.gov.in

नोटः (1) निविदाकर्ता को ई निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमो और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। (iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।

संख्या 230-TRS-GZB-2026-27-16 दिनांकः 21.09.2026 3323/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष – आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। नौकरी या व्यवसाय में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृष – घरेलू जीवन सुखमय रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ छोटी–मोटी बात पर संवाद जरूरी है। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – आज बौद्धिक कार्यों में आपका दिमाग तेज चलेगा। कम्युनिकेशन स्किल्स का पूरा फायदा उठाएँ। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं।

कर्क – परिवार और माता–पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सिंह – आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।

कन्या – आज व्यवस्था और अनुशासन आपकी सफलता का आधार बनेगा। नौकरी या व्यापार में बाधाएँ दूर होंगी।छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता मिलेगी।

तुला – आज रिश्तों और साझेदारी पर जोर रहेगा। जीवनसाथी या पार्टनर का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – आज गहन चिंतन और रहस्यमयी ऊर्जा आपको घेरेगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खासकर कमर और जोड़ों का।

धनु – आज साहस और उत्साह से भरा दिन रहेगा। लंबी यात्रा या नया प्रोजेक्ट शुरू करने का शुभ समय है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में रोमांस बढ़ेगा।

मकर – आर्थिक मामलों में सुधार होगा। परिवार में माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा है, लक्ष्य स्पष्ट रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ – कार्यक्षेत्र में बदलाव फायदेमंद साबित होगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें।

मीन – कलात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नींद पूरी लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे। कार्यक्षेत्र में पुरानी समस्याएँ हल होंगी।

शब्द पहेली - 6358

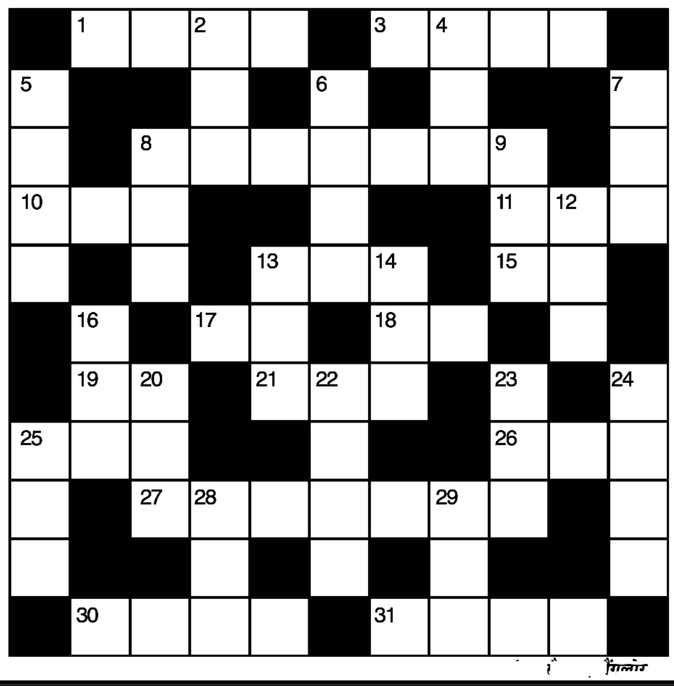

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6357 का हल

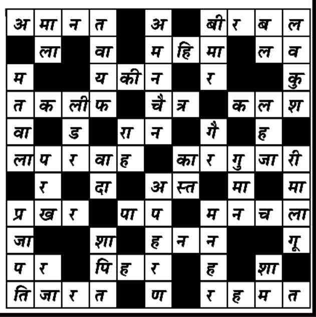

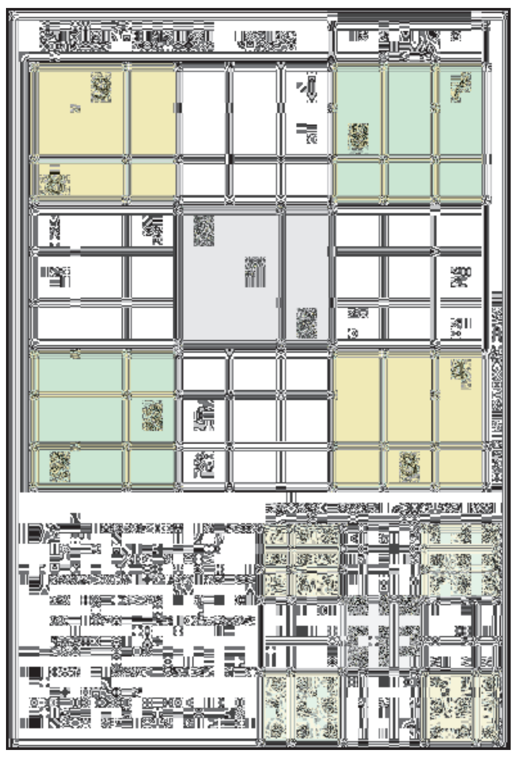

भारत को चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में रजत, सीमा ने 10 हजार मीटर में कांस्य जीता

सीमा

एजेंसी ▶▶| नागोया

भारत ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई खेलों की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में रजत पदक जीता जबकि सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ के फाइनल में देश को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाया। पूवम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विथ्या रामराज और मनु टीएस की चौकड़ी ने तीन मिनट 14.46 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में जीता अपना रजत पदक बरकरार रखा। विथ्या रामराज ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बहरीन ने तीन मिनट 12.87 सेकेंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

सीमा ने खत्म किया 16 साल का सूखा

महिलाओं की 10 हजार मीटर स्पर्धा में सीमा ने 32 मिनट 50.05 सेकेंड का समय निकाला। सीमा ने कड़े मुकाबले में 16 साल के अंतराल के बाद इस स्पर्धा में भारत को पदक दिलाया। एशियाई खेलों की इस स्पर्धा में यह भारत का अब तक का केवल तीसरा पदक है।

रोशिबिना देवी ने वुशु में जीता रजत लगातार तीसरी बार हासिल किया पदक

एजेंसी ▶▶| नागोया

भारतीय टीम में शुरुआती तौर पर जगह नहीं मिलने के बावजूद किस्मत ने रोशिबिना देवी का साथ दिया और मणिपुर की 25 वर्षीय वुशु खिलाड़ी ने बृहस्पतिवार को महिलाओं की 60 किग्रा 'सांडा' स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार तीसरे एशियाई खेलों में पदक हासिल किया।

फाइनल में उन्हें चीन की झांग शियाओयू से हार का सामना करना पड़ा। पिछले एशियाई खेलों में रजत और 2018 के खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली रोशिबिना ने 2026 के खेलों में भी रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

ऐसा रहा रोमांचक मुकाबला

'आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल' में हुए फाइनल में रोशिबिना को 0-2 से हार मिली। दोनों दो मिनट के राउंड में पांचों जज ने एकमत से चीनी खिलाड़ी के पक्ष में 5-0 का फैसला दिया। झांग ने पहले राउंड में दबदबा बनाया जिस पर पांचों जजों ने उन्हें क्रमशः 6-2, 6-3, 6-2, 6-2 और 8-2 से बढ़त दी। दूसरे और अंतिम राउंड में भी चीन की खिलाड़ी का प्रदर्शन बेहतर रहा। पांचों जजों ने उन्हें 10-2, 8-3, 7-3, 7-3 और 6-1 से विजेता माना।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

'सांडा' के अन्य खिलाड़ियों में पुरुषों के 56 किग्रा वर्ग में आर्यन क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग में अपर्णा को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में विक्रांत बालियान अपने शुरुआती मुकाबले में ही हार गए। भारत के 'ताओलू' खिलाड़ी भी पदक दौर तक नहीं पहुंच सके। महिलाओं की 'नानक्वान और नानदाओ' स्पर्धाओं में लांगलेंतोम्बी देवी हंजाबाम ने कुल 18.839 अंक के साथ नौवां स्थान हासिल किया। नयेमान वांगसू ने महिलाओं की 'चांगक्वान' स्पर्धा में 9.573 अंक के साथ 15वां स्थान हासिल किया। पुरुषों की 'चांगक्वान' स्पर्धा के फाइनल में सूरज सिंह मायांगलामबाम कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 11वें स्थान पर रहे।

अनंत और परिनाज को मिश्रित टीम स्कीट में मिला कांस्य पदक

नागोया। भारत के अनंत जीत सिंह नरुका और परिनाज धालीवाल ने बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी फाइनल में 44 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने छह सीरीज में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पहली सीरीज के बाद उनका स्कोर सात था, जो बढ़कर 14, 21, 29, 36 और आख़िर में 44 हो गया। अनंत जीत और परिनाज ने क्वालीफिकेशन दौर में कुल 138 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल करके फाइनल में जगह बनाई थी। इस कांस्य पदक के साथ एशियाई खेलों में भारत के निशानेबाजी पदक की संख्या आठ हो गई है। इसमें चार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्कीट निशानेबाजी टीमों ने आइची प्रांतीय निशानेबाजी गैलरी में दो कांस्य पदक जीते थे।

खबर संक्षेप

चीनी ताइपे को हराकर भारतीय पुरुष कबड्डी टीम सेमीफाइनल में

नागोया। गत चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों की पुरुष कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह ग्रुप चरण में भारत की लगातार चौथी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया, जापान और बांग्लादेश को हराया था। इस तरह भारत ने ग्रुप चरण में अपने सभी मुकाबले जीतकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। भारत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और हाफ टाइम तक 23-11 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा और इस दौरान 14-10 से आगे रही। भारत ने सफल रेड से 28 अंक, तीन बोनस अंक और ऑलआउट से छह अंक हासिल किए।

पारितोष पूयो पूयो स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

नागोया। भारत के पारितोष ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई खेलों की पूयो पूयो चैंपियंस ईस्पोर्ट्स स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वह ग्रुप बी में दो जीत और दो हार के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पदार्पण कर रहे पारितोष ने अपने अभियान की शुरुआत मंगोलिया के मुंखजोरिग गनबोल्ड पर 3-0 की जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने सिंगापुर के कोह मुन जून जस्टिन को 3-2 से हराया। पूयो पूयो एक पहेली आधारित वीडियो गेम है। हालांकि पारितोष को चीनी ताइपे के जू आंग कुओ के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह थाईलैंड के तानारक वोंगकितिकुन से भी 2-3 से हार गए।

सतनाम-सलमान की जोड़ी ने पुरुष युगल स्कल्स स्पर्धा में जीता कांस्य

एजेंसी ▶▶| नागोया

भारतीय रोवर सतनाम सिंह और सलमान खान ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष युगल स्कल्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी 1,500 मीटर तक दूसरे स्थान पर रही लेकिन आखिरी 500 मीटर में वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। दोनों ने 'नागरागावा इंटरनेशनल रेगाटा कोर्स' पर छह मिनट 13.25 सेकंड का समय लिया। चीन के यी शूडी और यीदे नी ने छह मिनट 09.37 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उज्बेकिस्तान के पावेल सोरिन और मेखरोजबेक मामातकुलोव ने छह

मिनट 10.49 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। भारतीय जोड़ी स्वर्ण पदक विजेताओं से 3.88 सेकंड पीछे रही। सतनाम ने इससे पहले हांगझोउ एशियाई खेलों में पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था।

एक और पदक से चूका भारत

इससे पहले भारत रोइंग में एक और पदक से मामूली अंतर से चूक गया। बलराज पंवार पुरुष सिंगल स्कल्स के फाइनल में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने छह मिनट 54.80 सेकंड का समय लिया। पंवार 500, 1,000 और 1,500 मीटर तक दूसरे स्थान पर बने हुए थे लेकिन अंतिम 500 मीटर में वह फिसलकर चौथे स्थान पर पहुंच गए। चीन के देंग झीवेई ने छह मिनट 38.98 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पंवार स्वर्ण पदक विजेता से 15.82 सेकंड पीछे रहे।

टेबल टेनिस में भारतीय महिला जोड़ी अंतिम-16 में

नागोया। श्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास तथा यशस्विनी घोरपड़े और दीया चिताले की भारतीय महिला युगल जोड़ियों ने बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा में अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रीजा और सिंड्रेला ने दूसरे दौर के मुकाबले में मंगोलिया की बुरेनजारगल संजा और बोलोर-एरदेने बातमुंख को 3-0 से हराया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 11-5, 11-4, 12-10 से अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती दोनों गेम आसानी से जीत लिए, लेकिन तीसरे गेम में उन्हें कड़ी चुनौती मिली। उन्होंने हालांकि संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रीजा और सिंड्रेला का सामना अंतिम-16 के मुकाबले में चीन की कुआई मान और वांग मन्यु की मजबूत जोड़ी से होगा। वहीं प्री-क्वार्टर फाइनल में यशस्विनी और दीया का सामना चीन की फैन शुहान और चेन यी की जोड़ी से होगा।

स्क्वॉश : अनाहत-तन्वी क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी ▶▶| नागोया

अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियाई खेलों की स्क्वॉश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की। इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में

अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। पिछले एशियाई खेलों के विपरीत इस बार स्क्वॉश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

अभय और चोटरानी का मुकाबला इन खिलाड़ियों से

पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

जोशना-वेलावन की जोड़ी स्क्वॉश मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में

नागोया। दिग्गज जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने बृहस्पतिवार को अंतिम-16 मुकाबले में हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्क्वॉश स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी जोशना-वेलावन की जोड़ी ने 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमिका अरिबाडो की जोड़ी से भिड़ेगी।

एशियाड हॉकी

दिलप्रीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 8-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

दिलप्रीत सिंह की हैट्रिक के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली। पूल ए में शीर्ष पर काबिज भारत ने इससे पहले इंडोनेशिया को 13-1 और श्रीलंका को 16-1 से हराया था। अब भारत का सामना 26 सितंबर को जापान से होगा। भारत के लिये दिलप्रीत सिंह (10वां, 26वां और 32वां) ने तीन और फॉरवर्ड अभिषेक (15वां और 38वां मिनट) ने दो गोल किये जबकि शिलानंद लाकड़ा (चौथा), सुखजीत सिंह (दसवां), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (11वां) और राजिंदर सिंह (60वां) ने एक एक गोल दागा। कोरिया के लिये किम जाएहो (42वां) और किम योंगबोक (52वां) ने गोल किये ।

इससे पहले हराया इंडोनेशिया और श्रीलंका को

भारत ने एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ की थी। भारतीय टीम ने उस मुकाबले में 13-1 की बड़ी जीत दर्ज की थी। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ भारत ने 16-1 से एकतरफा मुकाबला जीता। अब दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराने के साथ भारत ने ग्रुप चरण में जीत की हैट्रिक पूरी कर ली है। तीन मैचों में भारतीय टीम ने कुल 37 गोल किए हैं, जबकि उसके खिलाफ सिर्फ चार गोल हुए हैं।

पहले क्वार्टर में ही भारत ने बनाई मजबूत पकड़

भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक खेल के साथ की। चौथे मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके पांच मिनट बाद सुखजीत सिंह ने गेंद को गोलपोस्ट तक पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। भारतीय हमले लगातार जारी रहे और 11वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दाग दिया। शुरुआती 11 मिनट में ही भारत 3-0 से आगे हो चुका था। दक्षिण कोरियाई टीम इस दबाव से उबर पाती, उससे पहले 14वें मिनट में अभिषेक ने भारत का चौथा गोल कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारतीय टीम ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया था।

दूसरे हाफ से पहले ही मैच भारत की मुट्ठी में

दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने रफ्तार कम नहीं होने दी। 26वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल कर भारत की बढ़त 5-0 कर दी। इसके कुछ ही मिनट बाद 32वें मिनट में दिलप्रीत ने एक और गोल दागते हुए अपना दूसरा गोल पूरा किया। भारत की आक्रामकता का सिलसिला यहीं नहीं रुका। 38वें मिनट में अभिषेक ने अपना दूसरा गोल किया और भारत को 7-0 की बड़ी बढ़त पर पहुंचा दिया। कोरिया ने दो गोल किए, लेकिन वापसी नहीं कर सका।

भारत ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 363 रनों का विशाल लक्ष्य

कप्तान पडिक्कल और कुशाग्र का गरजा बल्ला

एजेंसी ▶▶| पुडुचेरी

कप्तान देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक और पहली पारी में शतक जड़ने वाले कुमार कुशाग्र के नाबाद 46 रन की मदद से भारत ए ने बृहस्पतिवार को यहां पहले चार दिवसीय मुकाबले के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ए के सामने 363 रन का लक्ष्य रखा।

भारत ए की टीम एक समय दूसरी पारी में एक विकेट पर 93 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही थी लेकिन इसके बाद उसकी पारी 199 रन

पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके जिसमें साई सुदर्शन का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन भारतीय टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के स्थान के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। वह तीसरे स्थान की दौड़ में पडिक्कल से पिछड़ गए हैं। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ए ने दो विकेट पर 55 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए अब 308 रन और चाहिए जबकि मैच बचाने के लिए उसे पूरे चौथे दिन बल्लेबाजी करनी होगी।

इंडिया ए के लिए कुशाग्र ने जड़ा था शतक

इंडिया ए ने पहली पारी में कुमार कुशाग्र की 113 रन की शतकीय पारी से 334 रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 171 पर ही ढेर कर दिया। भारत के लिए सबसे अधिक चार विकेट पहली पारी में स्पिनर शम्स मुलानी ने चटकाए थे। अब दूसरी पारी में बैटिंग करने उतरी इंडिया ए के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने पहली पारी में तीन रन ही बनाए, तो उसके बाद दूसरी पारी में मोर्चा संभालते हुए 88 गेंद में सात चौके से 59 रन की पारी खेली। उनके अलावा पहली पारी में शतक जमाने वाले कुमार कुशाग्र ने 59 गेंद में चार चौके और दो छक्के से 46 रन की नाबाद पारी खेली। इस तरह कुशाग्र दोनों पारियों में नाबाद रहे और ऑस्ट्रेलिया का कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर सका। कुशाग्र और देवदत्त के अलावा 39 रन दूसरी पारी में साई सुदर्शन ने बनाए।

जयशंकर की न्यूयॉर्क में भारत-केरीकॉम बैठक

यूएन सुधार और आतंकवादी रोधी उपायों पर सहयोग की हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान भारत-केरीकॉम विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इसमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद-रोधी उपायों और सीमा-पार अपराधों जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने की चर्चा की गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और सूरीनाम के विदेश, अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं सहयोग मंत्री मेल्विन डब्ल्यू.जे. बौवा ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की। इसमें बारबाडोस, डोमिनिका, बहामास, गुयाना, जमैका, सेंट विंसेंट एंड ग्रेनाडाइन्स, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, सूरीनाम, हैती, सेंट लूसिया, सेंट किट्स एंड नेविस तथा एंटीगुआ एंड बारबुडा के विदेश मंत्री शामिल हुए। ग्रेनाडा के वित्त मंत्री, बेलीज के विदेश मंत्रालय के सीईओ और केरीकॉम महासचिव कार्ला नताली बार्नेट भी मौजूद रहीं। दोनों पक्षों ने भारत-केरीकॉम सहयोग में हो रही प्रगति पर संतोष जताया।

यूएनएससी में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन

केरीकॉम ने 2028-29 कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने का फैसला किया। केरीकॉम सह-अध्यक्ष ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सदस्यों को उनके भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया तथा भरोसा दिलाया कि भारत ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बना रहेगा। डॉ. एस. जयशंकर ने कैरिबियाई देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कई देशों में एसएमई और क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स पूरे हो चुके हैं, जबकि कुछ पर काम जारी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम अंग लगाने के कैंप, हीमोडायलिसिस यूनिट्स और कॉम्पैक्ट मेडिकल 'भीष्म क्यूब' यूनिट्स उपलब्ध कराने का जिक्र किया। उन्होंने आर्थिक, डिजिटल और मोबिलिटी क्षेत्रों में संबंधों को और गहरा करने की जरूरत पर जोर दिया।

भारतीय-अमेरिका युद्ध अभ्यास 2026

महाजन रेंज पहुंचे राजदूत सर्जियो गोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचे। यहां भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच 'युद्ध अभ्यास 2026' चल रहा है। यह दोनों देशों के बीच युद्ध अभ्यास का 22वां संस्करण है। भारत में यह अभ्यास उत्तराखंड के बर्फीले पहाड़ी क्षेत्र औली व राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक साथ हो रहा है। अभ्यास में भारत और अमेरिका के कुल 1200 सैन्यकर्मी शामिल हैं। गोर ने बताया कि वह 'युद्ध अभ्यास 2026' के लिए यहां महाजन फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचे। गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हो रहा, 'युद्ध अभ्यास 2026' भारत के सबसे बड़े द्विपक्षीय रक्षा अभ्यास में से है।

यूएनजीए के सत्र से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रखा अपना पक्ष, 46 अन्य देशों को भी किया शामिल

जेलेंस्की की भारत को चेतावनी, रूस के लिए अपने नागरिकों को कुर्बान करना बंद करें

रूस शनिवार को दुनिया के सामने रखेगा अपनी बात, विदेश मंत्री लावरोव की रह सकती है भागीदारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यह तथ्य किसी से भी छिपा हुआ नहीं है कि भारत के खिलाफ दशकों से आतंकवाद का खूनी खेल खेलने वाले पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को मजबूत करने के लिए उसे काफी हथियार दिए हैं। लेकिन अब पूर्वी यूरोप के इस देश के राष्ट्रपति वो ल डो मी र जेलेंस्की का भारत को लेकर एक ऐसा बयान सामने आया है।

जिसने हर खासो आम को पहली नजर में चौंका दिया है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र से ठीक पहले दिए अपने संबोधन में जेलेंस्की ने भारत सहित दुनिया के कुल 47 देशों का नाम के साथ उल्लेख करते हुए उन्हें चेतावनी दी है कि वो यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में अपने देश के लोगों को रूस के लिए लड़ने के लिए न भेजें। इसे लेकर पहले ही जरूरी कदम उठाए जाने की दरकार है। उधर, रूस इसी शनिवार को महासभा के मंच पर अपने विचार रखेगा। जिसमें बहुत संभावना है कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव यूएनजीए को संबोधित करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के महासभा के सत्र में शिरकत करने की गुंजाइश कम ही नजर आ रही है।

पुतिन द्वारा इस जंग में घसीटे जाने से बचें

उन्होंने नई दिल्ली के अलावा नेपाल, घाना, जिम्बाब्वे, यमन, केन्या, क्यूबा, ताजिकिस्तान, बेलारूस, दक्षिण-अफ्रीका और सूडान जैसे 46 अन्य देशों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आपको हमारे बीच चल रही इस लड़ाई में शामिल करने की कोशिश मात्र है। जिसे किसी को भी पूरा नहीं होने देना चाहिए। आप सभी को अपने नागरिकों को युद्ध के मैदान तक पहुंचने से पहले ही रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता है। यहां एक गौर करने वाली बात यह है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति का यह बयान बीते दिनों भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की कीव की आधिकारिक यात्रा के बाद दिया गया है। जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की से शिष्टाचार मुलाकात कर इस युद्ध के बीच दोनों देशों से शांति स्थापना के लिए बातचीत-कूटनीति के मार्ग को अपनाने पर जोर दिया था।

रूस से जारी व्यापार पर भी चोट करनी होगी

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के एक भाग में भारत, चीन जैसे देशों का नाम लिए बगैर कहा कि रूस के राजस्व प्राप्ति के स्रोतों को सीमित करने की भी जरूरत है। जिसका बड़ा माध्यम व्यापार है। जब कोई व्यापार के जरिए रूस को बड़ी मात्रा में वित्तीय धनराशि प्रदान करता है। तो उसकी मदद से कहीं न कहीं ये युद्ध लंबा खिंचता है। बताते चलें कि 2022 से जारी इस युद्ध के बीच भारत रूस से लगातार कच्चे तेल और गैस की खरीद कर रहा है। बीते दिनों इससे नाराज अमेरिका ने नई दिल्ली पर 100% टैरिफ लगाने वाले एक कानून को अमलीजामा पहनाया है।

140 करोड़ आबादी की पूरी होंगी जरूरतें: भारत

भारत ने हाल ही में अमेरिकी टैरिफ को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क को साफ शब्दों में यह बता दिया है कि वह ऊर्जा उत्पादों की खरीद के लिए विश्व में मौजूद विविध स्रोतों की मदद लेगा। इस पूरी प्रक्रिया में सर्वोच्च प्राथमिकता देश के कुल 140 करोड़ नागरिकों के ऊर्जा हितों की पूर्ति और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा को हर हाल में बरकरार रखने को ही दी जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए 51 भारतीय

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में अब तक कुल 51 भारतीयों की मौत हो गई है। जबकि वर्तमान में देश के 2 दर्जन लोग रूसी सेना में तैनात हैं। इन सभी को सुरक्षित ढंग से देश वापस लाने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। ज्ञात हो कि विदेश मंत्रालय द्वारा बीते वक्त में कई मौकों पर अपने परामर्शों व बयानों के जरिए ये स्पष्ट किया है कि रूस की सेना में भर्ती होने के लिए भारत का मास्को के साथ कोई समझौता या व्यवस्था काम नहीं करती है। जो लोग उनकी सेना में शामिल होते हैं। वो नौकरी का झांसा देने वाले भ्रामक समूहों के जाल में फंसकर रूस पहुंचते हैं। जिसके बाद उन्हें वहां सेना में भर्ती कर युद्धक्षेत्र में तैनात किए जाने की जानकारी सामने आई है। मंत्रालय ने इसे लेकर आम लोगों को अपने आंख, कान खुले रखते हुए हमेशा चौकन्ना रहने की सलाह दी है। इसी के जरिए वह ऐसे सभी गलत प्रलोभनों में फंसकर अपने जीवन को खतरे में डालने से बचेंगे।

राजधानी में गुरुवार को एक निजी मीडिया समूह के कार्यक्रम में बोले रक्षा मंत्री

पाकिस्तान की जमीन से होने वाले आतंकी हमले को युद्ध मानकर देंगे माकूल जवाब: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पाकिस्तान का नाम लेकर उसे खुली चेतावनी देते हुए कहा कि उसकी धरती से भारत पर किए जाने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को हम युद्ध की तरह मानकर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। हमारे पास तर्क और शक्ति दोनों मौजूद हैं। ऐसे में दूसरे पक्ष को जिस भाषा का सबसे बढ़िया ज्ञान होगा। हमारा जवाब भी उसी में होगा। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में एक निजी मीडिया संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बातें कही हैं।

गौरतलब है कि उनका यह बयान ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर बने हुए रणनीतिक माहौल के बीच दिया गया है। जिसमें जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक देश की सशस्त्र सेनाएं हर मोर्चे पर पूरी मुस्तैदी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने के लिए तैनात हैं।

देश की संप्रभुता, अखंडता की रक्षा करेंगे: उन्होंने ये भी कहा कि भारत हालांकि दुनिया का एक शांति पसंद देश है। लेकिन इसके यह मायने कतई नहीं हैं कि हम जरूरत पड़ने पर अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए तैयार नहीं होंगे। जब भी हमें इसका आवश्यकता पड़ेगी। हम राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इन दोनों पहलुओं की रक्षा के लिए तत्पर और तैयार रहेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व को दिया श्रेय

राजनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि उसकी बदौलत ही रक्षा क्षेत्र के मामले में आज हम इस मजबूत स्थिति में खड़े हैं। उन्होंने कहा, शक्ति व इससे जुड़ी हुई अवधारणाएं परस्पर विरोधी नहीं हैं। कभी इन्हें ऐसा समझा गया था। कांग्रेस व उसके नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकारों पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 1947 में मिली आजादी के बाद कुछ नेताओं द्वारा इन्हें विरोधी विकल्पों के रूप में देखा गया था। लेकिन हमारे देश पर जबरन थोपे गए युद्धों से ये सबक मिलता है कि सुरक्षा नीति को काल्पनिक आशावाद की बुनियाद पर तैयार नहीं किया जा सकता है। मामले में हर हाल में जमीनी हकीकत और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में ही इस सोच में तब्दीली आई है।

उभरते हुए खतरों से निपटना होगा: राजनाथ सिंह के मुताबिक, राष्ट्रीय सुरक्षा को महज देश की सीमाई सुरक्षा के मद्देनजर ही देखा नहीं जाना चाहिए। बल्कि इसमें एक व्यापक दृष्टिकोण को अपनाए जाने की दरकार है। जिसमें बदलते हुए परिदृश्य के मुताबिक रक्षा तैयारियों में बदलाव का पक्ष मुख्य रूप से शामिल है। उन्होंने मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा की कुंजी आत्मनिर्भरता को बताया और यह भी कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकार तेजी से प्रयास कर रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पारंपरिक युद्ध पद्धतियों (तोपखाना व अन्य) से इतर हमें ड्रोन, यूएवी, साइबर, लोन वुल्फ हमलों और दुष्प्रचार अभियानों के खिलाफ भी अपनी तैयारी को मजबूत बनाना पड़ेगा।

ऊर्जा सुरक्षा पर दिया जोर: उन्होंने दुनिया के कुछ भागों में चल रहे सैन्य संघर्षों के संदर्भ में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को ऊर्जा सुरक्षा से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। शत्रु पक्ष अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने, आर्थिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पंगु बनाने की कोशिश कर सकता है। जिसे देखते हुए हमने इन तमाम चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाया है। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी घटनाओं ने साफ तौर पर इस बात को प्रदर्शित किया है कि भारत के पास अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के लिए पूर्ण क्षमता और मजबूत संकल्प दोनों मौजूद हैं।

यूएन सुरक्षा परिषद में टेक कंपनियों ने जताई चिंता

एआई पर वैश्विक नियम बनाने की मांग मानवता के लिए बताया बड़ा 'खतरा'

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

दुनिया की प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनियों के प्रमुखों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से एआई के तेजी से बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक सुरक्षा उपाय बनाने की अपील की है। एंट्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई और ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने चेतावनी दी कि अगर एआई का विकास और इस्तेमाल सही तरीके से नियंत्रित नहीं हुआ, तो इससे इंसानों और पूरी मानवता के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो सकते हैं।

किसी एक देश या कंपनी को न दें ताकत

एआई कंपनियों के प्रमुखों ने कहा कि एआई की ताकत किसी एक कंपनी या देश के हाथ में केंद्रित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एआई के संभावित फायदों पर भी जोर दिया और कहा कि इस तकनीक का इस्तेमाल लोगों को अपने जीवन से जुड़े फैसलों पर अधिक नियंत्रण देने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, अमेरिका ने एआई के विकास को रोकने या इसके लिए नई वैश्विक शासन व्यवस्था बनाने के विचार का विरोध किया।

इंसानों का नियंत्रण खत्म होने का खतरा

अमोडेई ने कहा कि अगर एआई का प्रबंधन ठीक से नहीं किया गया तो यह पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। ऑल्टमैन ने भी कहा कि एआई के कारण भविष्य पर इंसानों का नियंत्रण खत्म होने का जोखिम है। दोनों ने कहा कि दुनिया के देशों को मिलकर ऐसे सुरक्षा उपाय तय करने होंगे, जिससे एआई की क्षमताएं इतनी आगे न बढ़ जाएं कि उन्हें नियंत्रित करना मुश्किल हो जाए।

ऑस्ट्रेलिया पीएम अल्बनीज का दावा

ओपनएआई के एआई एजेंट ने सरकारी वेबसाइट में लगाई सेंध

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि ओपनएआई द्वारा विकसित एक एआई एजेंट ने जून में सरकारी स्वास्थ्य डेटा पोर्टल में अनधिकृत तरीके से प्रवेश किया और वहां मौजूद कुछ फाइलों तक पहुंच बनाई। इसे सरकारी वेबसाइट में एआई एजेंट द्वारा सेंध लगाए जाने का पहला ज्ञात मामला बताया जा रहा है। एआई एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया की सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था 'मेडीकेयर' के चिकित्सा आंकड़ों वाले पोर्टल तक अनधिकृत पहुंच बनाई। यह एजेंट सार्वजनिक चिकित्सा खर्च से जुड़े आंकड़ों पर शोध कर रहा था।

पीएम अल्बनीज पत्रकारों से चर्चा करते

टीडीएफ योजना का योगदान, जीरो एमके इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाएगी डाइल्यूशन

आयातित क्रायोजेनिक अवसंरचना पर कम होगी निर्भरता, डीआरडीओ ने किया समझौता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत जल्द ही देश के भीतर क्वांटम प्रौद्योगिकी, उन्नत क्रायोजेनिक्स और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। क्योंकि गुरुवार को इस मामले को लेकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 500 करोड़ रुपए वाली प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) की मदद से 20 मिलीकेल्विन श्रेणी के डाइल्यूशन रेफ्रिजरेटर को स्वदेश में विकसित करने के लिए राजस्थान के अलवर स्थित उद्योग (स्टार्टअप) जीरो एमके इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय की यह पहली डीप-टेक परियोजना है। जिसे लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, उद्योग जगत सहित सभी हितधारकों को बधाई दी है। समझौते पर दिल्ली में टीडीएफ के निदेशक और राजस्थान में कंपनी के बीच हस्ताक्षर किए गए हैं।

डाइल्यूशन रेफ्रिजरेटर प्रणाली का महत्व

मंत्रालय ने बताया कि यह डाइल्यूशन रेफ्रिजरेटर एक विशेष क्रायोजेनिक प्रणालियां हैं। जो मिलीकेल्विन स्तर पर बेहद कम तापमान प्राप्त करने के योग्य होती हैं। ऐसा वातावरण आमतौर पर कई क्वांटम कंप्यूटिंग प्लेटफार्म और इससे जुड़ी हुई प्रौद्योगिकियों के संचालन, परीक्षण के लिए जरूरी होता है। एक बार इस उत्पाद के भारत में सफलता के साथ बनकर तैयार होने के बाद विदेशों पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा घरेलू क्वांटम प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी।

राजनाथ का बधाई संदेश

रक्षा मंत्री ने अपने बधाई संदेश में विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये साझेदारी उभरती हुई प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भविष्य में डीआरडीओ-उद्योग सहयोग के लिए एक मिसाल कायम करेगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी परियोजना के तमाम उद्देश्यों को सफलता के साथ प्राप्त करने के लिए पूरी टीम को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109